Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 20
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 7 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865
पायनियर
लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 10
योग्य छात्रों को मिलेगी वित्तीय सहायता

डोनाल्ड ट्रंप की करिश्माई वापसी

●कमला हैरिस को हराकर चार साल के अंतराल के बाद राष्ट्रपति पद की दौड़ जीती

पीटीआई। वाशिंगटन

डोनाल्ड ट्रम्प को बुधवार को अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी में से एक में दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति चुना गया। 78 वर्षीय रिपब्लिकन नेता, जो गुंडागर्दी के आरोपों में दोषी हैं और न्यूयॉर्क में एक गुप्त धन मामले में सजा का इंतजार कर रहे हैं, ने अपने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को एक कड़े मुकाबले में हराया। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा शाम 7 बजे (आईएसटी) तक घोषित परिणाम के अनुसार, 277 इलेक्टोरल वोट ट्रम्प और 224 हैरिस के पास गए थे।

ट्रंप, अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं, उन्होंने विस्कॉन्सिन के युद्ध के मैदान राज्य में जीत के साथ इलेक्टोरल कॉलेज वोटों में आधे से 270 वोटों का आंकड़ा पार कर लिया। फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी जीत की घोषणा की, और जनादेश को 'अभूतपूर्व और शक्तिशाली' बताया। इस साल चुनाव अभियान के दौरान अपनी हत्या के दो प्रयासों का जिक्र करते हुए ट्रम्प ने कहा, 'कई लोगों ने मुझसे कहा है कि भगवान ने किसी कारण से मेरी जान बचाई।' अपने उत्साही समर्थकों और अपने परिवार के जयकारों के बीच, ट्रम्प ने घोषणा की कि यह अमेरिका का स्वर्ण युग होगा। उन्होंने कहा, यह अमेरिकी लोगों के लिए एक शानदार जीत है। यह एक ऐसा आंदोलन था जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा था, और स्पष्ट रूप से, यह, मेरा मानना है, अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक आंदोलन था। इस देश में और शायद इससे परे भी ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, और अब यह महत्व के एक नए स्तर पर पहुंचने जा रहा है क्योंकि हम अपने देश को ठीक करने में मदद करने जा रहे हैं। हम अपने देश की मदद करेंगे...हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे मदद की ज़रूरत है, और उसे मदद की बहुत ज़रूरत है।'

ट्रम्प की जीत के संकेत मिलने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित विश्व नेताओं की ओर से उन्हें 'व्हाइट हाउस में ऐतिहासिक वापसी' के लिए बधाई संदेश आने शुरू हो गए। राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड (1885-1889 और 1893-1897) के बाद, ट्रम्प चार साल के अंतराल के बाद एक और कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस लौटने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। ट्रम्प जनवरी 2017 से जनवरी 2021 तक राष्ट्रपति रहे। ट्रम्प ने अपने भाषण में कहा, 'हमने आज रात एक कारण से इतिहास रच दिया, और इसका कारण यह है कि हमने उन बाधाओं को पार कर लिया, जिनके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था, और अब यह स्पष्ट है कि हमने सबसे अविश्वसनीय राजनीतिक चीज़ हासिल की है।' उन्होंने कहा, मैं अमेरिकी लोगों को आपके 47वें राष्ट्रपति और आपके 45वें राष्ट्रपति चुने जाने के असाधारण सम्मान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं आपके लिए, आपके परिवार और आपके भविष्य के लिए लड़ूँगा। हर एक दिन, मैं आपके लिए लड़ता रहूंगा और अपने शरीर की हर सांस के साथ, मैं तब तक आराम नहीं करूंगा जब तक कि हम वह मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध अमेरिका नहीं दे देते जिसके हमारे बच्चे और आप हकदार हैं। यह वास्तव में अमेरिका का स्वर्णिम युग होगा। उन्होंने अपने भाषण को बैंड विलेज पीपल के ड्रुक्ष्ट गाने पर एक मजेदार नृत्य के साथ समाप्त किया।

ट्रम्प की जीत को 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन से हारने के बाद एक उल्लेखनीय वापसी के रूप में देखा जा रहा है, जो तब उनके राजनीतिक करियर का अंत लग रहा था। ट्रम्प ने चुनाव परिणामों को चुनौती दी और यहां तक कि अप्रत्यक्ष रूप से अपने समर्थकों से यूएस कैपिटल पर मार्च करने का आग्रह किया, जिसने कथित तौर पर अमेरिकी लोकतंत्र की सीट के अंदर हिंसक हमलों और झड़पों को जन्म दिया, जिससे पूरी दुनिया में सदमे की लहर दौड़ गई। अगले महीनों में, ट्रम्प ने अदालत में परिणामों को असफल रूप से चुनौती दी। एक जूरी ने उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में दोषी पाया। बाइडन-हैरिस अभियान ने उस समय कहा था कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है जबकि ट्रम्प ने फैसले को 'धांधली' राजनीतिक प्रणाली का परिणाम बताया। वास्तव में, वे किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद शीर्ष पद के लिए (शेष पृष्ठ 9)

सहयोग को नया आयाम देने के लिए तत्पर: पीएम मोदी

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

फाइल चित्र

भारत और अमेरिका के बीच वाणिज्य, रणनीतिक मामलों और रक्षा सहित सभी क्षेत्रों में संबंधों में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के साथ ही मजबूती आने की संभावना है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके मधुर संबंध हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपने मित्र डोनाल्ड ट्रंप को उनकी 'ऐतिहासिक' जीत पर बधाई देने वाले पहले विश्व नेताओं में से एक थे। अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए तत्पर हैं।

मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'मेरे मित्र @realDonaldTrump को आपकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए तत्पर हूं।' उन्होंने कहा, 'आइए हम सब मिलकर अपने लोगों की बेहतरी के लिए काम करें और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा दें।' प्रधानमंत्री ने ट्रंप के साथ अपनी पिछली बैठकों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जो 2016-2020 तक अमेरिकी राष्ट्रपति थे। दोनों नेता रणनीतिक सहयोग और रक्षा के बारे में समान विचार रखते हैं। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भी कड़ा रुख अपनाया, जिससे रिश्ते मजबूत हुए, खासकर पाकिस्तान आधारित खतरों के मामले में। राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान, भारत और अमेरिका ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख का मुकाबला करने के लिए एक स्पष्ट प्रयास के रूप में स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक के लिए एक दृष्टिकोण साझा किया। इससे रक्षा संबंध और मजबूत हुए, संयुक्त सैन्य अभ्यास हुए और अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड गठबंधन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। (शेष पृष्ठ 9)

शेयर बाजार में एक प्रतिशत की तेजी

पीटीआई। मुंबई

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और फार्मा शेयरों में भारी लिवाली से बुधवार को स्थानीय शेयर बाजारों में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। इस दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 901 अंक चढ़कर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स ने दूसरे दिन भी बढ़त जारी रखी और यह 901.50 अंक या 1.13 प्रतिशत बढ़कर 80,378.13 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सूचकांक।,093.1 अंक या 1.37 प्रतिशत बढ़कर 80,569.73 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 270.75 अंक या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 24,484.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज में उल्लेखनीय बढ़त हुई। (शेष पृष्ठ 9)

सीबीएसई ने 21 विद्यालयों की संबद्धता वापस ली

पीएनएस। नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने डमी विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को 21 विद्यालयों की संबद्धता वापस ले ली और छह स्कूलों का उच्चतर माध्यमिक का दर्जा घटाकर माध्यमिक कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सितंबर में राजस्थान और दिल्ली के विद्यालयों में किए गए औचक निरीक्षण के बाद उठाया गया है, जिसमें कई खामियां पाई गई थीं। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश की प्रथा स्कूली शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है, तथा इससे छात्रों के आधारभूत विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए हम डमी विद्यालयों के प्रसार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं, तथा सभी संबद्ध संस्थानों को स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि वे डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश स्वीकार करने के प्रलोभन का विरोध करें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में औचक निरीक्षण समितियों की महत्वपूर्ण टिप्पणियां संबंधित विद्यालयों को प्रेषित की गई। गुप्ता ने कहा, विद्यालयों द्वारा प्रस्तुत जवाबों की बोर्ड द्वारा विस्तार से जांच की गई। निरीक्षण निष्कर्षों और वीडियोग्राफी साक्ष्यों के आधार पर, 21 विद्यालयों की संबद्धता रद्द कर दी गई और छह विद्यालयों को उच्चतर माध्यमिक से माध्यमिक स्तर पर डाउनग्रेड किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिन 21 विद्यालयों की संबद्धता रद्द की गई है, उनमें से 16 दिल्ली में हैं, जबकि पांच राजस्थान के कोचिंग केंद्र कोटा और सीकर में हैं।

एलएमवी लाइसेंस पर चला सकते हैं 7,500 किलोग्राम के वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वाणिज्यिक वाहन चालकों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) का लाइसेंस धारक व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक वजन वाले परिवहन वाहन चला सकता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले में लाइसेंसिंग नियमों पर स्पष्टता प्रदान की गई है और उम्मीद है कि इससे बीमा कंपनियों को दुर्घटनाओं में शामिल ड्राइवरों के लाइसेंस प्रकार के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका जा सकेगा। बेंच ने कहा, लाइट मोटर व्हीकल के लिए लाइसेंस रखने वाले ड्राइवर को मोटर व्हीकल एक्ट के अतिरिक्त प्राधिकरण की आवश्यकता के बिना परिवहन वाहन चलाने की अनुमति है। एलएमवी और परिवहन वाहन पूरी तरह से अलग वर्ग नहीं हैं, और दोनों के बीच ओवरलैप मौजूद है।

संविधान पीठ का फैसला बीमा कंपनियों के लिए एक झटका है। बीमा कंपनियां उन दावों को खारिज कर देती थीं, जो एक विशेष वजन के परिवहन वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं से संबंधित होते थे और चालक कानूनी शर्तों के अनुसार उन्हें चलाने के लिए अधिकृत नहीं थे। पीठ के लिए सर्वसम्मति से फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय ने कहा कि ऐसे कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं जो यह दर्शाते हों कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के लिए एलएमवी लाइसेंस धारक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि एलएमवी लाइसेंस धारक, जो अधिकतम समय वाहन चलाते हैं, न्यायालय से जवाब मांग रहे हैं और उनकी शिकायतों को तकनीकी आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता।

प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति रॉय के अलावा पीठ में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने 21 अगस्त को इस जटिल कानूनी मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जब केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने दलील दी थी (शेष पृष्ठ 9)

जाको राखे साइयां, मार सके न कोय

पीटीआई। प्रयागराज/कानपुर

कहते हैं 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय।' ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में हुई। यहां पर अगस्त में एक परित्यक्त नवजात शिशु मिला। शरीर करीब 50 घाव थे। इसमें एक जानवर के काटने से गहरा जख्म भी शामिल था, लेकिन तकलीफ और मुश्किलात के बावजूद वह लड़ा और चमत्कारिक रूप से मौत को मात देने में सफल रहा। हमीरपुर में परित्यक्त पाए जाने के समय यह बच्चा बमुश्किल दो दिन का था, लेकिन उसने सभी बाधाओं को पार करते हुए न केवल एक नया जीवन पाया, बल्कि एक नया नाम - 'कृष्ण' - और हाल ही में प्रयागराज में सरकारी बाल गृह में एक अस्थायी निवास भी पाया।

प्रयागराज के जिला परिवीक्षा अधिकारी सर्वजीत सिंह ने पीटीआई को बताया कि पूरी तरह स्वस्थ बच्चे की अब बाल गृह में उचित देखभाल की जा रही है, जहां उसे हमीरपुर में बाल कल्याण समिति (बाल कल्याण समिति) के आदेश के बाद स्थानांतरित किया गया था। गोद लेने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, 'ऐसे हर बच्चे की प्रोफ़ाइल केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड की जाती है। जो कोई भी बच्चा गोद लेना चाहता है, वह वेबसाइट पर आवेदन कर सकता है। हालांकि, इस बच्चे की प्रोफ़ाइल अभी अपलोड होनी बाकी है।' प्रयागराज पहुंचने से पहले, कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज का बाल रोग विभाग वस्तुत: उसका घर बन गया था, जिसने लगभग दो महीनों में उसे चमत्कारिक रूप से ठीक होने में मदद की, जहाँ उसकी आकर्षक मुस्कान ने उसे डॉक्टरों और नर्सों का चहेता बना दिया। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं थी जब मौत को मात देने वाली लड़ाई के बाद उसे छुट्टी दिए जाने के समय अस्पताल के मेडिकल स्टाफ की आंखों में आंसू आ गए। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. अरुण कुमार आर्य ने एक बयान में कहा, 'जब यह छोटा बच्चा, जिसे लावारिस छोड़ दिया गया था और उस पर हमला किया गया था, पूरी तरह से स्वस्थ हो गया, तो हम सभी को बहुत खुशी हुई।' डॉ. आर्य ने कहा, सभी बाधाओं के बावजूद, इस छोटे और मासूम बच्चे ने अकल्पनीय कष्ट सहे, उसके पूरे शरीर पर कुत्तों के कई काटने और खरोंच के निशान थे। उन्होंने कहा कि बच्चा हमीरपुर जिले में एक सुनसान खेत में मिला था और बाद में स्थानीय अधिकारियों द्वारा सूचित किए जाने के बाद पुलिस ने उसे बचा लिया। बच्चे को बचाए जाने के समय वह 'गंभीर रूप से कुपोषित' था और उसे 'चिकित्सा की सख्त जरूरत थी'। डॉ. आर्य ने कहा कि भूखे बच्चे के शरीर पर कई संक्रमित घाव थे और उसकी चीखें दूर से सुनी जा सकती थीं। उन्होंने कहा, बच्चे को 31 अगस्त को नवजात शिशु गहन (शेष पृष्ठ 9)

विरोध करने वालों को भी अब याद आने लगे रामः योगी

● महाराष्ट्र में तीन चुनावी रैली कर खूब गरजे यूपी के मुख्यमंत्री

● महाअघाड़ी को दी 'महाअनाड़ी' की संज्ञा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ महाराष्ट्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराष्ट्र के चुनावी दौरे पर रहे। महाअघाड़ी पर बरसते हुए उन्होंने इसे 'महाअनाड़ी' गठबंधन बताया। अमरावती की जनसभा में सीएम योगी ने दो टूक कहा कि नवनीत राणा यहां हनुमान चालीसा के लिए भी संघर्ष कर रही थीं। त्रेतायुग में जब बजरंग बली रहे होंगे, तब इस्लाम नाम की वस्तु ही नहीं रही होगी। उन्होंने कहा कि किन कारणों से रामनवमी की शोभायात्रा निकालने और हनुमान चालीसा पढ़ने से रोका जाता है। जिन्हें बजरंग बली पसंद नहीं है, उन्हें जो पसंद हैं, वे वहीं जाएं। आखिर भारत में कौन भारतीय है, जो राम व बजरंग बली को नहीं मानता है।

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव में दो महागठबंधन लड़ रहे हैं। एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा, शिवसेना व एनसीपी का महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ महाअघाड़ी के रूप में महाअनाड़ी गठबंधन है। जिसे देश, धर्म, राष्ट्रीयता, समाज-राष्ट्र में मूल्यों-आदर्शों के मर्यादाओं की चिंता न हो, वह अनाड़ी होता है। महाअनाड़ी गठबंधन यही कार्य कर रहा है। महाविकास अघाड़ी के लिए सत्ता आतंकवाद-नक्सलवाद को बढ़ावा देना इनका उद्देश्य है। महायुति गठबंधन मोदी के नेतृत्व में कहता है- तेरा वैभव अमर रहे मां- हम दिन चार रहें न रहें, महाअघाड़ी वाले कहते हैं कि मेरा वैभव अमर रहे मां- चाहे तुम रहो न रहो। सीएम योगी ने कहा कि भ्रष्टाचार, लूट-खसोट का जरिया है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए सत्ता आएगी और जाएगी, लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। महाअनाड़ी गठबंधन भारत और भारतीयता के सम्मान व स्वाभिमान के साथ खेलने वाला है। कांग्रेस और एनसीपी के लोग कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। राम का विरोध करने वालों को भी अब राम याद आने लग गए। सीएम ने कहा कि 500 वर्ष बाद रामलला ने अपनी जन्मभूमि पर दीपावली व दीपोत्सव के साथ आनंद लिया है। सीएम योगी ने कहा कि शिवाजी महाराज का संघर्ष भारत के स्वाभिमान व सम्मान का संघर्ष था। औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देने के लिए शिवाजी महराज आगरा गए थे। वहां म्यूजियम बन रहा था, जब मैं मुख्यमंत्री बना तो आगरा गया। वहां बताया गया कि यह मुगल म्यूजियम है और इसमें औरंगजेब से जुड़ी हुई स्मृतियां रहेंगी। मैंने कहा कि औरंगजेब तो विदेशी आक्रांता था, उससे तुम लोगों का क्या संबंध है। इस म्यूजियम का नाम बदलो, इसका नाम छत्रपति शिवाजी की स्मृति में होगा। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया, लेकिन कभी ईमानदारी से भारत और भारतीयता के बारे में नहीं सोचा। एक समय था, जब पाकिस्तान भारत में आतंकी वारदात करता था, पाकिस्तानी घुसपैठिए कभी भी भारत में बम विस्फोट करते थे, चीन भारत की सीमा का अतिक्रमण करता था। हम लोग मुद्दा उठाते थे तो कांग्रेस के लोग कहते थे कि बोलिए नहीं, संबंध खराब हो जाएंगे। उन्हें संबंधों की चिंता थी, देश की सुरक्षा की नहीं, पर आज मोदी के नेतृत्व का नया भारत है, सीमा पर अतिक्रमण करोगे तो राम नाम सत्य की ही यात्रा निकलेगी। विस्फोट करोगे तो जोरदार एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक होगी, जिससे उनका आका पाकिस्तान भी कांप उठेगा। कांग्रेस सरकार के समय राष्ट्रीय सुरक्षा दांव पर लगी थी, लेकिन मोदी के नेतृत्व में नया भारत अपमान का घूंट पीकर चुपचाप नहीं बैठता है। सीएम ने कहा कि तीन दिन पहले का समाचार पढ़ा होगा कि चीन की सेना पीछे हट रही है और भारतीय सेना बॉर्डर पर गश्त कर रही है।

सीएम योगी ने बताया कि वे जम्मू-कश्मीर चुनाव में जम्मू एयरपोर्ट पर उतरे तो एक मौलवी ने राम-राम किया, मैं समझा नहीं, फिर उसने कहा कि योगी जी राम-राम। यह देख एयरपोर्ट के अधिकारी भौचक हुए तो मैंने कहा कि आश्चर्य न कीजिए, यह धारा-370 हटने का इफेक्ट है।

सीएम योगी ने कहा कि जब श्रीराम वन के लिए प्रस्थान कर रहे थे तो निषादराज ने सबसे पहले अपने राज्य में शरण दी थी। कहा कि आप राजा और मैं सेवक के रूप में कार्य करुंगा, तब श्रीराम ने कहा था कि मैं पिता की आज्ञा का पालन करने जा रहा हूं। हमारी मित्रता है, लेकिन मुझे किसी राज्य में नहीं, बल्कि वन में रहना है। उन्होंने कहा कि आप अयोध्या के बाहर कहीं भी रह सकते हैं, तब श्रीराम ने कहा कि नहीं, यह मेरे लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन आने वाली पीढ़ी क्या कहेगी। प्रभु राम निषादराज के साथ मित्रता निभाते हैं, लेकिन उनके राज्य में राज का सुख नहीं भोगते। सुग्रीव-विभीषण को सत्ता दिलाई, लेकिन एक भी दिन राजमहल में नहीं गए। यह भगवान राम का त्याग और आदर्श है, इसलिए राम हमारे रग-रग में हैं। हम सदैव एक ही नाम स्मरण करते हैं-श्रीराम का।

सीएम योगी ने कहा कि नया भारत न डिगता-झुकता है और न ही पीछे हटता है, बल्कि 140 करोड़ लोगों की सुरक्षा व समृद्धि के लिए कार्य कर रहा है। जब रामलला विराजमान हो रहे थे तो मोदी जी ने कहा था कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। अयोध्या ही नहीं, अब हम काशी और मथुरा की तरफ भी बढ़ चुके हैं।

उपचुनाव वाले क्षेत्रों को छोड़ 394 विधानसभाओं में चल रहा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पुनरीक्षण अवधि में निर्वाचन आयोग के बिना अनुमति के स्थानान्तरण पर रोक

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2025 के आधार पर प्रदेश में उप निर्वाचन होने के दृष्टिगत 9 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का प्रदेश की कुल 394 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) के पुनरीक्षण कार्य से सम्बद्ध अधिकारियों/ कार्मिक को पुनरीक्षण अवधि 29 अक्टूबर 2024 से 06 जनवरी 2025 तक जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों इत्यादि को भारत निर्वाचन आयोग की बिना अनुमति के स्थानान्तरित करने पर रोक लगी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों मे पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार मतदाताओं के दावे और अपत्तियां 28 नवम्बर तक लिया जायेगा। इस बीच 9, 10, 23 तथा 24 नवम्बर 2024 विशेष अभियान तिथियां में बीएलओ मतदान बूथ पर सभी आवश्यक फार्मों सहित उपस्थित रहकर नागरिकों की सहायता करेगें। उन्होनें बताया कि 28 नवम्बर से 24 दिसम्बर 2024 तक दावें और आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा। 6 जनवरी 2025 को निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) का अन्तिम प्रकाशन कराया जायेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे पुनरीक्षण अवधि में मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच कर लें। इस अवधि में नाम दर्ज करने, नाम हटाने, नाम व पता संशोधित आदि की प्रक्रिया को ऑफलाइन या ऑनलाइन वेबसाइट/वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से कर सकते है।

मुख्यमंत्री ने हरदोई में हुए सड़क हादसे का लिया संज्ञान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मृतकों के परिजनों को दो लाख व गंभीर घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता तत्काल देने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद हरदोई के बिलग्राम क्षेत्र में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन हरदोई को मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपए एवं गंभीर घायलों को पचास हज़ार रुपए की आर्थिक सहायता तत्काल वितरित करने के निर्देश दिए।

भाजपाइयों की नौटंकी व भाषणबाजी से किसान परेशानः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। आज किसान सबसे ज्यादा बदहाल और परेशान है। मुख्यमंत्री के गृह जनपद में भी किसानों में हाहाकार मचा है। अगर काटने बांटने की भाषणबाजी और पॉलिटिकल पर्यटन से उन्हें फुर्सत मिले तो अपने गृह जनपद सहित पूरे प्रदेश में डीएपी बंटवा दें, बुवाई का सीजन फिर साल भर बाद ही आएगा। भाजपाइयों की नौटंकी और भाषणबाजी से किसान परेशान हैं।

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों से किये गये अपने एक भी वादे को पूरा नहीं किया। भाजपा ने किसानों की आय दुगनी करने का वादा किया था किन्तु उसका अब कहीं जिक्र तक नहीं होता है। केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा किसानों पर थोपे गये तीन काले कानूनों की वापसी के लिए सात सौ से ज्यादा किसानों की मौतें हो गई फिर भी सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का कानून नहीं बनाया। किसानों की समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों की समस्याओं के स्थायी समाधान पर भाजपा से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है। किसान भगवान भरोसे है, उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। किसानों की समस्याओं के निदान के लिए केन्द्र की भाजपा सरकार ने जो कमेटी बनाई थी उसका भी कहीं अता-पता नहीं है। किसानों का बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान आज तक नहीं हुआ है। जबकि नये सत्र का गन्ना इंतजार कर रहा है। भाजपा सरकार की प्राथमिकता में पूंजीपति हैं किसान नहीं। खेती में हमेशा घाटा ही रहा है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान बहुत परेशान है। एक तरफ जहां किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक महंगे मिल रहे हैं वहीं जुताई बुआई महंगी हो गयी है। किसान को अपनी उपज का लाभकारी मूल्य भी नहीं मिल रहा है। सहकारी समितियों के गोदाम खाली हैं। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। किसान को ब्लैक में खाद खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है। बीज के साथ कुछ दवाओं के पैकेट लेने का भी दबाव बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की मार किसानों पर पड़ने से किसान और ज्यादा लाचार तथा गरीब होता जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनाने का दावा करने वाली भाजपा सरकार में किसानों की दुर्दशा का अंत नहीं है। बिना किसानों के खुशहाल हुए वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी कैसे बन सकती है? भाजपा सरकार झूठ, लूट, भ्रष्टाचार में लिप्त है। उसे किसानों की कोई चिंता नहीं है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में विरोध किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं।

प्रदेश के वाहन स्वामियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना दोबारा की गई लागू

● वाहन स्वामी योजना में प्राप्त छूट का लाभ लेते हुए जमा कराएं बकाया राशिः दयाशंकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की पहल पर प्रदेश के वाहन स्वामियों को एक बार पुनः एकमुश्त शास्ति समाधान योजना का लाभ प्रदेश सरकार ने उपलब्ध कराया है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव परिवहन एल. वेंकेटेश्वर लू ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के तिथि से पूर्व तक रजिस्ट्रीकृत वाहनों पर संदेय कर के विलम्ब संदाय हेतु शास्ति के संदाय से इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के तिथि से तीन माह की अवधि के लिए छूट प्रदान की गई है।

जारी अधिसूचना के तहत ऐसे वाहन स्वामी अथवा उनके विधिक वारिस, जिनके मामले विभिन्न न्यायालयों के समक्ष लम्बित हों, जिनके कर/शास्ति के विरुद्ध अपील/पुनरीक्षण, उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) अथवा उप परिवहन आयुक्त (यात्रीकर) के समक्ष लम्बित हों, पात्र होंगे। वाहन स्वामियों को वाद प्रत्याहृत करने के लिए, यथास्थिति सम्बन्धित न्यायालयों/उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र)/उप परिवहन आयुक्त (यात्रीकर), के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना होगा। परिवहन यानों के समस्त स्वामी अथवा उसके विधिक वारिस, जिनके विरूद्ध इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के तिथि तक कर एवं शास्ति हेतु वसूली प्रमाण पत्र जारी किया गया हो, भी इस अधिसूचना के अधीन पात्र होंगे।

अधिसूचना में कहा गया है कि स्वामी अथवा उसके विधिक वारिस को विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन)/ कराधान अधिकारी को तिपहिया एवं हल्के मोटर यानों (7500 कि0ग्रा0 सकल यान भार तक) के मामले में आवेदन शुल्क के रूप में 200/- रुपए की धनराशि एवं अवशेष यानों हेतु आवेदन शुल्क के रूप में 500/- रुपए की धनराशि सहित आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन, इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के तिथि से अधिसूचना के प्रभावी होने के तिथि तक किया जायेगा। निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात स्वीकार नहीं किया जायेगा। इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के तिथि से पूर्व किसी वाहनों के विरूद्ध जमा कर एवं शास्तियाँ प्रतिदेय नहीं होगी। स्वामी, यानों पर बकाया देय करों की कुल धनराशि 'एकमुश्त' जमा करेगा।

जारी अधिसूचना के अन्तर्गत अधिसचना निर्गत होने के तिथि को या उसके पश्चात रजिस्ट्रीकृत समस्त प्रकार के परिवहन यान एवं समस्त प्रकार के अरजिस्ट्रीकृत वाहन, जिन पर अधिसूचना के दिनांक के पूर्व तक बकाया कर संदेय हो एवं लम्बित बकाया जमा न हो, इस सुविधा के लाभ के पात्र नहीं होंगे।

प्रदेश में स्थित बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों का दिल्ली में किया गया व्यापक प्रचार-प्रसार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के तत्वावधान में नई दिल्ली में आयोजित बौद्ध शिखर सम्मेलन का समापन

अन्तरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ एवं संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय समिट में विभिन्न देशों के बौद्ध भिक्षुओं, धर्म गुरुओं तथा विद्धवानों ने भाग लिया। इस समिट का विषय एशिया को मजबूत करने में बुद्ध धम्म की भूमिका रखा गया था। इस समिट में उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने प्रदेश में स्थित बौद्ध स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए बौद्ध अनुयायियों को उत्तर प्रदेश आने का न्यौता दिया। मंगलवार से शुरू हुई समिट आज समाप्त होगी। पर्यटन विभाग का प्रयास था कि इस समिट में प्रतिभाग करने वाले देशों के प्रतिनिधि यहां से शान्ति का संदेश लेकर जाए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दो दिवसीय बौद्ध शिखर सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में स्थित होटल अशोका में हुआ था। प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा बौद्ध सर्किट के अन्तर्गत आने वाले बौद्ध स्थलों के बारे में अच्छी जानकारी दी। विदेशी प्रतिनिधियों ने सफल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना की। पर्यटन मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों का प्राथमिकता के आधार पर पर्यटन सुविधाओं का विकास कर रही है ताकि देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु अविस्मरणीय अनुभव लेकर लौटें।

जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। माननीय प्रधानमंत्री की मंशानुरूप और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विभिन्न सर्किट का विकास किया जा रहा है। बौद्ध धर्म का मूल उत्तर प्रदेश में है। भगवान गौतमबुद्ध से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु, कौशांबी, श्रावस्ती और संकिसा आदि पर देश-दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। भविष्य में यहां पर्यटकों की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि होगी। इसके साथ ही आकर्षक पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि कुशीनगर में टीएफसी, गेट कांप्लेक्स, अन्य पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

इसी तरह श्रावस्ती में बौद्ध विहारों पर पर्यटन सुविधाओं का सृजन किया जा रहा है। कौशांबी में बौद्ध थीम पार्क और गेट कांप्लेक्स निर्माण की तैयारी है। इसी तरह कपिलवस्तु स्थित बौद्ध विहारों पर पर्यटन सुविधाओं का विकास और कपिलवस्तु का समेकित पर्यटन विकास किया जा रहा है। कपिलवस्तु में विपश्यना केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही सारनाथ, संकिसा और श्रावस्ती में पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा कई और कार्य किए जा रहे हैं।

पत्रकार हत्याकांड के आरोपी दो सगे भाई मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फतेहपुर जिले में बीते दिनों हुई पत्रकार दिलीप सैनी की हत्या के मामले में शामिल दो सगे भाइयों अनुराग तिवारी उर्फ अन्नू और आलोक तिवारी उर्फ अक्कू को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में अनुराग गोली लगने से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीजीपी मुख्यालय के अनुसार थाना मलवां व क्राइम ब्रान्च की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर कैंची मोड़ के पास चेकिंग के दौरान कार सवार बदमाशों की घेराबन्दी की गई। बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में अभियुक्त अनुराग घायल हो गया। जिसे उसके भाई और सहअभियुक्त आलोक सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 4 हजार 200 रुपए और अवैध तमंचा बरामद हुआ। उल्लेखनीय हैकि 30 अक्टूबर की देर रात पत्रकार दिलीप सैनी की उनके भिटौरा रोड पर बिसौली स्थित यार्ड में घुसकर बदमाशों द्वारा हत्या कर दी गई थी। हमले में पत्रकार के साथी शाहिद को भी बदमाशों ने चाकू मार घायल कर दिया था। मृतक पत्रकार की पत्नी मनोरमा की तहरीर पर पुलिस ने नौ नामजद सहित छह अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया था। जिसमें दो नवंबर को पुलिस ने नामजद लेखपाल सुनील राणा, अंकित तिवारी, बबलू पटेल, विपिन शर्मा और चिक्कन उर्फ आशीष को गिरफ्तार किया था। आलोक और अनुराग को मुठभेड़ के दौरान आज गिरफ्तार किया गया। दो नामजद जोंटी उर्फ अफजल और सुभाष पांडेय अभी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी

● केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर प्रॉब्लम से निपटने की कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

महाकुंभ 2025 के वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिंदा भी पर न मार सके, इसके लिहाज से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। महाकुंभ से पहले केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर प्रॉब्लम से निपटने के लिए भी टीम को तैयार कर लिए जाने की योजना है। इसके लिए बाकायदा कर्मचारियों को हर आपदा से निपटने की विधिवत ट्रेनिंग दी जाएगी। यही नहीं योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए भी प्रयागराज के अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपग्रेड करने में लगे हैं। संयुक्त निदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) प्रयागराज वीके मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने में जुटा है। इसके तहत कर्मचारियों को महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाएगी। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए टीबी सप्रू और स्वरूपरानी अस्पताल को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के मिलकर काम करने की योजना बनाई गई है। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन के दौरान हर एक श्रद्धालु को केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर संबंधी हर प्रॉब्लम से सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 291 एमबीबीएस व स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती रहेगी। इसके अलावा 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ भी इस अभियान में सहयोग के लिए मौजूद रहेंगे। साथ ही 182 स्टॉफ नर्स इन चिकित्सकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जरूरतमंदों के स्वास्थ्य की देखभाल करेंगी। इस प्रक्रिया में ज्यादातर अनुभवी चिकित्सकों को ही महाकुंभ के दौरान तैनाती दी जा रही है।

महाकुंभ से पहले चमकते नजर आएंगे हाईवे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

डबल इंजन की सरकार महाकुंभ के अवसर को ऐतिहासिक बनाने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में हाईवे से लेकर प्रयागराज सिटी को जोड़ने वाली सड़कों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी हाईवे और सिटी को जोड़ने वाली सड़कों को चमकाने में जुट गए हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान जब देश और दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु सड़क मार्ग से होकर प्रयागराज पहुंचेंगे तो उन्हें चौड़ी सड़क के साथ ही निश्चित अवधि में मल्टीलिंग्वल साइनेज बोर्ड, ग्रीनरी और पेंटिंग नजर आएगी। यही नहीं, टोल प्लाजा के पास भी उन्हें तमाम सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। बुधवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित सभागार में एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान के साथ एनएचएआई के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाकुंभ ऐतिहासिक अवसर है और इस दौरान हमें सिर्फ सड़क नहीं बनानी है,बल्कि उसे अच्छी और खूबसूरत भी बनाना है। प्रयागराज को जोड़ने वाली जितनी भी सड़कों पर काम चल रहा है उस पर सेफ्टी आर्डिटर्स लेकर अधिक से अधिक साइनेज लगाए जाएं। ब्यूटीफिकेशन का काम हो, पेंटिंग हो, लाइटिंग हों और इसे कैमरे से युक्त होना चाहिए। यही नहीं, रोड्स पर ऐसे साइनेज भी पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए जो श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहे हों। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में करोड़ों लोग आएंगे। रोड ऐसी हो कि जिसकी चमक श्रद्धालुओं को आनंदित करे।

30 नवम्बर तक भरपूर चौड़ी होंगी संगम की ओर जाने वाली सड़कें

● मेला क्षेत्र की सभी रोड्स का किया जा रहा चौड़ीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर पूरे शहर में सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के कार्य जोरों पर हैं। ऐसे में महाकुंभ के केंद्रीय स्थल संगम की ओर जाने वाली सड़कों के चौंडीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी अंतिम चरण में है। इसको 30 नवंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि पीडीए और छावनी परिषद के सहयोग से शहर से संगम को जोड़ने वाली सड़कों का निर्माण कार्य 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। श्रद्धालुओं की अनुमानित संख्या के मुताबिक मेला क्षेत्र की सभी सड़कें पिछले कुंभ की तुलना में दोगुनी से ज्यादा संख्या में चौड़ी की जा रही हैं। महाकुंभ 2025 का सफल आयोजन सीएम योगी की प्राथमिकता है। ऐसे में यूपी सरकार इसके आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रही है। महाकुंभ 2025 में लगभग 40 करोड़ लोगों के प्रयागराज आने का अनुमान है, जो कि पिछले कुंभ मेले की तुलना में ढेड़ से दो गुना है। सड़कों का चौड़ीकरण भी उसी अनुपात में किया जा रहा है। महाकुंभ में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं का मुख्य गंतव्य स्थल त्रिवेणी संगम है। त्रिवेणी संगम को शहर से जोड़ने वाली सभी सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। अपर मेलाधिकारी ने बताया कि शहर से संगम जाने वाली त्रिवेणी रोड़, लाल सड़क, काली सड़क, नवल राय रोड़, किला घाट रोड़ व दारागंज रोड़ के चौड़ीकरण का कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। श्रद्धालुओं की संख्या के अनुमान के मुताबिक सभी सड़को की क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। साथ ही सड़कों के दोनों ओर इंटरलॉकिंग फुटपाथ भी बनाए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम प्रवेश व निकास की पर्याप्त व्यवस्था की जाएः सुरेश खन्ना

● वित्त व संसदीय कार्य मंत्री ने लक्ष्मण मेला मैदान पर किया छठ महापर्व को लेकर की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने छठ महापर्व के आयोजन को देखते हुए आज लक्ष्मण मेला मैदान घाट पर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम प्रवेश एवं निकास हेतु पर्याप्त व्यवस्था किया जाए वैकल्पिक प्रवेश एवं निकास द्वारों की भी व्यवस्था रखी जाए।

खन्ना ने छठ महापर्व पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए सभी उपासकों से स्वच्छ, सुरक्षित, जीरो वेस्ट, प्लास्टिक मुक्त पर्व मनाने एवं गोमती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने में सहयोग हेतु अपील की। उन्होंने छठ पूजा को लेकर घाटों व मार्गा में की जा रही व्यवस्थाओं, सुंदरीकरण, घाटों की मरम्मत, साफ सफाई, प्रकाश व सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को छठ घाटों पर सभी व्यवस्थाओं को चॉक-चौबंद करने हेतु जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं को कोई भी परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपनी मुरादे पूरी करने के लिए सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ यह त्योहार मनाते हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि घाटों पर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था हो। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न हो, कूड़ा कचरा इधर-उधर न फैले इसके लिए घाटों पर डस्टबिन रखवाए जाएं। पूजा सामग्री नदी में प्रवाहित न हो इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। नगर के लोग छठ पर्व को दिव्य और भव्य रूप से मनाए, इसके लिए घाटों का सुंदरीकरण कराए जाए, जिससे श्रद्धालुओं को पूर्ण शांति व खुशी का एहसास हो। गहरे पानी में जाने से बचने के लिए नदी में बैरिकेटिंग की जाएं। साथ ही किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस और गोताखोर भी तैनात किए जाएं।

खन्ना ने कहा कि छठ घाटों और मार्गा में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था कराई जाए। सभी छठ सफाई कर्मी, मशीनों, कार्मिकों व अधिकारियों की तैनाती रहे, सभी अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी के साथ करें। श्रद्धालुओ के लिए घाटों पर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हेतु टैंकरों की व्यवस्था रहें। घाटों में गंदगी न हो, मोबाइल टॉयलेट की पर्याप्त व्यवस्था रहे। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान भोजपुरी समाज के प्रभुनाथ राय, अपर नगर आयुक्त,मुख्य अभियंता एवं नगर निगम के अधिकारी तथा अन्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने छठ पर्व पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। एक सन्देश में मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का एक प्रमुख पर्व है। इस पर्व में आत्मिक शुद्धि और निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। हमारे देश में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की समृद्ध परम्परा व संस्कृति है। प्रकृति के साथ मानव के जुड़ाव का सन्देश देने वाला छठ पर्व इसी समृद्ध परम्परा का जीवन्त उदाहरण है।

सीएम योगी 9 को करेंगे आकांक्षा हाट 2024 का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9 नवंबर 2024 को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाले 'आकांक्षा हाट 2024' का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों को अपने उत्पादों और कौशलों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान

● महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा म प्रयास, स्थानीय उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

करना है। आकांक्षा समिति, उत्तर प्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की पत्नी संघ का एक विकासशील अंग है, जो राज्य की महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। राज्य के सभी 75 जिलों में कार्यरत इस समिति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्व-रोजगार और स्व-सहायता समूहों को आर्थिक अवसर प्रदान करना है। आकांक्षा हाट 2024 के माध्यम से यह समिति महिलाओं को अपने उत्पादों, कौशल, और शिल्प को प्रदर्शित करने का अवसर देगी, जिससे वे अपने परिवार और समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकेंगी। आकांक्षा हाट 2024 का आयोजन स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में हर जिले को एक समर्पित स्टॉल प्रदान किया जाएगा, जहां विभिन्न जिलों की महिला उद्यमी अपने क्षेत्रीय उत्पादों और शिल्प का प्रदर्शन करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का यह प्रयास है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अधिक से अधिक आर्थिक अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन सकें और समाज में अपनी एक मजबूत पहचान बना सकें। आकांक्षा हाट 2024 में 'ट्विन स्टेट इनिशिएटिव' के तहत जम्मू और कश्मीर से महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को भी आमंत्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य दोनों राज्यों की महिला उद्यमियों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इससे उत्तर प्रदेश की महिला उद्यमियों को न केवल नए कौशल और विचारों को सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय को व्यापक स्तर पर विस्तार देने में भी सहायता मिलेगी।

नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कुड़ियाघाट में की जा रही तैयारियों का किया स्थलीय निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के.शर्मा जी बुधवार को शाम 6:30 लखनऊ के कुड़ियाघाट पहुंचकर छठ पर्व को लेकर वहां पर की जा रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया और बेहतर व्यवस्था बनाने के जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ पर्व का शुभारंभ मंगलवार को नहाए खाए के रस्म के साथ शुरू हो गया है, चार दिवसीय इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में अपार श्रद्धा और उत्साह है। लाखों श्रद्धालु छठ पूजा घाटों व स्थलों में अपनी मुरादों को लेकर छठी मैया के गीत गाते हुए पर्व को बड़ी आस्था व विश्वास के साथ मनाते हैं। उन्होंने छठ महापर्व पर सभी श्रद्धालुओं सहित देशवासी एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी और श्रद्धालुओं से छठ पर्व को पूर्ण साफ सफाई व सुरक्षा के साथ प्लास्टिक मुक्त और जीरो वेस्ट के रूप में मनाने की अपील की है।

नगर विकास मंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए की पूजा घाटों से लेकर सभी मार्गों तक की साफ सफाई, सुंदरीकरण व प्रकाश व्यवस्था बेहतर बनाए। विद्युत आपूर्ति में व्यवधान न हो, इसके लिए जरूरी प्रबंध कर लिए जाए। पूजा समितियों के साथ बैठक कर उनके सुझावों पर भी छठ घाटों पर सभी तैयारियां को समय से पूरा कर लिया जाए। घाटों के पास पर्याप्त मात्रा में स्नान घर, मोबाइल टॉयलेट पोर्टेबल टॉयलेट, चेंजिंग रूम की व्यवस्था व स्वच्छ पेयजल के लिए टैंकर की व्यवस्था रहे। लोगों को सुविधाओं का लाभ सहज ढंग से मिले, इसके लिए साइन बोर्ड भी लगाए जाए।

ए.के. शर्मा ने कहा कि छठ पर्व को जीरो वेस्ट और प्लास्टिक मुक्त स्वच्छ पर्व के रूप में मनाने के लिए लोगों को प्रेरित करें। कूड़ा डालने के लिए घाटों पर डस्टबिन रखवाए। पूजा सामग्री व कूड़े का नियमित उठान और निपटान के समुचित प्रबंध किए जाए, इसके लिए पर्याप्त कार्मिक और मशीनों व लोडर की व्यवस्था रहे। पूजा सामग्री जलाशयों में न जाने पाए, घाटों में जालीनुमा अर्पण कलश बनाए जाए। घाटों में जलाशयों से जलकुंभी हटाई जाए। गहरे पानी में बच्चों और श्रद्धालुओं को जाने से रोकने के लिए पानी में बैरिकेटिंग कराई जाए। पूजा घाटों और मार्गों पर सुरक्षा के समुचित प्रबंध रहे, किसी को भी परेशानी न होने पाए। व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए लोगों का भी सहयोग भी लिया जाए। घाटों और मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल का भी सहयोग रहें। उन्होंने कहा कि छठ घाटों व पूजा स्थलों तथा मार्गों पर गंदगी न हो, इसके लिए चूने का छिड़काव कराया जाए तथा मच्छरों से बचने के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग भी कराए। वाहनों की पार्किंग की उचित व्यवस्था रहे। घाटों में प्रवेश और निकास के लिए तथा श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए साइनेज लगाए जाए।

उन्होंने घाट में लाइटिंग की बेहतर व्यवस्था और घाट में पानी की और सफाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि कुड़ियाघाट को आगामी समय में लखनऊ के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ और बाराबंकी में कई स्थानों पर जाकर छठ घाटों की तैयारियों का निरीक्षण किया। सभी जगह पर अच्छी व्यवस्थाएं की जा रही हैं, जो भी कमियां दिखी हैं, उसको पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त मुख्य अभियंता महेश वर्मा के साथ नगर निगम और एलडीए के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छ घाट प्रतियोगिता का हो रहा आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छठ महापर्व के अवसर पर योगी सरकार प्रदेश में स्वच्छ घाट प्रतियोगिता 2.0 का आयोजन कर रही है। 8 नवम्बर, 2024 तक आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य घाटों पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, और प्लास्टिक मुक्त परिवेश सुनिश्चित करना है। विभिन्न निकायों के बीच इस प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए अनेक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता के अंतर्गत घाटों पर साफ-सफाई बनाए रखने हेतु अर्पण कलश स्थापित किए गए हैं, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसके साथ ही, घाटों को नो प्लास्टिक जोन घोषित किया गया है ताकि प्लास्टिक और थर्माकोल के उपयोग को प्रतिबंधित किया जा सके। प्रतियोगिता के दौरान घाटों पर शौचालयों और स्नान घरों की स्थापना की जा रही है। इन सुविधाओं का नियमित रखरखाव भी सुनिश्चित किया जा रहा है। स्वच्छ सारथी क्लब, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, एनजीओ और अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी से इन सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। घाटों का सौंदर्यीकरण और पूर्ण रूप से बदलाव लाने के लिए नवाचार गतिविधियों का आयोजन किया गया है। कूड़े के उचित निपटान हेतु डस्टबिन की व्यवस्था की गई है ताकि घाट क्षेत्र हमेशा साफ-सुथरा बना रहे। साथ ही, घाटों की स्वच्छता में अधिकतम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस स्वच्छता अभियान में एनजीओ, सीएसओ और अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

अग्नि आपदा प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशो के क्रम में राज्य ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा विभिन्न विकासपरक व अन्य शासकीय योजनाओं को मुकम्मल अन्जाम देने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर सतत् रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्र. अपर निदेशक बीडी चौधरी ने बताया कि इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बीकेटी, लखनऊ में आयोजित 'अग्नि आपदा प्रबन्धन' राज्य स्तरीय 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के डिप्टी कलेक्टर/ तहसीलदार / नायब तहसीलदार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, चिकित्साधिकारी, तथा आपदा विशेषज्ञों सहित 55 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक एल' वेंकटेश्वर लू द्वारा महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए गए। उन्होंने प्रतिभागियों से अग्नि आपदा प्रबन्धन के महत्वपूर्ण गुर बताए। संस्थान के अपर निदेशक (प्र.), बीडी चौधरी, डॉ. अदिति उमराव, परियोजना निदेशक (ईऑ), राहत आयुक्त कार्यालय, डॉ. एसके सिंह, सहायक निदेशक संजय कुमार, सहायक निदेशक, कुमार दीपक, सलाहकार आ.प्र. की की गरिमामयी उपस्थिति रही। बीपी सिंह, आईपीएस (सेनि) ने अग्नि आपदा के दौरान भीड़ प्रबंधन पर विशेष जानकारी प्रदान की। घनश्याम मिश्रा, सलाहकार, यूनीसेफ लखनऊ एवं डॉ मजहर रशीदी, मास्टर ट्रेनर, द्वारा विभिन्न प्रकार की अग्नि काण्ड/ दुर्घटना सम्बन्धित प्रबन्धन योजना एवं विद्यालय अग्नि प्रबन्धन योजना, कार्यालय अग्नि प्रबन्धन योजना, सार्वजनिक स्थल अग्नि प्रबन्धन योजना, गृह अग्नि प्रबन्धन योजना निर्माण सम्बन्धी विभिन्न पहलुओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं समूह चर्चा द्वारा विषय-वस्तु की जानकारी साझा की। अदिति उमराव, परियोजना निदेशक (ई.ऑ.), राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा राज्य आपदा मोचक निधि एव राष्ट्रीय आपदा मोचक निधि, निर्माण, प्रक्रिया एवं व्यवहारिक ज्ञान पर चर्चा, अंकेक्षण हेतु निर्देश पर चर्चा की। डॉ. एससी शर्मा, अधीक्षक (सेनि), पशुपालन निदेशालय, उप्र ने अपनी वार्ता में अग्नि आपदा प्रबंधन में पशुपालन विभाग, पशु चिकित्सालय एवं चिकित्सकों के दायित्व, दावानल (जंगल की आग), खेत में लगी आग से निपटने से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। एसडीआरएफ टीम एवं अग्निशमन विभाग द्वारा अग्नि के विषय में विशेष जानकारी एवं हैण्डऑन ट्रेनिंग अभ्यास द्वारा प्रतिभागियों को अग्नि दुर्घटना बचाव सम्बन्धित तकनीक सिखायी। कुमार दीपक, सलाहकार ने आपदा के प्रकार, उत्तर प्रदेश में विभिन्न प्रकार की आपदाओं की संवेदनशीलता के विषय में जानकारी दी।

मनरेगा-मानव दिवस सृजन में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य

लखनऊ। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले जरूरतमंद लोगों को लगातार काम देने का कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण को उनकी मांग के अनुरूप कार्य उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। अकुशल मजदूरों को उनके ही गांव में प्राथमिकता के साथ 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। मनरेगा योजना के अंतर्गत मानव दिवस सृजन के मामले में उत्तर प्रदेश लगातार अग्रणी राज्य की श्रेणी में है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 20 करोड़ ज्यादा मानव दिवस सृजित कर लिये गये हैं। वहीं अगर बीते 3 वर्षों की बात करें तो वर्ष 2021-22 की तो जहां 2021-22 में 32.56 करोड़ मानव दिवस सृजित किये गये थे, वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 31.15 करोड़ मानव दिवस सृजित किये गये और वित्तीय वर्ष 2023- 24 में योजना के इतिहास में यह दूसरा मौका है जब एक ही वर्ष में निर्धारित लक्ष्य को 3 बार रिवाईज किया गया। इससे पहले वर्ष 2020-21 में 3 बार लक्ष्य बढ़ा था। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पहले 21 करोड़ मानव दिवस का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे 3 बार बढ़ाकर पहले 25 करोड़ फिर 30 करोड़ उसके पश्चात 34.50 करोड़ किया गया। जिस लक्ष्य को भी पार करते हुये उत्तर प्रदेश में 34.54 करोड़ से ज्यादा मानव दिवस सृजित किये गये । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा मनरेगा के तहत अधिक से अधिक काम देने के निर्देश से यह संभव हो सका है। मानव दिवस सृजन में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी राज्य है।

बहराइच ध्वस्तीकरण मामला

नोटिस जारी करने से पहले कानून के अनुसार सर्वेक्षण किया गया अथवा नहींः हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

बहराइच के महाराजगंज में लोक निर्माण विभाग की सड़क पर कथित अतिक्रमण को हटाने के विरुद्ध दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य सरकार से सवाल जवाब किया है। पूछा है कि कानून के अनुसार सर्वेक्षण व सीमांकन किया गया अथवा नहीं। पीठ ने राज्य सरकार से अन्य बिंदुओं पर भी जानकारी मांगी है। पीठ को इससे पहले राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि उसका जवाबी हलफनामा दाखिल हो चुका है। पीठ ने इस पर याचिकाकर्ता को प्रत्युत्तर दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी।

जस्टिस एआर मसूदी एवम जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने यह आदेश एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील को अगली तारीख पर यह भी बताने को कहा है कि क्या इस बात की जांच कराई गई थी कि जिन लोगों को नोटिस जारी किया गया है, वह संपत्ति के असली मालिक हैं या नहीं। इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील का कहना था कि जिन अधिकारियों ने नोटिस जारी की है, वे संबंधित प्राविधानों के तहत नोटिस जारी नहीं कर सकते। उन प्राविधानों के तहत नोटिस जारी करने का अधिकार सिर्फ जिलाधिकारी को है। पीठ ने इस पर यह भी बताने को कहा कि क्या नोटिस उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा जारी किया गया। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से भी कहा है कि जिन व्यक्तियों को नोटिस जारी की गई है, उसका विवरण अगली सुनवाई पर पेश करें।

लखनऊ में अत्याधुनिक फॉरेंसिक साइंस लैब के निर्माण की दिशा में प्रयास तेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 87.50 करोड़ की लागत से 20,572.80 स्क्वायर मीटर बिल्ड अप एरिया में होगा निर्माण, बेसमेंट समेत होगा 7 मंजिला परिसर

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार ने लखनऊ में अत्याधुनिक फॉरेंसिक साइंस लैब के निर्माण को गति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस आधुनिक फॉरेंसिक साइंस लैब का निर्माण बेसमेंट समेत 7 मंजिला परिसर (बी+एस+5) के रूप में होगा। 87.50 करोड़ की लागत से 20,572.80 स्क्वायर मीटर बिल्ड अप एरिया में इसका निर्माण व विकास कार्य किया जाएगा। इस कार्य को पूरा करने का जिम्मा नियोजन विभाग के ईपीसी सेल को सौंपा गया है तथा डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट, आर्किटेक्चरल डिजाइन समेत विभिन्न रिपोर्ट्स की निर्धारण प्रक्रिया शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि यूपी स्टेट फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट द्वारा उपलब्ध कराए गई जमीन पर यह निर्माण प्रस्तावित है तथा रानीपुर रोड के जरिए लखनऊ-कानपुर हाइवे से इसे कनेक्ट किया जाएगा। सीएम योगी के विजन अनुसार, भविष्य की जरूरतों के अनुसार इस फॉरेंसिक लैब का निर्माण किया जाएगा। चिह्नित क्षेत्र में निर्मित होने वाले परिसर चारबाग स्टेशन से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह सोलर पीवी इनेबल्ड होगा तथा अंडरग्राउंड टैंक, इंसीनरेटर, कंपोज्ड प्लांट, अकॉस्टिक वॉल पैनलिंग, गैस बेस्ड फायर फाइटिंग सिस्टम, डीजी सेट, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन तथा हॉर्टिकल्चर समेत सौंदर्यीकरण के विभिन्न कार्यों को पूरा किया जाएगा। विभिन्न कैपेसिटी की लिफ्ट, एचवीएसी वातानुकूलन, वीआरवी व वीआरएफ सिस्टम, आईपी बेस्ड ईपीबैक्स सिस्टम, आईपी बेस्ड सीसीटीवी सिस्टम तथा ऑडियो वीजुअल सिस्टम से भी परिसर को युक्त किया जाएगा। यहां फॉरेंसिक लैब के निर्माण के साथ आपराधिक जांच समेत विभिन्न अन्वेषण प्रक्रियों में मदद मिलेगी। आधुनिक फॉरेंसिक लैब के निर्माण व विकास के लिए नियोजन विभाग के ईपीसी सेल ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए एक विस्तृत कार्ययोजना का निर्माण किया गया है। 18 महीने में सभी निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने की समयावधि तय की गई है। वहीं, निर्माण प्रक्रिया को पूरा करने के पूर्व एक डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी जो मास्टर प्लान की तरह कार्य करेगा। मास्टर प्लान में आर्किटेक्चरल डिजाइन, टोपोग्राफी, साइट सर्वे, सब सॉयल सर्वे समेत विभिन्न रिपोर्ट्स का संकलन व निर्धारण होगा जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और 90 दिनों की समयावधि के बीच इस कार्य को पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है।

राजभवन में उल्लासपूर्वक मनाया गया पंजाब राज्य का स्थापना दिवस समारोह

● हर राज्य अपने त्योहारों, स्थापना दिवस, और सांस्कृतिक परंपराओं के माध्यम से अपनी विविधता को प्रदर्शित करता हैः आनंदीबेन पटेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंजाब राज्य की विभिन्न लोक नृत्य, लोक गायन की हुई प्रस्तुति

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन में पंजाब राज्य का स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंजाब राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाने वाले विभिन्न लोक नृत्य, लोक गायन की प्रस्तुतियों के साथ-साथ पंजाब की संस्कृति और विविधता पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया।

राज्यपाल ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सभी कलाकारों की जोशीली और ऊर्जावान प्रस्तुतियों की सराहना की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पहलु में उत्साह और आनंद होता है, और हर राज्य अपने त्योहारों, स्थापना दिवस, और सांस्कृतिक परंपराओं के माध्यम से अपनी विविधता को प्रदर्शित करता है। पंजाब को 'नदियों का प्रदेश' बताते हुए राज्यपाल जी ने भाखड़ा नांगल डैम की चर्चा करते हुए राज्य को धन-धान्य का भण्डार बताया। उन्होंने प्रदेश के रंग-बिरंगे परिधान, संस्कृति, खान-पान आदि का उल्लेख किया। राज्यपाल ने पंजाब को देशभक्ति से प्रेरित राज्य बताते हुए कहा कि पंजाब से सबसे अधिक सैनिक सेना में शामिल होते हैं और सेना में पंजाब रेजीमेंट की अहम भूमिका है। उन्होंने पंजाब के प्रसिद्ध स्थलों जैसे भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के समाधि स्थल हुसैनीवाला, जलियांवाला बाग और स्वर्ण मंदिर का उल्लेख किया। राज्यपाल जी ने पंजाब की विशिष्टता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि पंजाबियों की परंपरा है कि वे लंगर में बिना किसी भेदभाव के सभी को सेवा देते हैं। उन्होंने पंजाब की संस्कृति को उच्च मानवीय मूल्यों से प्रेरित बताया और कहा कि यहां की सेवा की परंपरा हर पीढ़ी द्वारा निभाई जाती है। राज्यपाल ने पंजाब की प्रमुख समस्या के रूप में युवाओं में 'ड्रग्स' के प्रभाव को रेखांकित किया और राज्य और केंद्र सरकार से युवाओं को इस संकट से बाहर निकालने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पंजाब को 'ड्रग्स से मुक्त' कराने का तथा युवा धन को बचाने का आह्वान किया। समारोह में पंजाब की सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करने के लिए उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और पंजाब से आए कलाकारों द्वारा विभिन्न लोक नृत्य जैसे गिद्दा, भांगड़ा और झूमर एवं अन्य स्थानीय नृत्य की जोशीली प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके अलावा पंजाब की संस्कृति, खानपान, परिधान, हस्तकला, लोक कला, महत्वपूर्ण स्थल, और महान विभूतियों पर आधारित प्रदर्शनी और रंगोली का अवलोकन भी राज्यपाल जी ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, प्रमुख सचिव सिंचाई श्री अनिल गर्ग, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री नरेंद्र भूषण, श्री नरेंद्र बंसल, निदेशक महिला कल्याण श्रीमती संदीप कौर, नगर आयुक्त लखनऊ श्री इंद्रजीत सिंह और पंजाब से आए विभिन्न अतिथिगण, राजभवन के अधिकारी एवं कार्मिक आदि उपस्थित रहे।

धान खरीद में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

प्रत्येक दशा में खरीद के 48 घंटे में किसान को भुगतान करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम योगी ने प्रदेश में धान खरीद की समीक्षा की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश में धान खरीद की समीक्षा की। उन्होंने मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद प्रक्रिया को पूरी तत्परता एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों की सुविधा के दृष्टिगत प्रदेश के सभी क्रय केन्द्र क्रियाशील रहें। प्रत्येक दशा में खरीद के 48 घण्टे में कृषक को भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने, छाया एवं पेयजल आदि बुनियादी सुविधाओं व आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए। बोरे की कमी कहीं न हो। टोकन व्यवस्था के माध्यम से खरीद की जाए। क्रय केन्द्रों पर वर्षा तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से धान की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबन्ध किये जाएं। क्रय केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की जाए। कर्मचारियों की समय से तथा अनवरत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इन समस्त कार्यों की मुख्यालय से लगातार मॉनीटरिंग भी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक पात्र परिवार को राशन आसानी से तथा पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने की दिशा में किये गए प्रयासों के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। प्रदेश सरकार ने फेयर प्राइस शॉप को मॉडल फेयर प्राइस शॉप बनाने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया है। इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव खाद्य आलोक कुमार, खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर सीएम योगी ने पीएम मोदी का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कहा, किसानों को सशक्त बनाने और योग्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने का मार्ग होगा प्रशस्त

मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए बड़े फैसलों पर आभार व्यक्त किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्र द्वारा एफसीआई में 10,700 करोड़ रुपए की इक्विटी निवेश व पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी देने के फैसले की सराहना करते हुए सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए हैं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल के जरिए 2 पोस्ट के माध्यम से पीएम मोदी व केंद्र सरकार के फैसलों पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने इन फैसलों को किसानों को सशक्त बनाने व पूरे भारत में परिवारों के लिए कल्याण सुनिश्चित करने तथा सभी योग्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा सुलभ कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करार दिया। सीएम योगी ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) में 10,700 करोड़ की इक्विटी निवेश को मंजूरी दे दी है। इस कदम से एफसीआई की एमएसपी पर खाद्यान्न खरीदने, आवश्यक स्टॉक बनाए रखने और बाजार मूल्यों को स्थिर करने की क्षमता बढ़ेगी, जिससे राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा में इजाफा होगा। सीएम योगी ने आगे लिखा, इससे हमारे किसानों को सशक्त बनाने और पूरे भारत में परिवारों के लिए कल्याण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अपनी अगली पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूरे भारत में मेधावी छात्रों के लिए वित्तीय सहायता सुनिश्चित करते हुए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी है। इस पहल के माध्यम से 22 लाख से अधिक छात्रों को अब शीर्ष संस्थानों के लिए बिना किसी जमानत और बिना किसी गारंटी के शिक्षा ऋण मिलेगा।

पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा के द्वारा मुख्यधारा में जोड़ने का माध्यम बन रहा केजीबीवी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रदेश के सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) को कक्षा 12 तक उच्चीकृत करने का लक्ष्य है निर्धारित

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार शैक्षणिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इस क्रम में, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) एक बड़ा माध्यम साबित हो रहा है जिसके जरिए प्रदेश की हजारों बेटियां शिक्षा, खेल और प्रशासनिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। इन प्रयासों के बल पर बेटियां न केवल पढ़ाई में बल्कि खेलकूद व प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इससे उनमें गुणों का संचार और आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है तथा वह समाज में एक नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रही हैं।

'प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रहीं केजीबीवी की बेटियां' उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इसी के परिणामस्वरूप केजीबीवी में पढ़ाई कर रही बालिकाएं अब प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रही हैं और न केवल खेलकूद, क्विज बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी योग्यता साबित कर प्रशासनिक पदों पर भी चयनित हो रही हैं। राज्य स्तर पर भी चमक रही हैं बालिकाएं योगी सरकार के प्रयास का ही प्रतिफल है कि अमरोहा की निधि ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 39वीं रैंक हासिल कर एसडीएम के रूप में चयनित हुई हैं और अपनी कार्यशैली से प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं। उन्नाव की केजीबीवी में पढ़ाई करने वाली अर्चना देवी ने अंडर-19 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। महोबा की केजीबीवी की छात्रा निदा खातून ने भी नीट परीक्षा पास कर एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की और अब चिकित्सा क्षेत्र में लगातार आगे की ओर अपना कदम बढ़ा रही हैं। वर्ष 2024-25 की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में केजीबीवी की बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। अंडर-14 फुटबॉल में उपविजेता का खिताब जीता। वहीं, राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में चार-चार बालिकाओं का चयन हुआ है। इसके अलावा, गतका मार्शल आर्ट में बालिकाओं ने 2 रजत और 2 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। इसी तरह जूडो और कुश्ती में भी एक-एक रजत और कांस्य पदक जीते गए। थांगता मार्शल आर्ट में 2 स्वर्ण पदक जीतकर बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है। केजीबीवी की बालिकाओं को गाइड का प्रशिक्षण देकर उनमें आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। उच्चीकृत केजीबीवी विद्यालयों में एनसीसी यूनिट स्थापित करने के लिए एनसीसी निदेशालय से भी अनुरोध किया गया है, ताकि बालिकाएं सेना और अन्य रक्षा सेवाओं में करियर बना सकें। शारीरिक और मानसिक विकास के लिए केजीबीवी की बालिकाओं को खेलकूद में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। केजीबीवी को राज्य स्तरीय खेल यूनिट के रूप में मान्यता दी है। यहां बालिकाएं फुटबॉल, जूडो, कुश्ती, गतका जैसे खेलों में भाग लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। वर्ष 2004-05 में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की स्थापना गरीब परिवारों की बालिकाओं को निशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए की गई थी।

मिशन नवशक्ति 2.0 को आईसीएआर एनबीएफजीआर ने किया सशक्त

● एफपीओ के अवसरों को बढ़ावा देते हुए और महिला-नेतृत्व वाले संसाधन हब को सजावटी मछली पालन के लिए किया प्रोत्साहित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बाराबंकी

बाराबंकी में गुरवागौरी, बसंत नगर, रेहरमऊ, और धनकुट्टी के स्वयं सहायता समूह ने राष्ट्रीय मछली आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो और ज्ञान साझेदारों, एक्वावर्ल्ड और हाइटेक फिश फार्म के मार्गदर्शन में सजावटी मछली पालन को एक स्थायी आजीविका स्रोत में बदल दिया है। फरवरी 2024 में शुरू की गई इस पहल ने महिलाओं को मछली तालाब बनाने के लिए प्रेरित किया, जहां वे माली और गप्पी जैसी सजावटी मछलियां पाल रही हैं। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक नया मार्ग प्रशस्त कर रही है, जिससे वे अपने समुदायों में एक कौशल और आय का स्रोत विकसित कर सकती हैं। इस परियोजना को आईसीएआर-एनबीएफजीआर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य सजावटी मछली पालन क्षेत्र में महिलाओं को आजीविका के लिए सशक्त बनाना है, जो मिशन नवशक्ति 2.0 के तहत एफपीओ के अवसरों को बढ़ावा देने और महिला-नेतृत्व वाले संसाधन हब के माध्यम से संभव हुआ है।

मछली विशेषज्ञ इंद्रमणि राजा ने बताया कि शुरुआत में, महिलाएं सजावटी मछली पालन क्षेत्र में कदम रखने को लेकर अनिच्छुक थीं, परंतु इस पहल को अपनाकर उन्होंने अपने घरों के छोटे-छोटे स्थानों में तालाब और एक्वेरियम बनाए। आईसीएआर-एनबीएफजीआर के सहयोग और प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने शुरुआत में स्वनिर्मित एक्वेरियम में मछलियों का पालन करना सीखा और धीरे-धीरे अपने घरों में छोटे तालाबों में विस्तार किया। पिछले आठ महीनों में, इन महिलाओं ने अपने प्रयासों की सफलता को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया है और अब वे एफपीओ के गठन के माध्यम से अपने काम को एक कानूनी पहचान देकर बड़े स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं, जिसका समर्थन एनएबीएआरडी द्वारा किया जा रहा है और आईसीएआर-एनबीएफजीआर द्वारा सुविधा प्रदान की जा रही है। दीर्घकालिक स्थिरता और विकास को सुनिश्चित करने के लिए, एनबीएफजीआर महिलाओं को एफपीओ बनाने में सहायता कर रहा है। यह औपचारिक ढाँचा महिलाओं को एक कानूनी पहचान प्रदान करेगा, जिससे वे संगठित बाजार लेन-देन में शामिल हो सकेंगी, बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगी और व्यापक वित्तीय एवं सरकारी संसाधनों से जुड़ सकेंगी। इस एफपीओ के माध्यम से महिलाएं अपने घरेलू संचालन से आगे बढ़ते हुए एक सामूहिक मॉडल स्थापित करेंगी जिसमें विस्तार की संभावनाएं होंगी। आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. यू.के. सरकार ने तकनीकी और संचालन संबंधी सहायता में आईसीएआर-एनबीएफजीआर से लगातार समर्थन का आश्वासन दिया, जिससे महिलाएं आगे बढ़ने के लिए सशक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि सामुदायिक-चालित पहलें व्यक्तिगत जीवन को सशक्त बना सकती हैं और एक मजबूत सामूहिकता को जन्म दे सकती हैं, जो दीर्घकालिक, सामुदायिक-नेतृत्व वाले आर्थिक विकास और लचीलापन का एक मॉडल बनाती हैं। डॉ. पूनम ने एक उद्यमशील मानसिकता को बढ़ावा देने की बात की, जिससे प्रतिभागियों को व्यवसायिक कौशल और आत्मविश्वास के साथ मछली पालन को देखने के लिए प्रेरित किया जा सके। डॉ. त्यागी ने सजावटी मछली क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया और महिलाओं को अपने दृष्टिकोण का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। श्री इंद्रमणि राजा ने निरंतरता बनाए रखने के महत्व पर चर्चा की और सुझाव दिया कि केंद्रीय हब मछली स्टॉक के लिए एक होल्डिंग सुविधा के रूप में भी कार्य कर सकता है, जिससे बिक्री के लिए निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। डॉ. सुरेश ने महिलाओं से इस परियोजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने का आग्रह किया और कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता की परिवर्तनकारी शक्ति पर बल दिया। एसएचजी की महिलाएं, जैसे कि उषा रावत, माधुरी, सावित्री देवी और सुश्री मीना, ने अपने अनुभवों और सीखों को साझा किया।

एफपीओ और केंद्रीकृत इनपुट संसाधन हब की स्थापना के माध्यम से एनबीएफजीआर सजावटी मछली पालन में स्थायी आजीविका के लिए एक ठोस आधार तैयार कर रहा है। एफपीओ का कानूनी ढांचा इन महिलाओं को महत्वपूर्ण संसाधन और समर्थन नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे वे विस्तार कर सकेंगी, बड़े बाजारों तक पहुँच प्राप्त कर सकेंगी, और सामूहिक शक्ति के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त कर सकेंगी। एनएबीएआरडी के समर्थन और आईसीएआर-एनबीएफजीआर की तकनीकी मार्गदर्शन के साथ, ग्रामीण महिलाएँ न केवल आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करेंगी, बल्कि वे एक समृद्ध, आत्मनिर्भर व्यवसाय का प्रबंधन करने के लिए सुसज्जित होंगी, जो व्यापक समुदाय की समृद्धि में योगदान देगा। यह कार्यक्रम ग्रामीण सशक्तिकरण में संस्थागत समर्थन के शक्तिशाली प्रभाव को दर्शाता है।

गैंगेस्टर एक्ट में 50 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जौनपुर के मछली शहर थाना क्षेत्र में दर्ज गैंगेस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी आशीष जायसवाल को एसटीएफ ने सोहासा मिश्रान गेट के पास तरहटी रोड, मुंगरा बादशाहपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्त आशीष जायसवाल द्वारा पूछताछ में बताया कि हम लोग रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड पर यात्रियों को नशीला पदार्थ खिलाकर व सुंघाकर उनके सामान व पैसों की चोरी कर लेते हैं तथा जो सामान व पैसा पाते हैं, उससे अपना तथा अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उसके गैंग का सरगना राजू जायसवाल निवासी करसड़ा, थाना कछवा, जनपद मिर्जापुर है। जिसके साथ वह 9 नवंबर 2023 को जंघई रेलवे स्टेशन गया था, जहां पर मुम्बई से आने वाली काशी एक्सप्रेस ट्रेन से उतरने वाले उम्रदराज यात्री के हाथ में बक्सा आदि सामान था, जिसके पीछे-पीछे हम लोग मछली शहर तक जाने वाली बस में बैठ गये और उस व्यक्ति का बक्सा लदवाने में मदद किये फिर जब वह आदमी बस में बैठा तो उसी सीट पर बगल में राजू जायसवाल भी बैठ गया तथा वह बगल वाली सीट पर बैठा था। कुछ देर बाद राजू जायसवाल उस व्यक्ति को नशीला पदार्थ मिलाया हुआ बिस्किट व नमकीन खिलाया, जिससे कुछ देर बाद वह यात्री बेहोश हो गया। जब बस मछली शहर पहुँची तो हम दोनों पहले ही उसका बक्सा उतार कर ई-रिक्शा से मुँगरा बादशाहपुर तिराहा चले आये और वहाँ से प्रयागराज की बस में जाकर आखिरी वाली सीट पर बैठ गये तथा बक्सा खोलकर देखा तो उसमें 50 हजार रुपए, डायरी सहित एटीएम निकाल लिया और मुँगरा बादशाहपुर व फूलपुर के बीच में बस रूकवाकर हम लोग बक्सा बस में छोड़कर उतर लिये। एटीएम का पिनकोड डायरी में लिखा हुआ था, जिससे हम दोनों लोग विभिन्न एटीएम से पैसे निकालकर पेट्रोल व डीजल तथा ट्रक का टायर आदि सामान खरीदें जब एटीएम से पैसा निकलना बन्द हो गया तो एटीएम कार्ड व डायरी को गंगा नदी में फेंक दिया। उक्त घटना के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज होने की जानकारी होने पर हम लोग इधर-उधर लुक छिप कर रहने लगे। काफी समय व्यतीत होने के बाद हम लोग पुन: घटनाओं को अन्जाम देने के लिए योजना बना रहे थे।

जब मंशा अच्छी हो, तो कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होता है: आनंदीबेन

राज्यपाल ने उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजभवन के कायाकल्प सहित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को राजभवन लखनऊ में प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना की गरिमामयी उपस्थिति में 14 करोड़ 65 लाख की लागत से 8 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें राजभवन के उच्च प्राथमिक विद्यालय का कायाकल्प, छतों पर चाइना मोजैक का कार्य, अग्निशमन प्रणाली का उन्नयन, विभिन्न भवनों की छतों पर रूफ टॉप सोलर पैनल, किचन का जीर्णोद्धार, गांधी सभागार में नई वातानुकूलन तकनीकी और विद्युत डी0जी0 सेट की आपूर्ति और स्थापना जैसे कार्य शामिल हैं।

शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने आज सौभाग्यपूर्ण लाभ पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए इस अवसर पर इन कार्यों के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अच्छी मंशा से किया गया कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होता है।

राज्यपाल ने सभी निर्माण कार्यों को समयबद्धता और उच्च गुणवत्ता से करने एवं उनकी नियमित समीक्षा और समय पर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। इनमें विशेष रूप से राजभवन परिसर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय की जर्जर कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में बदलने का कार्य शामिल है। उन्होंने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और आधारभूत संरचनाओं की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी संस्कारवान बनें, आधुनिक तकनीक का उपयोग करें और अपने भविष्य के निर्माता स्वयं बने।

राज्यपाल ने कहा कि संकल्प और समर्पण भाव से कार्य करने से किसी भी परियोजना को निर्धारित समय से पहले पूरा किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित उच्च अधिकारियों को नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का भ्रमण करने की भी सलाह दी और उसकी तकनीक तथा डिजाइन को प्रेरणादायक बताया।

प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना जी ने राज्यपाल जी के बहुआयामी और रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए उन्हे एक ऐसा व्यक्तित्व बताया जो राज्य और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राजभवन को लगातार सुविधाजनक एवं आकर्षक बनाने में राज्यपाल जी का योगदान अनुकरणीय है। राज्यपाल जी के प्रयासों से राजभवन का रूप, सौंदर्य और आकर्षण बढ़ा है। उन्होंने कहा कि नये भवन बनाना आसान है लेकिन पुराने भवनों को न केवल बनाए रखना बल्कि उन्हें सजाना और संवारना एक कठिन कार्य है, इसके लिए रचनात्मक सोच की आवश्यकता होती है। उन्होंने राजभवन के जनकक्ष और अन्य महत्वपूर्ण कक्षों में की गयी सजावट की भी सराहना की। राज्यपाल जी के कार्यकाल को ऐतिहासिक और अनुकरणीय बताते हुए उन्होंने कहा कि माननीया के कार्यों ने एक पद्चिन्ह छोड़ा है, जिसे आने वाली पीढ़ियां अनुसरण करेंगी।

कार्यक्रम के अन्त में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे ने प्रेरणा एवं मार्गदर्शन हेतु राज्यपाल जी का आभार व्यक्त किया तथा वित्त मंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने राजभवन में कार्यों के समयपूर्व एवं सफलतापूर्वक संचालन हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार, मुख्य अभियंता (भवन), लोक निर्माण विभाग, सीपी गुप्ता, अधीक्षण अभियंता विद्युत, आरएम श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता सिविल, योगेन्द्र सिंह, राजभवन के समस्त अधिकारी एवं कार्मिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय राजभवन के शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे एफआर कैमरे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित महाकुंभ बनाने का लक्ष्य डबल इंजन सरकार ने रखा है। इसे मद्देनजर रखते हुए न केवल मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मण्डल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजकतत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं।

प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए महाकुंभ को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रयागराज रेल मण्डल सुरक्षा के सारे इंतजामों के साथ एआई बेस्ड एफआर कैमरे भी लगा रहा है। फेस रिकगनीशन या एफआर कैमरे एआई तकनीक की मदद से फेस रिकगनीशन में सक्षम होते हैं। ये आसनी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले काबू किया जा सकता है। एफ आर कैमरे किसी भी असमान्य घटना को आसानी से पकड़ सकते हैं, उन पर तत्काल प्रतिक्रिया कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा के लिए लगभग 650 सीसीटीवी कैमरों के साथ पहली बार 100 एफआर कैमरे भी लगाए जाएंगे। प्रयागराज शहर में आने वाले सभी 9 रेलवे स्टेशनों के आने जाने के मार्गों, आश्रय स्थल, प्लेटफार्मों को भी कैमरों की नजर में रखा जाएगा।

ओवरलोड मौरम भरे ट्रक एनएच पर भर रहे फर्राटा

कालपी (जालौन)। जिम्मेदार प्रशासनिक अमला भले ही मौरम का अवैध परिवहन न होने का दावा करता हो लेकिन यह सही नहीं है। हाईवे पर शाम से लेकर सुबह तक ओवरलोड ट्रक फर्राटा भर रहे हैं। जो राजस्व को तो क्षति पहुंचा ही रहे साथ ही सड़कों को भी क्षतिग्रस्त कर रहे हैं।

अभी जनपद और तहसील क्षेत्र में स्थित सभी बालू घाटों पर बालू खनन शुरू नही हुआ है महज इक्का दुक्का जगह ही बालू खनन शुरू हुआ है। जिसके चलते ज्यादातर मौरम गैरजनपद से आ रही है ।लेकिन वालू का अवैध खनन और परिवहन न हो इसके लिए शासन स्तर से काफी इंतजाम किए गए हैं जिसके लिए खनन पर नजर रखने के लिए खनन विभाग, ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिये परिवहन विभाग को जिम्मेदारी दी गई इसके साथ ही बालू के अवैध परिवहन और खनन रोकने की जिम्मेदारी प्रशासन के अधिकारियों की भी है जो बालू घाटों से लेकर सडक पर बालू लदे वाहनों पर कार्यवाही भी करते हैं। इतना ही नही एसडीएम कालपी सुशील कुमार सिंह हाईवे पर आकस्मिक छापेमारी कर बडी संख्या में ओवरलोड बालू भरे ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही भी कर चुके हैं लेकिन शायद उनका यह प्रयास पर्याप्त नहीं है और आलम यह है कि अभी भी बड़ी संख्या में ट्रक कभी भी हाईवे पर फर्राटा भरते देखे जा सकते हैं जिससे शासन को राजस्व की क्षति तो हो ही रही है साथ ही ओवरलोड वाहनों से सड़क भी क्षतिग्रस्त हो रही है।

ओवरलोडिंग के खेल में लोकेशन सरगना का अहम रोल

कालपी। मौरम से भरे ओवरलोड ट्रक ऐसे ही चौबीस घंटे हाईवे से नही गुजर रहे हैं बल्कि इससे लिए प्रशासन के समानांतर व्यवस्था चल रही है जिसमें लोकेशन के खेल की अहम भूमिका है जिसमें इस खेल के खिलाड़ियों के पास अधिकारियों की हर पांच मिनट की स्थिति रहती है इसके लिए इस खेल के खिलाड़ियों के गुर्गे अधिकारियों के आफिस के साथ आवास तक नजर रखते हैं तो हर 10 किलोमीटर पर सड़क किनारे बैठे उनके लोग अधिकारियों की गाड़ी पर नजर रखते हैं और अधिकारियों के पहुंचने से पहले बालू भरे ट्रक सुरक्षित जगहों पर खड़े हो जाते हैं।

कदौरा, आटा के साथ जोल्हूपुर लोकेशन कारोबारियों के प्रमुख अड्डे: कालपी। कदौरा क्षेत्र खनन कारोबार का प्रमुख केन्द्र है यहां से ही ओवरलोडिंग और उसके अवैध परिवहन का खेल शुरू होता है जिसके चलते अधिकारियों की निगहबानी का खेल यही से शुरू होता है जिसके बाद जोल्हूपुर मे भी उनका जमावड़ा 24 घण्टे रहता है जहां से वह लोग जिम्मेदारो की स्थिति से कदौरा तथा अन्य जगहों पर बताते रहते हैं तो आटा बस स्टैण्ड के साथ टोल प्लाजा के पास होटलो पर भी उनकी मौजूदगी रहती है और इसी वजह से अधिकारी ओवरलोडिंग के खेल पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं।

500 का नजराना तय होते ही यमुना पुल पार कराने का होता ठेका

कालपी। सुनने मे भले ही अटपटा लग रहा हो कि लोकेशन का खेल प्रतिदिन लाखो में होता है लेकिन यह हकीकत है। परिवहन कारोबार से जुडे लोगों की माने तो प्रतिदिन एक हजार से अधिक बालू लदे ट्रक हाईवे से गुजरते है। कई वाहन चालकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि लोकेशन कारोबारी प्रति ट्रक 500 रुपये का नजराना लेते हैं और यह खेल मोबाइल पर ही चलता है जिसमें गाड़ी नम्बर से लेकर पैसे का भुगतान भी शामिल है।

कासगंज चंदन हत्याकांड मामला

हाईकोर्ट ने ट्रायल की अंतिम सुनवाई पर लगाई रोक

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2018 में कासगंज में एक तिरंगा यात्रा के दौरान हुए चंदन हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने ट्रायल की अंतिम सुनवाई पर रोक लगा दी है। पीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या विवेचना के दौरान एनआईए एक्ट की धारा 6 का अनुपालन किया गया है। यह भी पूछा है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 124 ए के तहत आरोप तय करने पर रोक लगा दी है, तो इस मामले में उक्त धारा के तहत आरोप कैसे तय किया गया। मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी।

जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश अभियुक्त नसीम जावेद की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि एनआईए एक्ट की धारा 6 के तहत केंद्र सरकार से मामले की विवेचना के लिए अनुमति नहीं ली गई है। यह भी तर्क था कि राजद्रोह से संबंधित आईपीसी की धारा 124 ए के तहत आरोप तय करने पर शीर्ष अदालत एसजी वोम्बटकेरे मामले में दिए अपने फैसले के तहत रोक लगा चुकी है। इस फैसले में यह भी कहा गया है कि जिन मामलों में 124 ए के तहत आरोप तय कर दिए गए हैं, उन पर भी रोक रहेगी। कहा गया कि बावजूद इसके इस मामले में 124 ए के तहत भी ट्रायल चल रहा है तथा अंतिम सुनवाई होने जा रही है। वरिष्ठ वकील ने यह भी दलील दी कि स्वयं राज्य सरकार की अधिसूचना के तहत एनआईए एक्ट के तहत तीसरी सबसे वरिष्ठ अपर सत्र न्यायाधीश के समक्ष ही मुकदमा चलाया जा सकता है। जबकि वर्तमान ट्रायल अपर सत्र न्यायाधीश के समक्ष चलाया जा रहा है। वह वरिष्ठता क्रमांक में छठे नंबर पर हैं।

पीठ ने इस मामले की 24 अक्टूबर को हुई सुनवाई के दौरान इन सभी बिंदुओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा था। वही अभियुक्त के वकील ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के लिए 25 अक्टूबर की तिथि नियत कर दी है। पीठ ने इस पर अंतिम सुनवाई पर रोक लगा दी थी।

महाकुंभ में हर हालात से निपटने की तैयारी

केमिकल,बायलॉजिकल रेडिएशनल और न्यूक्लियर से निपटने के लिए कर्मचारियों को किया जाएगा प्रशिक्षित श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए टीबी सप्रू और स्वरूपरानी अस्पताल को किया जा रहा अपग्रेड

मनीष द्विवेदी। प्रयागराज

महाकुंभ 2025 के वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिंदा भी पर न मार सके। इसके लिहाज से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। महाकुंभ से पहले केमिकल बायलॉजिकल रेडिएशनल और न्यूक्लियर आदि समस्या से निपटने के लिए भी टीम को तैयार कर लिए जाने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए बाकायदा कर्मचारियों को हर आपदा से निपटने की विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। यही नहीं सीएम योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए भी प्रयागराज के अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपग्रेड करने में लगे हैं। संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य प्रयागराज डा वी के मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने में जुटा है। इसके तहत कर्मचारियों को महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए तेज बहादुर सप्रू और स्वरूपरानी अस्पताल को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के मिलकर काम करने की योजना बनाई गई है। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन के दौरान हर एक श्रद्धालु को केमिकल बायलॉजिकल रेडिएशनल और न्यूक्लियर संबंधी हर समस्या से सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

अनुभवी चिकित्सकों की होगी तैनाती

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 291 एमबीबीएस और विशेष डॉक्टरों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ भी इस अभियान में सहयोग के लिए मौजूद रहेंगे। साथ ही 182 स्टॉफनर्स इन चिकित्सकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जरूरतमंदों के स्वास्थ्य की देखभाल करेंगी। इस प्रक्रिया में ज्यादातर अनुभवी चिकित्सकों को ही महाकुंभ के दौरान तैनाती दी जा रही है।

30 नवंबर तक चौड़ी हो जाएंगी संगम की ओर जाने वाली सड़कें

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर पूरे शहर में सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के कार्य जोरों पर हैं। ऐसे में महाकुंभ के केंद्रीय स्थल संगम की ओर जाने वाली सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी अंतिम चरण में है। इसको 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। अपर मेलाधिकारी महाकुंभ विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि पीडीए और छावनी परिषद के सहयोग से शहर से संगम को जोड़ने वाली सड़कों का निर्माण कार्य 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। श्रद्धालुओं की अनुमानित संख्या के मुताबिक मेला क्षेत्र की सभी सड़कें पिछले कुंभ की तुलना में दोगुनी से ज्यादा संख्या में चौड़ी की जा रही हैं। महाकुंभ का सफल आयोजन सीएम योगी की प्राथमिकता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार इसके आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रही है। महाकुंभ 2025 में लगभग 40 करोड़ लोगों के प्रयागराज आने का अनुमान है जो कि पिछले कुंभ मेले की तुलना में ढेड़ से दो गुना है। सड़कों का चौड़ीकरण भी उसी अनुपात में किया जा रहा है। महाकुंभ में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं का मुख्य गंतव्य स्थल त्रिवेणी संगम है। त्रिवेणी संगम को शहर से जोड़ने वाली सभी सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि शहर से संगम जाने वाली त्रिवेणी रोड लाल सड़क काली सड़क नवल राय रोड किला घाट रोड और दारागंज रोड के चौड़ीकरण का कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। श्रद्धालुओं की संख्या के अनुमान के मुताबिक सभी सड़को की क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। साथ ही सड़कों के दोनों ओर इंटरलॉकिंग फुटपाथ भी बनाए जा रहे हैं। ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। प्रयागराज जंक्शन से संगम को जोड़ने वाली त्रिवेणी रोड़ और दारागंज की रिवर फ्रंट रोड का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है जो जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र की सड़कें छावनी परिषद के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। इन सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण का कार्य पीडीए और छावनी परिषद के सहयोग से हो रहा है। साथ ही किला घाट और हनुमान मंदिर के आगे संगम नोज तक जाने वाली इंटर लॉकिंग सड़कें भी दोगुनी चौड़ी की जा रही हैं। इनका निर्माण कार्य भी 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। सड़क के किनारे और मुख्य चौराहों पर होर्डिंग और साइन बोर्ड के जरिए श्रद्धालुओं को मेले के मुख्य दर्शनीय स्थलों के बारे में सभी जरूरी सूचनाएं दी जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह जगह सूचना और पूछताछ केंद्र भी बनाए जाएंगे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह संपन्न

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्डस लिमिटेड में मंगलवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 के समापन समारोह का आयोजन हुआ। 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2024 तक सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि थीम पर आयोजित सतर्कता जागरूकता के समापन समारोह का केंद्रीय कार्यक्रम एनसीएल मुख्यालय में आयोजित किया गया। एनसीएल के सीएमडी बी.साईराम ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कर्मियों, स्कूल के बच्चों व निकटवर्ती समुदाय की वृहद स्तर पर सहभागिता हेतु आयोजकों बधाई दी। श्री साईराम ने अपने उद्बोधन में एनसीएल कर्मियों से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में अहम योगदान देते हुए दीर्घकालिक दृष्टि के साथ विश्व की श्रेष्ठ पद्धतियों को अपनानाने हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम को निदेशक मनीष कुमार, जितेन्द्र मलिक, सुनील प्रसाद सिंह ने भी संबोधित कर सतर्कता जागरूकता पर अपने विचार रखे। समापन समारोह कार्यक्रम में सीवीओ, एनसीएल रविंद्र प्रसाद ने सभी का स्वागत किया व सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान किए गए विभिन कार्यों का विस्तार से ब्योरा रखा। कार्यक्रम के दौरान एक वीडियो के माध्यम से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान सभी क्षेत्रों इकाइयों में सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों को दर्शाया गया। साथ ही एक ई–सतर्कता विशेषांक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ एनसीएल कर्मी, स्कूली छात्र–छात्राएँ एवं परियोजना व इकाईयों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एनसीएल के सीएमडी बी. साईराम मनीष कुमार जितेन्द्र मलिक सुनील प्रसाद सिंह, सीवीओ, एनसीएल रविंद्र प्रसाद उपस्थित रहे।

विनाश की तरफ ले जा रहा है आज का विकास-अजय शेखर

सोनभद्र। गोविंदपुर स्थित बनवासी सेवा आश्रम में आयोजित दो दिवसीय ग्राम स्वराज सम्मेलन का बुधवार को आयोजन किया गया। विकास गांव का स्थायित्व विषय पर बोलते हुए सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के सलाहकार मुख्य अतिथि डा गुरजीत सिंह ने कहा कि देश में केन्द्रकृत योजनाओं से विकास संभव नहीं है। डॉ सिंह ने कहा कि गांव को सशक्त और स्थायित्व देने के लिए गांव से योजना बनानी होगी। इसके लिए जरूरी है की भागीदारी और हिस्सेदारी तय हो और योजनाएं गांव में बने और चुनी हुई सरकार मदद करें। उन्होंने पूंजी वाद से गरीबी बढ़ने की वकालत करते हुए कहा कि पूंजीवाद बहुत टिकाऊ नहीं होता। एक करोड़पति से सौ लोग गरीब होते है। उन्होंने सबका विकास और सबका साथ पर भी कटाक्ष किया और कहा कि सबसे पहले गरीबों का विकास हो उनके लिए पूंजी लगाई जाए। गुजरात से आए सामाजिक कार्यकर्ता और गांधी विचारक अशोक चौधरी ने कहा कि गांव का झगड़ा गांव में निपटाने के प्रचलन को पुनर्जीवित करना होगा। उन्होंने स्थानीय संसाधन पर रोजगार की वकालत की और कहा कि बेरोजगारी का एक ही हल है स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़े युवा। अरविंद अंजुम ने कहा कि देश के दस बड़े उद्योग पतियों के पास 93 लाख करोड़ की संपति है और यह किसी न किसी रूप में प्रकृति के दोहन से ही हुआ है। विशिष्ट अतिथि सतीश गिरिजा ने कहां कि हमें अपने विकास के लिए कुछ संकल्प लेकर अभियान चलाकर काम करने होंगे उससे हमारी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और हमारा विकास भी होगा। आश्रम की मुखिया शुभा प्रेम ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन पाल ने गांधी के सपनो के ग्राम स्वराज्य की दिशा में हो रहे देश भर के कार्यों की जानकारी दी। डा विभा प्रेम और रामेश्वर प्रसाद ने प्रदूषण और उसके लिए उठाए जा रहे कदम की जानकारी दी। ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोंड ने क्षेत्र की समस्या को हल करने के लिए सभी को एक जुट होने की अपील की। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार अजय शेखर ने कहा कि आज का विकास निरंतर हमे विनाश की तरफ ले जा रहा है। बाजार की संस्कृति गांव में घुस गई है हमे गांधी विचार की तरफ लौटना होगा। और विकास की अवधारणा को मानव और प्रकृति के सृजन में लगाना होगा।

प्रयागराज को दूसरे शहरों से जोड़ने वाले हाईवे का हो रहा है कायाकल्प

प्रयागराज। डबल इंजन की सरकार महाकुंभ के अवसर को ऐतिहासिक बनाने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में हाईवे से लेकर प्रयागराज सिटी को जोड़ने वाली सड़कों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी हाईवे और सिटी को जोड़ने वाली सड़कों को चमकाने में जुट गए हैं। महाकुंभ के दौरान जब देश और दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु सड़क मार्ग से होकर प्रयागराज पहुंचेंगे तो उन्हें चौड़ी सड़क के साथ ही निश्चित अवधि में मल्टीलिंग्वल साइनेज बोर्ड ग्रीनरी और पेंटिंग नजर आएगी। यही नहीं टोल प्लाजा के पास भी उन्हें तमाम सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। बुधवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित सभागार में एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान के साथ एनएचएआई के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाकुंभ ऐतिहासिक अवसर है और इस दौरान हमें सिर्फ सड़क नहीं बनानी है। बल्कि उसे अच्छी और खूबसूरत भी बनाना है। प्रयागराज को जोड़ने वाली जितनी भी सड़कों पर काम चल रहा है उस पर सेफ्टी आर्डिटर्स लेकर अधिक से अधिक साइनेज लगाए जाएं। ब्यूटीफिकेशन का काम हो पेंटिंग हो लाइटिंग हों और इसे कैमरे से युक्त होना चाहिए। यही नहीं सड़क पर ऐसे साइनेज भी पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए जो श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहे हों। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में करोड़ों लोग आएंगे। सड़क ऐसी हो कि जिसकी चमक श्रद्धालुओं को आनंदित करे। यह पूरी दुनिया के सामने अपने काम को शोकेस करने का शानदार जरिया है। उन्होंने अपने अधिकारियों से कहा कि जहां भी कैटस आई लगानी हैं लगाई जानी चाहिए। एंट्री गेट पर फ्लॉवरिंग होनी चाहिए। डिवाइडर पर पेंटिंग हो ताकि फॉग के समय श्रद्धालुओं को समस्या न हो। एनएच की रोड लाइटस चेक करके सुव्यवस्थित की जाएं। एनएचएआई के कंट्रोल रूम नंबर को हाईलाइट करें और साथ ही एनएचएआई के राजमार्ग यात्रा एप के विषय में भी लोगों को जागरूक करें ताकि वो इसके माध्यम से अपनी यात्रा को सुगम बना सकें। टॉयलेटस साफ सुथरे हों। टोल प्लाजा स्टाफ की हर हाल में बिहेवियरल ट्रेनिंग कराई जाए। साथ ही टोल प्लाजा पर तीन शिफ्ट में ही कर्मचारी कार्य करें यह सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त इंसिडेंट व्हीकल के साथ ही पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए। इस अवसर पर मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत एडीजी भानु भाष्कर मेलाधिकारी विजय किरण आनंद डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ एसएसपी कुंभ राजेश कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे।

एक नए अध्याय की शुरुआत

वाराणसी। कुछ ही महीनों में सभी घरों के दिलों को जीतने के बाद कलर्स का पसंदीदा शो दुर्गा अटूट प्रेम कहानी नए समय पर ड्रामा की एक नई खुराक देने के लिए तैयार है! दुर्गा के रूप में प्रणाली राठौड़ और अनुराग के रूप में आशय मिश्रा अभिनीत प्रशंसकों का पसंदीदा रोमांस अब 6 नवंबर से रोजाना रात 8. 30 बजे प्रसारित होगा। इस समय बदलाव के साथ दुर्गा और अनुराग की असंभव प्रेम कहानी के प्रशंसक नए मोड़ और उतार.चढ़ाव से भरे एक नए अध्याय की उम्मीद कर सकते हैं।

मरीजों को न लिखी जायें बाहर की दवाए

सोनभद्र। राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात नें बुधवार को कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय उरमौरा का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान बालिकाओं के शौचालय की स्थिति बेहतर नहीं पायी गयी, जिस पर बीएसए को शौचालय की मरम्मत कराने के निर्देश दियें, उन्होने वन स्टॉप सेंटर लोढ़ी का भी निरीक्षण किया, इस दौरान वन स्टाप सेन्टर पर दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त की, कहा कि यदि महिलाओं के अपमानित करने हेतु कोई व्यक्ति डायन शब्द का इस्तेमाल करता है, तो उसके विरूद्ध आपराधिक धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जायेगा, नारी शक्ति का सम्मान समाज के हर वर्ग को करना चाहिए। मातृ शिशु छाया 100 शैय्या अस्पताल के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि हॉस्पिटल में बाल रोग विशेषज्ञ भी नही है, जिसके संबंध में उन्होंने संबन्धित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नियमानुसार कार्यवाही करते हुये डाक्टर की नियुक्त हेतु शासन स्तर पर पत्राचार किया जाये, इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ़सफ़ाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दियें। इसके पश्चात उन्होंने जिला संयुक्त चिकित्सालय लोढ़ी का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान यह तथ्य संज्ञान में आया कि हॉस्पिटल में डॉक्टर द्वारा कुछ मरीजों की पर्ची पर बाहर की दवाएं लिखना पाया गया, जिस पर उन्होंने सी0एम0एस0 को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों की बाहर की दवाएं न लिखी जायें, अस्पताल परिसर से ही मरीजों को दवाएं उपलब्ध करायी जाये, अल्ट्रासाउण्ड कराने हेतु मरीजों को जिस दिन अस्पताल में बुलाया जाये, उस दिन उनका अल्ट्रासाउण्ड अनिवार्य रूप से किया जाये। इस अवसर पर प्रोवेशन अधिकारी इन्द्रवती देवी, वन स्टॉप सेंटर से केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह, जिला बाल संरक्षण ईकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक ओ0आर0 डब्ल्यू शेषमणि दुबे चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट से सुधा गिरी एवं महिला थाना प्रभारी सविता सरोज आदि उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने मतदान केन्द्र का किया गहन निरीक्षण

प्राथमिक विद्यालय मरथुवा सरैया मे जिलाधिकारी बच्चों के साथ भोजन किया और उनके पठन.पाठन की जानकारी ली

अंबेडकरनगर। विधानसभा उप निर्वाचन के अंतर्गत 277दृकटेहरी विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने विधानसभा क्षेत्र कटेहरी के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर आधारभूत सुविधाओं की स्थिति का भौतिक अवलोकन किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा कटेहरी के विभिन्न मतदेय स्थलों यथादृकंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय अहिरौली शिक्षा क्षेत्र कटेहरीए प्राथमिक विद्यालय मरथुरा सरैया कटेहरीए प्राथमिक विद्यालय अशरफपुर बरवांए प्राथमिक विद्यालय दरवनए प्राथमिक विद्यालय प्रतापपुर चमुर्खाएप्राथमिक विद्यालय सेमरा घाट शिक्षा क्षेत्र कटेहरी आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी बूथों के कक्ष में प्रयाप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओ व

अन्य संबंधित अधिकारियों को सभी मतदान केंद्रों पर शौचालयए बिजली.पानीए साफ़्दृसफाईए रैंपए छाया आदि सहित निर्वाचन संबंधित आधारभूत सुविधाओं में प्राप्त कमियों तत्काल दूर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मतदान केंद्रों का पुनः भ्रमण कर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त आधारभूत सुविधाओं को समय से सुनिश्चित कर लिया जाए। इस अवसर पर ग्रामीणों को सी विजिल ऐप की भी जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय मरथुरा सरैया में बच्चों के साथ भोजन किया गया। साथ ही साथ उन्होंने बच्चों से उनके पठन.पाठन के संबंध में जानकारी लिया। इस दौरान बच्चों द्वारा सकारात्मक उत्तर दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत में चुनाव ड्यूटी में लगाए गए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक.दूसरे के साथ सहयोग की भावना से निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए बेहतर तरीके से कार्य करने और निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समस्त मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची को भी पढ़ा गया। उन्होंने उपस्थित मतदाताओंध्जनसामान्य से अपील की सभी मतदाता स्वयं भी मतदान करें और अन्य मतदाताओं को भी अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु प्रेरित करें।

डाला छठ को लेकर डीएम-एसपी ने किया घाटों का गहन निरीक्षण

गाजीपुर। डाला छठ त्यौहार को देखते हुए जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 ईरज राजा ने बुधवार को तहसील सदर के विभिन्न घाटो का नाव ;बोटद्ध के माध्यम से स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने शहर के शमशान घाटए पोस्ता घाटए चीतनाथ घाटए ददरी घाटए कलेक्ट्रर घाटए सिकन्दरपुर घाटए छोटा महादेव मन्दिर छोटा महादेवाए पत्थर घाटए पवहारी बाबा आश्रम घाटए एवं अन्य घाटो का नाव के माध्यम से निरीक्षण किया। उन्होने उपजिलाधिकारी सदर एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को घाटो पर साफ़सफ़ाईए बैरिकेटिंग व्यवस्थाए विद्युत व्यवस्थाए प्रकाश व्यवस्थाए घाटो पर नावो तथा उस पर तैनात गोताखोरो की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनपदवासियो से अपील की है कि त्यौहार को शान्तिपूर्ण ढ़ग से मनाया जायए प्रतिबंधित घाटो ;छोटा महादेवाए बड़ा महादेवाए पत्थर घाट एवं बारहबगला घाटद्ध एंव गहरे पानी मे पर न जायेए घाटो पर कम से कम व्यक्ति ही जायेए। इसके साथ ही सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस फोर्स के साथ महिला आरक्षियों की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया

डाला छठ पूजा को लेकर खरीदारी के लिये उमड़ी भीड़

सकलडीहाध्चन्दौली ।डाला छठ महा पर्व को लेकर सुबह से ही फलों की दर्जनों दुकानें सकलडीहा कस्बा सहित आसपास के बाजारों में सजाया गया था। बुधवार को सुबह से ही फलों की खरीदारी के लिये महिलाओं और परिजनों की भीड़ जुटी रही। गन्ना की खरीदारी भी लोगों ने किया।डाला महाछठ पर्व को लेकर काफी आस्था है। विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ महिलाओं ने डाला महा छठ का पूजा अर्चना शुरू कर दिया है। चार दिवसीय पूजा कार्यक्रम को लेकर हर घरों में तैयारी किया जा रहा है। सुबह से ही फलों की खरीदारी के लिये कस्बा में लोगों की भीड़ जुटी रही। इसके अलावा चतुर्भुजपुरएभोजापुरएनईबाजारएडेढ़ावलए डेढ़गांवाएबथावर सहित अन्य गांवों में फलों की खरीदारी को लेकर ग्रामीण जुटे रहे।

बडे वाहनों पर दो दिन रहेगी पाबंदीःसकलडीहाध्चन्दौली ।डाला महा छठ पर्व को लेकर जिलाधिकारी निखिल टी फूंडे और पुलिस अधीक्षक आदित्य लाग्हें शांतिपूर्वक त्योहार के संपन्न होने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया है। बुधवार को एसडीएम अनुपम मिश्रा और सीओ रघुराज व कोतवाल संजय कुमार सिंह क्षेत्र के विभिन्न सरोवरों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। छठ पूजा को लेकर गुरूवार को दोपहर 12 बजे से शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक बड़ी वाहनों के साथ बोगा ट्रैक्टरों के संचालन पर रोक लगा दिया है। किसी प्रकार की लापरवाही या मनमानी किये जाने पर संबंधित के खिलाफसख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है।डाला महाछठ पर्व पर सकलडीहा के प्राचीन शिव सरोवरए चतुर्भुजपुरएईटवा श्रीपत ब्रम्हबाबा सरोवरएधरहराए खड़ेहराएनईबाजारए तुलसीआश्रमए दिघवटए जामेश्वर महादेव सरोवरए बथावरएचकरियाए दरियापुरएसरेहुआ आदि विभिन्न सरोवरों पर महिलाओं की ओर से चार दिवसीय डाला छठ महापर्व पर महिलायें विधि विधान से पूजा अर्चना करती है। इसको लेकर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एसडीएम अनुपम मिश्राएसीओ रघुराज व कोतवाल संजय कुमार सिंह ने सरोवर को निरीक्षण किया। सकलडीहा में करीब 20 हजार और चतुर्भुजुपर कॉलेश्वर सरोवर पर करीब दस हजार की भीड़ जुटती है। सुरक्षा को लेकर गोताखोर से लेकर सादे ड्रेस में महिला पुलिसए पीएससी और कंट्रोल रूम बनाया गया है।

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली सड़क सुरक्षा रैली

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए बुधवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में गठित सेफ्टी क्लब के तत्वावधान में गंगा प्ररिसर से लेबर चौराहा शांतिपुरम तक सड़क सुरक्षा रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में यातायात नियमों के प्रति जन मानस में जागरूकता लाने के लिए शपथ दिलाई एवं हरी झंडी दिखाकर सड़क सुरक्षा रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो सत्यकाम ने मोटरसाइकिल चालकों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। लोगों को जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर कुलपति ने जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता करने का आह्वान किया और अपने परिवार जनों को भी यातायात के नियमों के पालन करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय गति को धीमी रखें। रैली के संयोजक प्रो सत्यपाल तिवारी ने इस अवसर पर कुलपति प्रो सत्यकाम का स्वागत किया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हेलमेट लगाएं जीवन बचाएं। सीट बेल्ट लगाना है जीवन बचाना है।

अधेड़ की हत्या का पुलिस ने किया पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

बीजपुर/सोनभद्र। प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र हमराही दीवान संजय कुमार यादव व सुदामा यादव आरक्षी पुरुषोत्तम कुमार व मंगल प्रजापति के साथ कुल्हाड़ी से काटकर हुई अधेड़ की हत्या के मामलें में मंगलवार की रात्रि स्थानीय थाना पर पंजीकृत मुकदमें के विवेचना व संबंधित अभियुक्त धर्मजीत पंडो ऊर्फसोनू पुत्र स्व0 रामअधीन पंडों निवासी ग्राम सभा बीजपुर टोला पुनर्वास प्रथम थाना बीजपुर व वहीं का निवासी धनुकधारी उर्फबबुआ पुत्र स्व0 हरिप्रसाद की तलाश एवं आला कत्ल की बरामदगी हेतु एनटीपीसी रिहंद स्टेशन के दक्षिणी गेट के आगे ग्राम सभा सिरसोती के पास मौजूद थे। उसी दौरान रात्रि में लगभग 12 बजकर 45 मिनट के आसपास प्राभारी निरीक्षक श्री मिश्र को मुखबीर से सूचना मिली कि दोनो अभियुक्त बरन नदी जाने वाले मार्ग पर बैठे हुए हैं। श्री मिश्र ने हमराहियों के साथ मुखबीर द्वारा बताए हुए स्थान पर पहुंचने के लिए 50-60 कदम आगे बढ़े ही थे कि एक आरोपी पुलिस को देखकर अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में कहीं छिप गया। लेकिन दूसरा आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कड़ाई से पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम धर्मजीत पंडों उर्फसोनू बताया तथा उसके साथ भागने वाले का नाम उसी के गांव का निवासी धनुकधारी उर्फबबुआ पुत्र स्व0 हरिप्रसाद बताया। उसने बताया कि उन दोनों ने दीपावली की रात्रि लकड़ी काटने वाली कुल्हाड़ी से ग्राम सभा बीजपुर टोला पुनर्वास प्रथम थाना बीजपुर के अधेड़ रालखन बैगा पुत्र स्व0 हरिप्रसाद बैगा को कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दिए थे।

फेस्टिवल ने रिकॉर्ड पीछे छोड़े

वाराणसी।अमेज़न इंडिया ने आज बताया कि पूरे एक महीने तक चलने वाला उसका अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 देश भर में ग्राहकोंए विक्रेताओं और ब्रांड भागीदारों के लिए अब तक का सबसे अच्छा खरीदारी उत्सव रहा है। एजीआईएफ2024 ने विक्रेता की सफलता के कीर्तिमान स्थापित किए और पिछले साल की तुलना में विक्रेताओं की बिक्री में 70प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गईए जो एक करोड़ से अधिक थी। ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने अपनी फॉस्टे डिलीवरी की क्षमता को और बढ़ाया। सौरभ श्रीवास्तवए वाइस प्रेसीडेंट . कैटेगरीज ने कहाअब यह सबसे बड़ा खरीदारी उत्सव बन गया है। क्रांति लाने के लिए तैयारः वाराणसीरूभारत की प्रमुख पैसेंजर व्हीकल निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित चौथी जनरेशन डिजायर की बुकिंग की शुरुआत कर दी है। भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट सेडानए ऑल.न्यू डिज़ायर अपने अत्याधुनिक डिज़ाइनए सेगमेंट में पहली बार पेश किए जा रहे ढेरों फीचर्स और शानदार कीमत के साथ एक बार फिर इस सेगमेंट में क्रांति लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।मारुति के डिज़ायर ब्रांड की खास विरासत पर तैयारए नई जनरेशन का यह मॉडल भारतीय बाजार में सबसे बेहतरीन वाहन पेश करने की मारुति सुजुकी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

कायरतापूर्ण हमला

कनाडा में भारतीय प्रवासी

कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हाल ही में हुए हमले ने एक बार फिर भारत और कनाडा के बीच तनावपूर्ण कूटनीतिक स्थिति को उजागर कर दिया है, जिसमें दोनों देश घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के जटिल जाल में उलझे हुए हैं। मंदिर के बाहर खालिस्तानी समर्थक चरमपंथियों की हिंसक झड़पों से चिह्नित इस घटना की कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों ने कड़ी निंदा की। हालांकि, दोनों नेताओं की प्रतिक्रिया उनके दृष्टिकोण में स्पष्ट अंतर को रेखांकित करती है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में और तनाव पैदा होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हमले की निंदा की और दृढ़ निश्चयी और स्पष्ट थे। सोशल मीडिया पर उन्होंने हमले पर अपनी निराशा व्यक्त की, इसे हिंदू धार्मिक भावनाओं के खिलाफ एक जानबूझकर किया गया कृत्य बताया और जोर देकर कहा कि हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। पीएम मोदी ने कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने का आह्वान करने से पीछे नहीं हटे, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि भारत को उम्मीद है कि ओटावा अपने प्रवासियों की सुरक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा। जबकि ट्रूडो ने भी मंदिर पर हमले की निंदा की, उनके बयान में शामिल खालिस्तानी चरमपंथियों का कोई सीधा उल्लेख नहीं किया गया। यह चूक ट्रूडो द्वारा कनाडा के भीतर भारत से संबंधित तनावों को संभालने में एक आवर्ती मुद्दे को दर्शाती है, जहां एक मुखर खालिस्तानी समुदाय को भारत द्वारा शत्रुतापूर्ण माने जाने वाले कार्यों में फंसाया गया है। इस गुट को सीधे संबोधित करने में ट्रूडो की हिचकिचाहट भारत-कनाडा संबंधों में लगातार अड़चन रही है, जिसने कनाडा में भारतीय प्रवासियों और व्यापक हिंदू समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ओटावा के रुख के बारे में नई दिल्ली में चिंताओं को बढ़ा दिया है।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच व्यापक राजनयिक संबंध काफी तनाव में हैं, हाल ही में आरोप-प्रत्यारोपों ने आपसी अविश्वास की भावना पैदा की है। पिछले सितंबर में, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि भारत एक प्रसिद्ध खालिस्तानी कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की मौत में शामिल हो सकता है, जिसकी कनाडा में रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। हालांकि कनाडाई प्रधानमंत्री ने अभी तक इस दावे के लिए ठोस सबूत नहीं दिए हैं, लेकिन इस आरोप ने दोनों देशों के बीच मतभेदों को और गहरा कर दिया है, जिससे भारत को इस तरह की किसी भी संलिप्तता का खंडन करने और कनाडाई सरकार के रुख की आलोचना करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। मोदी की हालिया टिप्पणियों ने विवाद के एक और मुद्दे को भी छुआ है= कनाडा में भारतीय वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों की कथित निगरानी। इसने न केवल सुरक्षा संबंधी चिंताओं को उठाया है, बल्कि कनाडाई सीमाओं के भीतर भारतीय राजनयिकों के सामने आने वाली बढ़ती कठिनाई को भी उजागर किया है। मंदिर पर हमले जैसी घटनाओं के साथ निगरानी की मौजूदगी ने इस धारणा को बढ़ावा दिया है कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों का हौसला बढ़ रहा है, भले ही ट्रूडो का प्रशासन इन समूहों का पूरी तरह से सामना करने के लिए अनिच्छुक दिखाई दे रहा हो। प्रत्येक नई घटना के साथ - चाहे वह मंदिर पर हमला हो या राज्य समर्थित हत्या की साजिशों का आरोप - विभाजन केवल बढ़ता ही जा रहा है, जो रचनात्मक संबंधों के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धताओं की लचीलापन की परीक्षा ले रहा है।

एकीकरण के सूत्रधार को श्रद्धांजलि

सरदार वल्लभभाई पटेल को ऐतिहासिक श्रद्धांजलि देते हुए सरकार ने भारत को एकीकृत करने में पटेल की अडिग विरासत का सम्मान करने के लिए 150वीं वर्षगांठ मनाने की घोषणा की है।

अनिर्बान गांगुली
(लेखक,भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि सरदार पटेल के स्मारकीय योगदान का सम्मान करने के लिए, दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्रों में से एक की स्थापना के पीछे दूरदर्शी के रूप में उनकी स्थायी विरासत और कश्मीर से लक्षद्वीप तक भारत को एकीकृत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद करने के लिए, जो अमिट है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 2024 से 2026 तक उनकी 150वीं वर्षगांठ मनाएगी।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को खड़ा करने के लिए देशव्यापी आंदोलन के बाद, यह एक और महत्वपूर्ण अवसर है, जब सरदार पटेल की विरासत को याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। यह सम्मान लंबे समय से अपेक्षित था और पूरी तरह से इसके हकदार हैं। 1975 में सरदार की शताब्दी को कम महत्व दिया गया था। यह जानबूझकर किया गया था। इंदिरा के नेतृत्व वाली कांग्रेस अनैतिक और क्रूर आपातकाल लागू करने में व्यस्त थी, इसलिए उसके पास सरदार पटेल को याद करने के लिए बहुत कम समय था।

स्मरणोत्सव निश्चित रूप से कठिन सवाल खड़े करता। इसके अलावा, क्या सरदार की लोकतांत्रिक विरासत को याद किया जा सकता था, जब पूरा विपक्ष, बिना चाटुकार कम्युनिस्टों के, सलाखों के पीछे हो? सरदार पटेल के अग्रणी जीवनीकारों में से एक, राजमोहन गांधी ने 1991 में लिखा कि कैसे नेहरू के मामले में आभार 'बहुत अधिक' था और गांधी के मामले में 'कर्तव्यनिष्ठ', लेकिन पटेल के मामले में 'कंजूस' था।

1989 में नेहरू शताब्दी समारोह के बारे में बोलते हुए, गांधी लिखते हैं कि इसे 'हजारों बिलबोर्ड, स्मारक टीवी धारावाहिकों, त्योहारों और कई अन्य मंचों पर अभिव्यक्त किया गया।' जबकि आपातकाल लागू होने के चार महीने बाद, 31 अक्टूबर, 1975 को पटेल की शताब्दी 'इसके विपरीत, आधिकारिक भारत और बाकी प्रतिष्ठान द्वारा पूरी तरह से उपेक्षित थी।' ब्रिटिश अर्थशास्त्री और संपादक हैरी हॉडसन के साथ एक लंबे साक्षात्कार में, पटेल की छाया और मुख्य संकटमोचक, वीपी मेनन ने एक दिन को याद किया जब आमतौर पर सहिष्णु और ध्यान आकर्षित करने वाले पटेल ने नेहरू से बात करना चुना। 'आपको लगता है कि आपने कांग्रेस बनाई है?', उन्होंने झट से कहा, 'हम सभी इसके सह-निर्माता हैं। क्या आपको लगता है कि मैं आपका पद चाहता हूं? अगर ऐसा होता, तो मैं अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं देता और गांधीजी से नहीं कहता कि आप पदभार संभाल लें। मैंने उनसे कहा कि मैं अपना पद छोड़ दूंगा।'

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को खड़ा करने के लिए देशव्यापी आंदोलन के बाद, यह एक और महत्वपूर्ण अवसर है, जब सरदार पटेल की विरासत को याद कर संजोया जाएगा। यह सम्मान लंबे समय से अपेक्षित था। 1975 में सरदार की शताब्दी को जानबूझकर कम महत्व दिया गया था। इंदिरा के नेतृत्व वाली कांग्रेस अनैतिक और क्रूर आपातकाल लागू करने में व्यस्त थी, इसलिए उसके पास सरदार पटेल को याद करने के लिए बहुत कम समय था।

मेनन की जीवनी में नारायणी बसु ने उस विशेष रूप से तीखे मुलाक़ात का हवाला देते हुए लिखा है, 'सरदार की आवाज़ में दुर्लभ भावना थी।' सरदार पटेल के बाद कांग्रेस को यह विश्वास दिलाया गया कि यह केवल नेहरू ही थे जिन्होंने इसे बनाया है और इसलिए केवल वे और उनके राजनीतिक वंशज ही स्मरण और स्मरण के पात्र हैं। वीपी को यह देखकर दुख हुआ कि 'नेहरू ने आदर्शवाद और महानता के आवरण के नीचे खुद को लपेट लिया, एक प्रतिशोधी और तुच्छ व्यक्ति मौजूद था।'

पटेल को इतने करीब से देखने वाले व्यक्ति के लिए, वीपी ने हडसन से कहा कि सरदार 'बहुत ही कटु और दुखी व्यक्ति के रूप में मरे' और 'पंडितजी को उनके साथ ऐसा व्यवहार कभी नहीं करना चाहिए था।' पटेल और हमारे राष्ट्रीय अभियान में उनके योगदान को नकारने की यह प्रवृत्ति नेहरू के वंश और कांग्रेस में व्याप्त थी, जिसे उन्होंने पटेल के बाद आगे बढ़ाया।

अपनी जीवनी में लालकृष्ण आडवाणी ने पटेल के निधन के बाद कांग्रेस की गिरावट का सही वर्णन किया है और तर्क दिया है कि 'सरदार पटेल के निधन के बाद, कांग्रेस पार्टी में कोई भी ऐसा नहीं बचा था जो विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर नेहरू के नकारात्मक विचारों का प्रतिकार कर सके।'

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अनुयायी और उनके बौद्धिक और राजनीतिक वंश से संबंधित होने के नाते, सरदार पटेल की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुझे स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में उनके बीच के विशेष बंधन की याद आती है। पटेल के जीवनी लेखक राजमोहन गांधी का तर्क है कि 'अंबेडकर और मुखर्जी के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चयन में, निस्संदेह पटेल की निर्णायक भूमिका थी।' जबकि सरदार की नज़र '1946 की गर्मियों' से ही बाबासाहेब अंबेडकर पर थी, डॉ मुखर्जी, जो उस समय हिंदू महासभा का प्रतिनिधित्व करते थे, ने मार्च 1947 में बंगाल के विभाजन की मांग और वकालत करके और 'एक एकीकृत और स्वतंत्र संप्रभु बंगाल के लिए असफल प्रयास में शामिल होने से इनकार करके सरदार की प्रशंसा अर्जित की थी, जिसे शरत बोस और बंगाल के तत्कालीन मुस्लिम लीग के प्रधानमंत्री, खूनी 1946 के 'डायरेक्ट एक्शन' के मास्टरमाइंड एच एस सुहरावर्दी ने पेश किया था। यह सुहरावर्दी द्वारा पूरे बंगाल को भारत से अलग करने और अंततः इसे अपने मालिक जिन्ना के पाकिस्तान के कड़ाहे में फेंकने की एक चतुर चाल थी।

डॉ. मुखर्जी की साहसिक वकालत और उनकी मांग के प्रति सरदार पटेल के समर्थन ने बंगाल को बचाया और यह सुनिश्चित किया कि इसका एक हिस्सा भारत का अभिन्न अंग बना रहे। यह एक ऐसा क्षण था, जैसा कि आने वाले वर्षों में आने वाले कुछ और पलों में हुआ, जिसमें सरदार पटेल और डॉ. मुखर्जी दोनों ने मिलकर काम किया।

अपने विशाल संस्मरणों, 'लिविंग एन एरा' में, वरिष्ठ कांग्रेसी डीपी मिश्रा याद करते हैं कि जब सुहरावर्दी को एहसास हुआ कि बंगाल को छीनने की उनकी नापाक योजना विफल हो रही है, तो 'उन्होंने सांप्रदायिक युद्ध के परिणामस्वरूप कलकत्ता को नष्ट करने की परोक्ष धमकी देना शुरू कर दिया' और माउंटबेटन से कहा कि उन्हें कलकत्ता में 'गंभीर दंगों और क्षति का डर है' और वे शहर पर 'छह महीने का संयुक्त नियंत्रण चाहते हैं'। मिश्रा लिखते हैं कि जब माउंटबेटन ने प्रस्ताव पर पटेल की प्रतिक्रिया मांगी, तो पटेल ने जवाब दिया, 'छह घंटे भी नहीं।' ये सभी बातें याद रखने, स्मरण करने और फिर से देखने लायक हैं।

2013 से 2104 तक राष्ट्रव्यापी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आंदोलन, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को खड़ा करने और अनावरण करने का विशाल मिशन और %राष्ट्रीय एकता दिवस% का स्मरणोत्सव, ये सभी पिछले दशक में मील के पत्थर रहे हैं। एक लंबी और जानबूझकर उपेक्षित विरासत को मुख्यधारा में लाया जा रहा है।

आध्यात्मिक निरंतरता का स्रोत पुनर्जन्म

पुनर्जन्म न केवल आध्यात्मिक निरंतरता का स्रोत है, बल्कि उच्चतर चेतना की खोज का आधार भी है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

हर बार जब हम मृत्यु देखते हैं या अंतिम संस्कार में शामिल होते हैं, तो हम कब्रिस्तान में होने वाली एकांतवास जैसी स्थिति का अनुभव करते हैं, जो हमारे मन और शरीर को सुन्न कर देती है। यह हमें हमारे जीवन के उद्देश्य पर ही सवाल उठाने पर मजबूर कर देता है। हम सोचने लगते हैं कि अगर मृत्यु ही सब कुछ है और यह किसी को भी, कभी भी मार सकती है, तो हमें अच्छे कर्म करने और अपने पापों की सजा से डरने की क्या ज़रूरत है? मुख्य रूप से दो तरह के लोग हैं, जो इस संबंध में दो अलग-अलग मान्यताएं रखते हैं।

पहले तरह के लोग मनुष्य के पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं और दृढ़ता से महसूस करते हैं कि हमारे अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब न्याय के दिन तय किया जाएगा, जब मृतक अपनी कब्रों से उठेंगे, और फिर दूसरे तरह के लोग हैं जो न केवल यह मानते हैं कि मानव आत्माएं पुनर्जन्म लेती हैं, बल्कि उन्हें यह भी लगता है कि मनुष्य फिर से मानव जन्म पाने से पहले 8.4 मिलियन योनियों में जाता है। हालांकि, तीसरे तरह के लोगों के बारे में बहुत कम जानकारी है, जो मानते हैं कि मानव आत्माएँ पुनर्जन्म लेती हैं और हमेशा मानव शरीर में रहती हैं।

मान लीजिए कि मनुष्य का पुनर्जन्म नहीं होता है। ऐसे में अच्छे कर्म करने और बुरे कर्मों से दूर रहने का क्या कारण रह जाएगा? साथ ही, अगर पुनर्जन्म न होता तो बुरे कर्मों के लिए दंड का डर भी नहीं होता और लोगों को कानून से बचने के लिए अपनी मर्जी से कुछ भी करने से कोई नहीं रोक सकता।

हमें यह समझना चाहिए कि अगर मृत्यु के बाद कोई भविष्य नहीं है, तो लोग अपनी मृत्यु तक धन-संपत्ति भी नहीं जमा करेंगे, या बुढ़ापे में घर नहीं

बनाएंगे। पुनर्जन्म के अभाव में ये प्रयास व्यर्थ होंगे। इस प्रकार, अगर पुनर्जन्म न होता तो हमारी अनंत समृद्धि और खुशी की उम्मीदें, अच्छे कर्म करके पुण्य कमाने की इच्छा, भविष्य के जन्मों में दंड का डर और शाश्वत प्रेम और देशभक्ति की भावनाएं, बिल्कुल भी पैदा नहीं होतीं। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, आत्मा कभी नहीं मरती, यह शरीर ही मरता है और मृत्यु के तुरंत बाद, आत्मा शरीर बदल लेती है जैसे हम कपड़े बदलते हैं। पास्ट लाइफ रिग्रेशन जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ, हमारे आस-पास ऐसे बहुत से मामले हैं जहां हम एक बच्चे को अपने पिछले जन्मों के दर्शन का अनुभव करते हुए देखते हैं।

इनमें से कई मामलों की पुष्टि विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों ने की है, जिन्होंने लोगों के पिछले जन्म को याद करते हुए उनकी गवाही दर्ज की है और फिर आधिकारिक अभिलेखों और उनके द्वारा बताए गए लोगों के साथ तथ्यों की जांच की है। एक और सरल तथ्य जो पुनर्जन्म की वास्तविकता की ओर इशारा करता है, वह यह है कि आत्मा शरीर के बिना काम नहीं कर सकती।

अगर पुनर्जन्म वास्तव में नहीं होता, तो व्यक्ति के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है? मनुष्य होने के नाते, हमारे लगभग सभी संपर्क साथी मनुष्यों के साथ होते हैं। इस प्रकार, हम मनुष्यों के साथ कर्म खाते बनाते हैं, जिसके लिए हमें फिर से मानव रूप में जन्म लेना पड़ता है। बीज का सादृश्य भी इस बात को स्पष्ट करता है।

जिस तरह एक आम के बीज से आम का पेड़ निकलता है, जो फिर आम पैदा करता है, जो फिर से आम के बीज प्रदान करता है, उसी तरह मानव आत्मा में मानवीय गुण, भावनाएं और अनुभव होते हैं, और यह मानव जीवन का बीज है।

इसलिए यह किसी अन्य जीवित प्राणी के शरीर में कार्य नहीं कर सकता। आत्मा के अस्तित्व और पुनर्जन्म जैसे तथ्यों के बारे में संदेह आत्मा चेतना के अनुभव की कमी के कारण व्यापक है। इस तरह के अनुभव के लिए आध्यात्मिक प्रयास की आवश्यकता होती है जिसके लिए व्यक्ति को मन और बुद्धि को अंदर की ओर केंद्रित करना होता है और फिर मौन में उस पर चिंतन करना होता है। धीरे-धीरे व्यक्ति को अपने भीतर एक संवेदनशील इकाई के अस्तित्व का एहसास होने लगता है, जो आत्मा है।

ऐसा अनुभव, समय के साथ दोहराया जाता है, आत्म-चेतना, या यह विश्वास लाता है कि व्यक्ति एक आत्मा है। वास्तविकता का यह अनुभव ही आत्माओं की सूक्ष्म दुनिया के अन्य सभी तथ्यों से अज्ञानता के आवरण को हटाता है, जिसे हम आमतौर पर भौतिक प्रमाणों की कमी के कारण अविश्वास में खारिज कर देते हैं। तो आइए हम आत्म चेतना में रहने का अभ्यास करें और बिना किसी परेशानी के एक प्रबुद्ध आत्म होने का आनंद लें।

आप की बात

ट्रंप से भारत को उम्मीदें

अमेरिका के 47 वे राष्ट्र पति के रूप मे डोनाल्ड ट्रंप जी ने अमेरिका की कमान अपने हाथ लेकर अन्य देशों में अपना वजूद कायम कर दिया। भारत के संबंधो की अगर बात करे तो भारत अमेरिका के रिश्ते दोस्ताना रिश्ते रहे। और दोनों देश एक दूसरे के सुख दु:ख के साथी हे। मोदीजी की ट्यूनिंग अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ इतनी मजबूत रही है की पड़ोसी देश पाकिस्तान को चिंता की भट्टी में जलना है। हमारे देश को ट्रंप जी से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक और सांस्कृतिक एवम कही पहलुओं पर उम्मीद है की भारत की दोस्ती को निभाएंगे। यही नहीं हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी से ट्रंप उनके रणनीत और कार्यों से पूर्व से ही प्रभावित है। भारत अमेरिका की दोस्ती से चीन, पाकिस्तान की नींद ज़रूर उड़ जाएगी। भारत में समस्त विकास के पहलुओं पर परचम लहराया जाएगा। अमेरिका भारत की दोस्ती ऐतिहासिक दोस्ती बने। ट्रंप जी हिंदुओं के समर्थक है , और आतंक के घोर विरोधी हे। और अब दोनों देश मिलकर करगर रणनीति तैयार कर आतंक के आंकाओ को भी चारों खाने चित्त करेंगे। कुछ भी हो अमेरिका के राष्ट्रपति के रुप में डोनाल्ड ट्रंप भारत के मित्रता भाव और हितेषी भाव के प्रखर व्यक्तितव है। ट्रंप से भारत को अनवरत उमीदे रहेंगी। और भारत भी हर हाल परिस्थिति में अमेरिका के साथ खड़ा रहेगा।

– **योगेश जोशी,** बड़वाह

पक्षपाती कनाडा सरकार

कनाडा के वर्तमान प्रधानमंत्री के कार्यकाल में इस तरह से हिंदुओं की एवं हिंदू मंदिरों की जो दुर्दशा हो रही है वह काफी शर्मनाक है। एक समय तक हमारे देश के संबंध कनाडा से काफी अच्छे रहे हैं परंतु जब से वहां अब भारत विरोधी सरकारें आने लगी है तब से कनाडा हमारे लिए भारत विरोधी घर हो गया है फिर विशेष करके जबसे प्रधानमंत्री जस्टिन की सरकार आई है तब से इस विरोध की हवा को एक तरह से पलीता लग गया है यह भी कहां जा रहा है कि चाहे हिंदुस्तान से खालिस्तान के प्रति समर्थन खत्म हो गया हो परंतु कनाडा में यह आज काफी फल फूल रहा है जबकि भारत सरकार समय-समय पर इसके प्रति अपना विरोध दर्ज कराती रही है एवं इसके अलावा अलगाववादी खालिस्तानीयों के प्रत्यारोपण की भी भारत सरकार समय-समय पर मांग करती रही है फिर इन दिनों जिस तरह से आज लगातार कनाडा में हिंदू एवं हिंदू मंदिरों पर प्रहार किया जा रहा है कनाडा सरकार इस पर एक दम चुप है। कनाडा की वर्तमान सरकार के इस पक्षपात पूर्ण व्यवहार की भारत सरकार ने अपनी और से काफी कड़े शब्दों में निंदा की है वर्तमान में आज कनाडा में काफी अधिक संख्या में हिंदू एवं सिख भाई मोजूद है एवं कनाडा सरकार की इस पक्षपात पूर्ण नीति के कारण हमारे इन सभी भाइयों की जान की सुरक्षा की चिंता काफी हो गई है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

खरमोर पक्षी को बचाएं

खरमोर के संरक्षण के लिए कृत्रिम गर्भाधान हो कि खबर समाचार पत्रों में पढ़ने को आई।ये प्रवासी पक्षी भारत आते है।इनके लिए आवास के लिए जमीन धीरे -धीरे खत्म होती जा रही है।आवास अव्यवस्था के कारण इनकी संख्या में आने में कमी दिखाई देने लगी है। कृत्रिम गर्भाधान एक अच्छा विकल्प होगा संख्या में बढ़ोतरी के लिए। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के स्थानों के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, आंध्रप्रदेश में भी खरमोर पक्षी देखे गए। ये खरमोर पक्षी प्रजनन काल हेतु उनके पसंदीदा स्थानों का चयन कैसे कर लेते है ये शोध का विषय है। खरमोर पक्षी दक्षिण भारत की दिशा से उड़ान भरते हुए प्रति वर्ष आते है। कोमल घास में कुछ समय अपना प्रजननं काल व्यतीत कर दक्षिण एवं उत्तरी पूर्व भारत आदि की और लौट जाते है। दुनिया भर में कई पशु -पक्षी ऐसे है जो अपने मनपसंद स्थान का चयन अपनी याददाश्त के जरिये कर लेते है। बड़ी तेजी से विलुप्त हो रही प्रजातियों में शामिल यह घास वाले मैदानों में रहने वाला पक्षी है और इसके रहवास में ज्यादा से ज्यादा अब खेती होने लगी है। इससे इस पक्षी को रहने के लिए जगह नहीं मिल रही है। घास वाले मैदानों में जमीन पर ही यह अपना घोसला बनाता है। लेकिन, आवारा कुत्ते एवं जंगली जानवर इनके घोंसले को नष्ट कर इन पक्षियों के चूजों का शिकार कर लेते हैं।

– **संजय वर्मा**, मनावर, धार

जनता का क्या कसूर?

दिल्ली में मानव स्वास्थ्य के अनुकूल न हवा है ना पानी लोग ऐसे हालातो में जिस तरह वहां रह रहे हैं वह निश्चय ही साहसिक माना जा सकता है इसकी जितनी सराहना की जाए कम है। राजनेता भी राजधानी को अखाड़ा बनाने पर तुले हुए हैं जहां चहुंओर केवल भ्रष्टाचार की गुंज सुनाएं देती है। यही वजह है कि राज्य के मुख्यमंत्री से लेकर तमाम मंत्री नेता और यहां तक की पार्षद भी आरोपों के चलते जेल की हवा खा चुके हैं। यह समझ में नहीं आता कि राजधानी में बसे लोगों का क्या कसूर है जो उन्हें उधार की सांसों का जीवन जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। पर्यावरण सुधार और यमुना की स्वच्छता के लिए अरबों के खर्च और बड़ी-बड़ी योजनाएं सब कुछ सुनने में अच्छा लगता है लेकिन वास्तविकता के धरातल पर देखें तो सब कुछ चारागाह नजर आता है। जनकल्याण का दावा ठोकने वाले अगर ईमानदारी से जनहित में काम करते तो आज लोगों को त्योहार पर उत्साह से वंचित नहीं रहना पड़ता और ना यमुना जैसी पवित्र नदी गंदे नालों का दरिया बनती।

– **अमृत लाल मारू**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

धान क्रय केंद्रों पर व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंदः जिलाधिकारी

संवाददाता। गोंडा

बुधवार को जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा ने तहसील सदर के अंतर्गत खाद्य एवं रसद विभाग उप्र द्वारा संचालित राजकीय धान क्रय केंद्र इटियाथोक ए व बी का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वहां पर बाटमाप की जानकारी, स्टॉक रजिस्टर, खरीद रजिस्टर, किसान पंजीकरण रजिस्टर, तथा अन्य सारी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। क्रय केंद्र पर मौके पर 30 कुंतल धान की खरीद पायी गई। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि किसानों से मुलाकात कर अधिक से अधिक धान खरीद करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने क्रय केंद्र केंद्र प्रभारी एवं अन्य अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा है कि धान क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों को किसी भी दशा में वापस न किया जाए। केंद्र पर उनके बैठने की व्यवस्था, पानी पीने की व्यवस्था, लाइट की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, साफ सफाई सहित अन्य सारी व्यवस्थाएं तैयार रखें, ताकि धान विक्रय करने वाले किसानों को क्रय केंद्र पर किसी भी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए। इसके साथ उन्होंने कहा कि किसानों के द्वारा विक्रय किए गए धान का भुगतान 48 घंटे के अंदर करने के निर्देश दिया। वहीं निरीक्षण के दौरान केंद्र पर धान विक्रय करने के लिए आए हुए किसानों को माला पहनाकर स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा, यूपी पीसीयू प्रबंधक जितेंद्र वर्मा, केंद्र प्रभारी राम उजागर चौरसिया, संबंधित सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छठ पूजा हेतु इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित

गोंडा। छठ पूजा के पावन अवसर पर जनपद के सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर में इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर स्थापित कराया है। जनपद में किसी भी प्रकार की आपदा या आपात स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए टीम को तैयार कर दिया गया है। जनपद में किसी भी समस्या की समाधान कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर- 05262- 230125, 05262- 358560 पर तत्काल फोन करके सूचना दे सकते हैं।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने किया महिला अस्पताल का निरीक्षण

गोंडा। बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने जिला महिला चिकित्सालय व वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋचु शाही भी रहीं। जिला महिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने महिला मरीजों से रूबरू होते हुए उनसे सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला महिला चिकित्सालय के सीएमएस डा0 देवेन्द्र सिंह को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में आने वाली महिलाओं को सरकार द्वारा प्रदान की जा रही समस्त सुविधाएं प्रदान की जाय। यह ध्यान रखा जाय कि ओपीडी समय से खुले और मरीजों को उपचार प्रदान हो सके। किसी भी प्रकार की जांच बाहर से न करायी जाय। उन्होंने निर्देशित किया कि पैरामेडिकल स्टाफ, स्टाफ नर्स व आशा कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित कराया जाय। उन्होंने यहां ओपीडी, लिफ्ट सुविधा, दवा कांउटर, जांच मशीनों, आपरेशन कक्ष, पोस्ट डिलेवरी वार्ड, प्री पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, आयुष्मान वार्ड, आदि का भी जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी की चिकित्सक डॉ दीपिका सेठ, डॉ अभिलाषा मिश्रा, डॉ वेद प्रकाश व प्रभात गुप्ता से भी जानकारी ली।

महिला खिलाड़ियों का रहा दबदबा, आईजी व पुलिस अधीक्षक ने दिया शील्ड

संवाददाता। संतकबीरनगर

पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, बस्ती आर0के0 भारद्वाज व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा गोरखपुर जोन की 49वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस जूडो कलस्टर (महिला/पुरुष) जूडो, बुशु, ताइक्वांडो, कराटे, पिनाक सिलाट प्रतियोगिता वर्ष- 2024 का रिजर्व पुलिस लाइन ग्राउंड जनपद संतकबीरनगर में समापन पर विजेताओ को पुरस्कार वितरित किया गया। जिसमें जोन की कुल 10 जनपदो से कुल 193 खिलाड़ी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता की सभी मैच स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड लखनऊ के निर्देशानुसार कराये गये। सम्पूर्ण प्रतियेगिता को सम्पन्न कराने में विभिन्न जनपदो से आये निर्णायक मण्डल ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इस प्रतियोगिता में चल बैजयन्ती प्राप्त करने वाले जनपदो के नाम इस प्रकार है जूड़ो पुरुष प्रतियोगिता विजेता जनपद बलरामपुर, जूड़ो महिला प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर, बुशु पुरुष प्रतियोगिता विजेता जनपद बस्ती, बुशु महिला प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर, ताइक्वांडो पुरुष प्रतियोगिता विजेता जनपद सिद्धार्थनगर, ताइक्वांडो महिला प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर, कराटे पुरुष प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर, कराटे महिला प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर, पिनाक सिलाट पुरुष प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर, पिनाक सिलाट महिला प्रतियोगिता विजेता जनपद संतकबीरनगर रहे।

वन स्टॉप सेन्टर का अपर जिला जज ने किया निरीक्षण

संतकबीरनगर। जिला जज अनिल कुमार वर्मा-प्रथम के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र कुमार सिंह ने बुधवार को वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया जिसमे महिला एवं बच्चियों को संरक्षित किया जाता है। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश द्वारा वन स्टाफसेंटर में आने वाली पीड़ित महिलाओं एवं बच्चियों की समस्याओं के निवारण के लिए चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई केंद्र पर लंबित प्रकरण में पीड़िता के लिए उपलब्ध सुविधाओं स्वास्थ्य तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सीय सुविधाओं पुलिस सुरक्षा कानूनी सलाह व अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी ली

सब जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता का डीएम और एसपी ने किया शुभारम्भ

अमेठी। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के समन्वय से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम अमेठी में प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया जा रहा है। जिसका आज जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर डीएम व एसपी ने आए हुए खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनका उत्साह वर्धन किया। डीएम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी टीम भावना से खेले, पूरी मेहनत और लगन के साथ हैंडबॉल प्रतियोगिता में अपने कौशल का प्रदर्शन करें।

उन्होंने कहा कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई भी जरूरी है आप लोग पढ़ाई पर भी ध्यान दें उसमें भी कड़ी मेहनत करें। इस अवसर पर डीएम ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान उप क्रीड़ाधिकारी मुशर्रफ़ खां ने बताया कि प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में किया जा रहा है।

शिव मंदिर पर्यटन विकास कार्य में सुस्ती पर डीएम ने जताई नाराजगी

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने मुख्य विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित कार्यदायी संस्था उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, लखनऊ के परियोजना प्रबंधक लज्जाराम, सहायक परियोजना प्रबंधक श्री आरसी शुक्ला, अवर अभियंता अभय गुप्ता के साथ-साथ संबंधित ठेकेदार विवेक मिश्र को भी कैंप कार्यालय पर बुलाकर मामले की विस्तृत जानकारी ली। ठेकेदार द्वारा बताया गया कि बारिश में कार्य बन्द कर दिया गया था जिस पर जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित को निर्देशित किया गया कि कार्य धनाभाव में लम्बित न रखा जाय। परियोजना को गुणवत्तायुक्त समायान्तर्गत पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाय, पुनरीक्षित आगणन की स्थिति कदापि उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा परियोजना प्रबंधक को निर्देश दिये गये कि निरन्तर उनका कोई-न-कोई प्रतिनिधि मौके पर समय-समय पर भ्रमण करते हुए वास्तुस्थिति/कार्य की प्रगति से अवगत करायेंगे।

परिषदीय विद्यालयों में स्वच्छता केयर टेकर किये जाएं तैनातः जिलाधिकारी

- 18 सचिव ग्राम पंचायत व 4 सहायक विकास अधिकारी का वेतन रोका

श्रावस्ती, भिनगा। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जनपद स्वच्छता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिसमें स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों यथा व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य रेट्रो फिटिंग आदर्श मॉडल ग्राम पंचायत तथा उनके सत्यापन संबंधित विषय पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) फेज-2 अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु अवशेष धनराशि के भुगतान के सम्बन्ध में चर्चा की। स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) फेज-2 जनपद में ओ0डी0एफ0 प्लस मॉडल ग्राम बनाने हेतु निर्गत क्रेडिट लिमिट के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में प्रेषित धनराशि के सापेक्ष नियमानुसार धनराशि न भुगतान करने पर 18 सचिव ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड इकौना गिलौला हरिहरपुरानी एवं सिरसिया के सहायक विकास अधिकारी (पं0) का माह नवम्बर 2024 का वेतन अग्रिम आदेशों तक बाधित करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा रेट्रोफिटिंग सर्वे का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के साथ ही जनपद में संचालित परिषदीय विद्यालयों में स्वच्छता केयर टेकर तैनात किये जाने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा जिला विकास अधिकारी रामसमुझ जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल समिति के सदस्य के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे।

प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव बनीं एडिशनल डीन

लालगंज, रायबरेली। बैसवारा डिग्री कॉलेज की प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एडिशनल डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल नियुक्त किया गया है । रायबरेली जिले से प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव की नियुक्ति कुलपति , लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के अनुमोदन के उपरांत किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक लाल देवेंद्र बहादुर सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने आगे कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उन्नयन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा । महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ रमेश चंद्र यादव ने बताया की बैसवारा कॉलेज से पहली बार किसी प्राचार्य को एडिशनल डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल नियुक्त किया गया है।

क्विक न्यूज़

फोरलेन से सम्पर्क मार्ग दुर्घटना को दे रहा दावत

जगदीशपुर, अमेठी। सम्पर्क मार्ग से सीधे फोरलेन पर चढ़ने से आए दिन दुर्घटनायें घटित हो रही हैं, और लोग चोटहिल व जान भी गवां रहे है। क्षेत्र वासियों के द्वारा कई जन-प्रतिनधियों से शिकायतों की गई परन्तु कोई सुनवाई नही हुई। मामला चहेती नगर के पास बने फोरलेन से बाबा सिद्धेश्वर धाम हरगांव मार्ग का है, जो मार्ग सीधे फोरलेन से जुडी है, जिस पर आए दिन दुर्घटनायें हो रही है,यहां तक की हाल मे ही दुलापुर निवासी नन्दलाल की बाइक से फोरलेन पर चढ़ते ही अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। इस मार्ग पर सियारबासा, इटरौर, पूरे दलेल, पूरे विस्मिल्लाह, पूरे मंजूर साह, वलीपुर, दुलापुर, पूरे राघव पंडित, डीघा कमालपुर सहित दर्जनों गांव है, जिनका मुख्य मार्ग मात्र यही यही है,इस मार्ग से सैकड़ो स्कूली बच्चे प्रति दिन जान जोखिम मे डालकर रोड पर चढ़ते हैं और उल्टी दिशा मे चलते हैं जिसे देख कलेजा कांप जाता है कि कहीं कोई दुर्घटना न हो जाए।

मारपीट में घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

मुसाफिरखाना अमेठी। जमीनी विवाद के चलते घास छीलते समय पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी देखते देखते लाठी डंडे व धारदार हथियार से एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसे स्थानीय सीएचसी पहुंचाया गया चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल वृद्ध को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी हासिल करते हुए मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी।

जिला मजिस्ट्रेट ने 3 को किया जिला बदर

संतकबीरनगर। जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने आदेश जारी करते हुए 3 के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 3 के अंतर्गत 6 माह के लिए जिला बदर घोषित किया है। इस दौरान अभियुक्त जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे और जहाँ प्रतिदिन रात्रि विश्राम करेगा वहा के थानाध्यक्ष को सूचना देगा। जिला बदर किये गये अभियुक्तों में बालकिशुन पुत्र श्यामबली, ग्राम शनिचरा थाना महुली, हीरालाल पुत्र बुधई, ग्राम परासीर थाना धनघटा तथा शिव शंकर पुत्र स्वर्गीय हरिराम, ग्राम करहना थाना मेहदावल शामिल है।

बैसवारा के बच्चों ने रैली निकाल कर दिया सुरक्षा का संदेश

लालगंज, रायबरेली। यातायात सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत बैसवारा इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने एक विशाल रैली निकालकर नगर के लोगों को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का संदेश दिया । विद्यालय द्वारा इन दिनों सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें प्रार्थना सभा में प्रतिदिन शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा भाषण और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात के नियमों की जानकारी दी जाती है। इस विशाल रैली में एनसीसी एनएसएस और स्काउट समेत लगभग 400 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस रैली में ट्रैफिक इंचार्ज सुखराम तथा प्रधानाचार्य डॉक्टर नरेंद्र बहादुर सिंह राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी वीरेंद्र शुक्ला एनसीसी प्रभारी पुनीत तिवारी भवानी श्रीवास्तव राजेंद्र राठौड़ श्रीमती सीमा , सरिता विपिन सिंह आदि उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद मे दो पक्ष भिड़े, महिला समेत तीन घायल

जगदीशपुर, अमेठी। जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आपस मे भीड़ गए,जिसके बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया,हमले में तीन लोग से घायल हो गए, जिन्हें इलाज हेतु सी एच सी जगदीशपुर मे भर्ती कराया गया, जहाँ एक व्यक्ति की हालात गंभीर देख ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया गया,फिलहाल पुलिस ने चार नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामला भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के पूरे मतन कंजास गांव का है, जहाँ गांव के रहने वाले विशेषर का उसके पड़ोसी सुधराम से पुराना जमीनी विवाद चल रहा था,आज इसी रंजिश के चलते दोनो पक्षों में विवाद हो गया,जिसके बाद सुधराम ने अपने परिजनों के साथ मिलकर विशेषर के परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिसमें रेनू, राजभवन और विशेषर गंभीर रूप से घायल हो गए,सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जगदीशपुर में भर्ती कराया गया जहाँ विशेषर को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर कर दिया गया,पूरे मामले पर थाना अध्यक्ष तनुज पाल ने कहा कि रेनू की तहरीर पर सुधराम पुत्र महिपाल,राजकुमारी पत्नी सुधराम,प्रदीप पुत्र सुधराम और शशि पुत्र सुधराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपीयो की तलाश की जा रही है। वासियो ने अपनी बात क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री सुरेश पासी के सामने रखी पर कुछ नहीं हुआ।

कुठौंदा में हुई क्राप कटिंग व धान की उपज का आंकलन

उरई, जालौन। बुधवार को प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने ग्राम कुठौंदा में राजस्व विभाग की टीम द्वारा क्रॉप कटिंग कार्य कराया। इस दौरान गाटा संख्या 276 में स्थित किसान शिवकुमार पुत्र बद्रीप्रसाद के खेत में धान की उपज का आंकलन किया गया। क्रॉप कटिंग के तहत 40.46 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में फसल की पैदावार का आकलन किया गया, जिसमें 24.840 किलोग्राम धान की उपज प्राप्त हुई। इस अवसर पर मुख्य कोषाधिकारी आनंद सिंह, तहसीलदार शेर बहादुर, नायब तहसीलदार, किसान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने दिये मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के सफल क्रियान्वयन के निर्देश

उरई, जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु वर्चुअल बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायतों में प्राप्त आवेदन पत्रों का सत्यापन कर शीघ्र ही मुख्य विकास अधिकारी व समाज कल्याण अधिकारी को भेजें, 22 नवंबर को 500 मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह का आयोजन नवीन मंडी कालपी रोड में किया जाएगा।

उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित कि आवंटित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराये जाने हेतु विशेष अभियान चलाकर व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए ऑनलाईन आवेदन पत्र भरवाना सुनिश्चित करें तथा अद्यतन समय तक जो भी आवेदन पत्र ऑनलाईन प्राप्त हुए है, उन्हे स्थलीय सत्यापन कराते हुए ऑनलाईन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। किसी भी ग्राम पंचायत या वार्ड में 5 या 5 से अधिक आवेदन पत्र पाये जाने पर उनका स्थलीय सत्यापन स्वयं खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी द्वारा किया जाये।

किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा विकास खण्ड, नगरीय निकाय की प्रगति शून्य पाये जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए कुल 965 का लक्ष्य प्राप्त हैं। इस योजना में 35 हजार रुपए कन्या के खाते में, 10 हजार का उपहार सामग्री तथा 6 हजार आयोजन में प्रति जोड़ा खर्च किया जाता है। एक जोड़े पर शासन द्वारा 51 हजार की धनराशि खर्च की जाती है।

बयान बदलने के दबाव से तंग दुष्कर्म पीड़िता ने की जान देने की कोशिश

ऊंचाहार। दुष्कर्म पीड़ित महिला पर आरोपियों द्वारा बयान बदलने का दबाव बनाने पर महिला ने आहत होकर फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। पीआरवी पुलिस ने महिला को सीएचसी में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला का कहना है कि लगभग तीन महीने पहले गांव के ही तीन लोगों ने रात में घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। आरोप है कि शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में कोई कार्यवाई नहीं की, महिला ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जहां एसीजीएम न्यायालय ने महिला की शिकायत पर परिवाद दर्ज कर लिया।आरोप है कि महिला मंगलवार को बयान देने गई थी, जहां कोर्ट के बाहर आरोपियों ने महिला को बयान बदलने की धमकी दी और बुधवार की सुबह भी आरोप है कि आरोपियों ने महिला को फिर बयान बदलने के लिए धमकी दी।

300 भवन स्वामियों को नोटिस लाइन के नीचे कब्जा हटाने का मिला अल्टीमेटम

रायबरेली। कम लागत की जमीन खरीद कर आशियाना बन चुके 300 भवन स्वामियों को ट्रांसमिशन के अभियंताओं ने नोटिस थमा दिया और जल्द लाइन के नीचे से कब्जा हटा हटाने का अल्टीमेटम भी दे दिया है। जनपद में 132,220 और 400 केवी क्षमता के उपकेंद्रों की लाइनों के नीचे आवास लोगों ने बना लिए हैं और इन लाइनों का निर्माण पहले हुआ था लोगों ने कम लागत की जमीन खरीद कर घर बनाए हैं कहीं-कहीं तो कई मंजिलें इमारते बनाकर तैयार हो गई हैं ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है इसको ध्यान रखते हुए विभाग ने कमर का असली है नोटिस देकर एक हफ्ते के अंदर अतिक्रमण को स्वयं हटा लेने की हिदायत दी गई है ऐसा न करने वालों पर और शिकंजा कैसा जाएगा।

रायबरेली सदर की शक्ति नगर में आशीर्वाद इंटर कॉलेज के आसपास तो हद ही पर हो गई है 11000 की लाइन के खंभे लोगों ने दीवारें खींचकर अपने घरों के अंदर कर ली हैं। मूल निवासी बताते हैं ऐसे में किसी भी समय बड़ी घटना हो सकती है लेकिन अभी तक यहां पर किसी को नोटिस नहीं मिला है इसी तरह शहर के अन्य हिस्से भी हैं जहां पर लोग ट्रांसफार्मर तक की जमीन को कब्जा कर लेना चाहते हैं। विद्युत विभाग भी ऐसे लोगों को लगातार नोटिस दे रहा है लेकिन जन सुरक्षा को ताक पर रखने वाले पूरी तरह से बेलगाम है।

जिन लोगों ने लाइनों के नीचे मकान बना लिए है उन्हें नोटिस दिया गया है। तय समय में कब्जा नहीं हटाया तो कार्यवाही की जाएगी।

उरई में अवैध रूप से संचालित भांग ठेके पर आबकारी की छापामारी

संवाददाता। उरई, जालौन

पिछले दिनों नगर में संचालित भांग ठेकों पर हुई प्रशासनिक कार्यवाही में भारी मात्रा में गांजा की बरामदी के बाद कई भांग ठेके निरस्त कर कोतवाली में एफ्आईआर भी दर्ज करायी गयी थी। लेकिन जब आबकारी विभाग ने पुनः भांग ठेकों की नीलामी प्रक्रिया करायी तो पुराने भांग ठेकेदार ने ही अपने शार्दिगों को नीलामी प्रक्रिया में शामिल कर एक बार फिर से भांग ठेकों पर अपना कब्जा कर लिया था और भांग ठेकों को विभाग से बगैर चौहद्दी पास कराये ही संचालित कर दिये थे।

इसी दौरान आबकारी विभाग को शिकायत मिली कि भांग ठेकों पर फिर से गांजा की बिक्री शुरू हो गयी तो बुधवार को आबकारी टीम ने राजमार्ग स्थित वीमार्ट के सामने संचालित भांग ठेका पर छापामार कार्रवाई को अंजाम देते हुये ठेका पर मौजूद युवक को पकड़कर अपने साथ ले गयी और ठेके पर तालाबंदी करा दी।

छापामार कार्रवाई में आबकारी टीम को क्या मिला क्या नहीं मिला इस बारे में विभागीय टीम जानकारी देने से बचती नजर आयी। उधर जैसे ही उक्त कार्रवाई की जानकारी भांग ठेकेदार को पता चली तो वह सकते में आ गया और फिर विभागीय कार्यवाही से बचने के लिये तोड़जोड़ करने में जुट गया।

उल्लेखनीय हो कि नगर ही नहीं बल्कि जनपद में जिन स्थानों पर भांग ठेके संचालित होते हैं वहां पर भांग से ज्यादा गांजा की बिक्री खुलेआम लंबे समय से की जाती रही है। जब यह मामला आला प्रशासन अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा तो उन्होंने विगत माह एक साथ कई भांग ठेकों पर छापामार कार्यवाही को अंजाम दिलवाया तो इस बात का पूरी तरह से खुलासा हो गया था कि वास्तव में भांग के ठेकों से अवैध तरीके से गांजा की बिक्री होती है।

क्योंकि छापामार कार्यवाही के दौरान भारी संख्या में गांजा की पुड़िया बरामद हुई थी। अभी पिछले माह ही पुनः निरस्त हुई भांग की दुकानों की नीलामी प्रक्रिया आबकारी विभाग ने पूरी करायी थी।

सूत्रों की मानें तो जिस व्यक्ति के विरुद्ध भांग की दुकानों से गांजा की बिक्री कराने मामले में एफ्आईआर दर्ज हुयी थी उसने अपने ही शार्दिगों के नाम भांग ठेके की उच्चतम बोली लगाकर हथिया लिये थे। इसी के साथ भांग ठेकों पर चोरी छिपे गांजा की बिक्री का खेल शुरू हो गया था। उक्त मामले की शिकायत आबकारी विभाग से की गयी थी

डीएम, एसपी ने रामकुंड पहुंचकर छठ पूजा की तैयारियों को परखा

उरई, जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने आगामी छठ पूजा को लेकर रामकुंड का दौरा किया और वहां की तैयारियों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने छठ पूजा के आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाओं की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने पूजा स्थल पर साफ-सफाई, जल निकासी, बिजली की व्यवस्था और छठ व्रतियों के लिए आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस बल की तैनाती और ट्रैफिक व्यवस्था की समुचित व्यवस्था रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान छठ पूजा के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के तहत काम करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, मुख्य कोषाधिकारी आंनद सिंह, तहसीलदार शेर बहादुर आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

परिवार बचाए रखने के लिए धैर्य व संयम की नितांत आवश्यकताः हर्षिता

संवाददाता। जालौन, उरई

किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे है वहां आपका, अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान हो। यदि ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर जाना नहीं चाहिए। यह बात गूढ़ा स्तिथ शनिधाम पर आयोजित भागवत कथा में कथा व्यास हर्षिता किशोरी ने कही।

गूढ़ा स्तिथ शनिधाम पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास हर्षिता किशोरी ने सती चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए कहा कि भगवान शिव की बात को नहीं मानने पर सती के पिता के घर जाने पर अपमानित होने के कारण स्वयं को अग्नि में स्वाह होना पड़ा कथा में उत्तानपाद के वंश में ध्रुव चरित्र की कथा को सुनाते हुए समझाया कि ध्रुव की सौतेली मां सुरुचि के द्वारा अपमानित होने पर भी उसकी मां सुनीति ने धैर्य नहीं खोया जिससे एक बहुत बड़ा संकट टल गया।

परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है। भक्त ध्रुव द्वारा तपस्या कर श्रीहरि को प्रसन्न करने की कथा को सुनाते हुए बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है।

भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है उससे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि पाप के बाद कोई व्यक्ति नरकगामी हो, इसके लिए श्रीमद् भागवत में श्रेष्ठ उपाय प्रायश्चित बताया है।

इसके अलावा कथा स्थल पर महंत जमुनादास महाराज के संरक्षण में नौ कुंडीय श्रीराधा वल्लभ महायज्ञ का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें यज्ञाचार्य पंडित मिथलेश महाराज ने आहुतियां दिलाई।

इस मौके पर पुजारी भरत तिवारी, चंद्रभान मिश्रा, शैलजा, आरती, सुनीता, शशिकला, रीता, रागिनी, कमला, प्रेमलता आदि मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने की कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा, दिये निर्देश

- जनता की समस्याओं/शिकायतों का करायें समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण
- खण्ड शिक्षा अधिकारी विद्यालयों का नियमित करें निरीक्षण
- ग्राम सचिवालय पर योजनाओं से संबंधित जानकारी की जाये प्रदर्शित
- कानून व्यवस्था रहें दुरूस्त, आमजन को न हो कोई परेशानी

कानपुर देहात। मंत्री, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश/प्रभारी मंत्री, डा. संजय कुमार निषाद जी की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति और समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में की गयी। बैठक में मंत्री जी ने बेसिक शिक्षा विभाग को स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ानेए अधिक से अधिक विद्यालयों को निपुण बनाने, सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को प्रतिदिन चार स्कूलों के भ्रमण तथा स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्ययोजना तैयार कर प्रतिदिन खंड शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में भेजा जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी को सभी स्कूलों में विशेष साफसफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। माध्यमिक शिक्षा विभाग को राजकीय विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी बनाने, खेलकूद मैदान बनाने तथा स्कूलों को मुख्यमंत्री के मंशानुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। सभी प्रधानाध्यापकए प्रबंधकों की समय.समय पर मीटिंग बुलाकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए जाएं। मंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक स्कूलों को मॉडल स्कूल में परिवर्तित किया जाए। शिक्षा देना पुण्य का कार्य है, ऐसे में संबंधित अधिकारी कार्य में विशेष रुचि लेकर शासन के मंशानुरूप कार्यवाही करें। मंत्री ने जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्राम सचिवालय में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में पंपलेट लगवाने तथा विभागों से संबंधित वेबसाइट आदि का प्रदर्शन करने के निर्देश दिए। सचिवालयों पर ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव व अन्य संबंधित के मोबाइल नम्बर, नाम आदि का भी प्रदर्शन किया जाए। विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि निर्धारित समय के अन्दर ट्रांसफार्मर बदले जाएं, विद्युत बिल संबंधित शिकायतों का संवेदनशील होकर निस्तारण कराया जाए। विद्युत रिपेयरिंग संबंधित कार्य में शटडाउन हेतु रजिस्टर बनाया जाएए जिम्मेदार अधिकारी लगाया जाये, बिना लिखा पढ़ी को पूरा किये शटडाउन आदि न दिया जाए, साथ ही सभी विद्युत कर्मियों को सुरक्षा उपकरण आदि उपलब्ध कराया जाए। मंत्री ने कृषि विभाग को किसान सम्मान निधि के सत्यापन के कार्य को पूर्ण शीघ्र कराने व विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं का प्रचार.प्रसार कराने के निर्देश दिए।

खाद की किल्लत से किसानों ने हाईवे किया जाम

मौदहा, हमीरपुर। खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों ने एक बार पुन: नेशनल हाइवे जाम लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी, सूचना पर पहुंची पुलिस एवं अधिकारियों ने समझा बुझाकर जाम खुलवा दिया है। बुधवार को सुबह कस्बे के पीसीएफ केंद्र में खाद लेने पहुंचे किसानों को खाद न मिलने पर नेशनल हाईवे में जाम लगाकर नारेबाजी शुरू कर दी और देखते ही देखते कानपुर सागर हाईवे पर भीषण जाम लग गया। जाम की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस सहित अधिकारियों ने किसानों को खाद मिलने का आश्वासन देकर किसी तरह जाम खुलवा दिया। गौरतलब हो कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है बीते दिनों कई बार खाद में गड़बड़ी एवं खाद की किल्लत को लेकर किसान हाईवे जामकर प्रदर्शन कर चुके हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है और पीसीएस केंद्र प्रभारी पर कोई असर नहीं हो रहा है। जो कहीं न कहीं जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सवाल खड़ा करता है। खाद को लेकर पूरे जिले में किल्लत है किसानों का कहना है कि प्रायवेट दुकानों में महंगी व ज्यादा दामों में खाद की विक्री हो रही है कृषि अधिकारी इसे रोक नही पा रहे है। समितियों में जो खाद आती है वह पहले कुछ चहेते किसानों को कर्मचारी दे देते है जिससे छोटे तपके का किसान आन्दोलित हो जाता है। इधर जिला कृषि अधिकारी का कहना है कि समितियो में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है जब किसान खाद लेने जाता है तो वहा पर खाद नदारत मिलती है,किसानों ने बताया जब से जिला कृषि अधिकारी हरीशंकर ने कार्यभार संभाला तब से कृषि संबंधी व्यवस्थाएं पूरी तरह चौपट हो गयी है। इससे सरकार की जम कर किरकिरी हो रही है।

पराली जलाने पर प्रशासन सख्त, वसूला जा रहा जुर्माना

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में कृषि निदेशक रामबचन राम ने बताया कि डीएम द्वारा पराली जलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफसख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देशों दिये गये है। जिला प्रशासन द्वारा पराली जलाने वाले किसानो के विरूद्ध अर्थदण्ड की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा नियमित क्षेत्रभ्रमण कर कृषकों से पराली को जलाने के स्थान पर निराश्रित गोवंश स्थलों पर दान करने, फसल कटाई उरान्त फसल अवशेष को फसल अवशेष प्रबन्धन यंत्रो की सहायता से खेता में ही जुतवाने अथवा वेस्ट डीकम्पोजर का उपयोग कर जैविक उर्वरक के रूप प्रयोग करने हेतु जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। फिर भी कुछ किसानोंध्व्यक्तियों द्वारा पराली/फसल अवशेष/कूडा अवशेष जलाया जा रहा है, जिन पर नियमानुसार अर्थदण्ड की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। 05.11.2024 तक जनपद में कुल 26 घटनाओं की सूचना प्राप्त हुयी है, सत्यापन कराने पर 14 घटनाऐं कूडा अवशेष/ पतावर/ झाडियों आदि जलाने की तथा 12 घटनाऐं फसल अवशेष जलाने की पायी गयी है। सत्यापन में दोषी पाये गये व्यक्तियों को नियमानुसार नोटिस निर्गत कर अर्थदण्ड की वसूली की गयी है विकासखण्ड रसूलाबाद में बिना इन.सीटू यंत्रो के प्रयोग के फसल कटाई करती पाये जाने के कारण एक कम्बाइन हार्वेस्टर सीज किया गया है। एडीएम (वि. रा.), द्वारा प्रतिदिन राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक कर घटनाओं की रोकथाम एवं दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही की समीक्षा की जा रही है।

फसल अवशेष/पराली जलाने से जहॉ एक ओर पर्यावरणीय क्षति, मृदा स्वास्थ्य एवं मित्र कीटों पर कुप्रभाव पडता है वही दूसरी ओर फसलों एवं ग्रामों में अग्निकाण्ड होने की भी सम्भावना होती है। फसल अवशेष जलाने से मिट्टी के तापमान में वृद्धि होने से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पडता हैए मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीव नष्ट होते है जिससे जीवांश के अच्छी प्रकार से सडने में भी कठिनाई होती है। पौधे जीवांश से ही पोषक तत्व लेते है तथा इससे फसलों का उत्पादन भी कम होता है। अत: पराली किसी भी दशा में न जलाये। पराली दो खाद लो अभियान भी चलाया जा रहा है, किसान भाई गोशालाओं पर 2 ट्राली पराली देकर, 01 ट्राली की गोबर की खाद प्राप्त कर सकते है। फसल अवशेष जलाये जाने पर पूर्णत: रोक लगाते हुए इस दण्डनीय अपराध की श्रेणी में रखा है तथा यदि किसी व्यक्ति द्वारा फसल अवशेष/पराली जलाने की घटना घटित की जाती है तो राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधि. की धारा.24 एवं 26 के अन्तर्गत उसके विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति हेतु 02 एकड़ से कम क्षेत्र के लिए रु0 2500 प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ के लिए रु0 5000 प्रति घटना और 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए रु0 15000/- प्रति घटना की दर से अर्थदण्ड वसूले जाने का प्राविधान है।

समन्वयक बने प्रजानाथ

वाराणसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेनिंथला और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी वेणुगोपाल ने आगामी 20 नवम्बर को संपन्न होने वाले महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव हेतु वाराणसी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रजा नाथ शर्मा को नॉर्थ महाराष्ट्र के मल्कापुर विधान सभा का समन्वयक नियुक्त किया है।

छठ महापर्व पर ओम साईं सेवा समिति का शिविर आज

वाराणसी।सूर्य उपासना का महापर्व छठ पर प्रहलाद घाट स्थित ओम साईं समिति द्वारा श्रद्धालुओं को निशुल्क चायए दूधए पानीए दवा आदि का वितरण 7 नवंबर एवं 8 नवंबर को सायं काल 4रू00 बजे से शुक्रवार को सुबह 9रू00 बजे तक किया जाएगा। यह निशुल्क शिविर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लगेगा। इस शिविर में क्षेत्र के गण मान्य व्यक्ति पंडित अशोक तिवारीए पंडित डॉक्टर सुधीर कुमार त्रिपाठीए रोशनए सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी ओम साईं सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम श्रीवास्तव उर्फशालू ने दी।

कह दो अंधेरों से कहीं और घर बना ले मेरे मुल्क में रोशनी का सैलाब आया है

मीरजापुर। डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल व शेयर एण्ड केयर संस्था के तत्वाधान से समाज के निर्धन व असहाय बच्चों के मुख पर दिवाली व छठ पर्व के त्योहार पर खुशी लाने का अथक प्रयास किया गया ।हमारा विद्यालय हमेशा की तरह समाज के वंचित वर्गों बच्चों की सहायता करने को तत्पर रहता है। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती अपराजिता सिंह जी एविद्यालय की प्रधानाचार्याए उप प्रधानाचार्या व शिक्षकों तथा छात्रों के प्रयास से एक चैरिटी ड्राइव आयोजित किया जा रहा हैए इसका एकमात्र उद्देश्य है समाज के उस तबके की मदद करना जो थोड़े कम भाग्यशाली हैं। ऐसे वर्ग के बच्चों के चेहरे पर थोड़ी मुस्कान लाने के लिए तत्पर डैफोडिल्स व उसके छात्रों ने खिलौने एमिठाइयां गर्म कपड़े एकंबल एकॉपी एपेंसिल पेन एचॉकलेटए फ्रूटी जैसी चीजों को जब दिया ए तो इस तरह के समान को पाकर बच्चों व वृद्धों के चेहरे पर चमक आ गई थीए जो देखते ही बनती थी। विद्यालय के हेड बॉयए हेड गर्ल एकैप्टन एकाउंसिल मेंबर्स ने अपने हाथों से बच्चों को सामान दियाए जिससे उन्हें समझ में आया कि ईश्वर ने जो उन्हें दिया हैए उसे हमेशा समाज के निर्धन वर्ग व सुखों से वंचितों में सहायता कर उनका आशीर्वाद व स्नेह लेना चाहिए ।इस मौके पर उपस्थित विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती अपराजिता सिंह जी ने कहा कि हमारा उद्देश्य देश की आने वाली पीढियां में इस तरह के संस्कार के बीज स्थापित करना है एजो निःस्वार्थ भाव से सामाजिक हित से जुड़े कार्यों को अंजाम देते रहे ।यह चैरिटी ड्राइव तीनों ही शाखों में आयोजित किया जाएगा इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा बच्चों की मदद करके उनके चेहरे पर मुस्कान लाना है।

क्विक न्यूज

पुलिस ने नाले में गिरे टेंपो को जेसीबी से निकाला

गुरसहायगंज, कन्नौज। बुधवार को स्थानीय कोतवाली के निकट एक टेंपो अनियंत्रित होकर अचानक नाले में गिर गया जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे कोतवाली के कांस्टेवल गजेन्द्र सिंह एवं दीपांशु गंगवार नें टेंपो को नाले से निकालने के लिए पालिका की जेसीबी की मदद ली। बताते चलें कि अचानक नाले में गिरे टेम्पो को पुलिस कर्मियों ने आनन फानन में जेसीबी की मदद से नाले से बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि टेंपो में कोई सवारी नहीं थी और न ही चालक घायल हुआ। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह दुर्घटना उस समय बड़े हादसे का रूप ले सकती थी लेकिन सौभाग्यवश सवारियों का न होना एक बड़ा राहत का कारण बना। वही लोगों का कहना था कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सडक किनारे नाले की छोटी दीवार बनाकर दुर्घटनाओं को रोकनें का उचित उपाय किया जाये।

दस लोगों पर फसल नष्ट करने का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम तेराजाकेट निवासी राजकिशोर पुत्र स्वर्गीय पंचम लाल द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत दिनों पूर्व उसने अपने खेत पर आलू की फसल बोई थी। जिसे गांव के ही धीरज, मनीराम, जयराम, मनीराम, रेवती एवं उसके अज्ञात पति तथा धीरज की पत्नी, जयराम की पत्नी एवं धीरज व जयराम के दो पुत्रों ने मिलकर उसकी दो बीघा आलू की फसल को नष्ट कर दिया। प्रार्थी द्वारा घटना का वीडियो बनाने पर उपरोक्त लोग गाली गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गए और पुलिस बल द्वारा रोकने के बावजूद मान नहीं रहे हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

वाहन की टक्कर से एक छात्र की मौत

मोहम्मदी खीरी। कोतवाली अन्तर्गत स्कार्पियो एवं साईकिल के एक्सीडेंट में एक 15 वर्षीय बच्चे की मृत्यु हो गयी क्षेत्र के ग्राम रछेला बाजिदपुर निवासी 15 वर्षीय अमित कुमार पुत्र आशाराम पीवी इंटर कालेज बरेचा में कक्षा 9 का छात्र है और स्कूल से साईकिल द्वारा अपने घर जा रहा था कि बरेचा रोड पर तेज गति से आ रही स्कार्पियो ने टक्कर मारकर उसे गम्भीर घायल कर दिया घटना की सूचना पाते ही लोगो ने 108 एम्बूलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए जहाँ चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक चार भाई एक वहन में सबसे छोटा है।

निर्माणाधीन धोबी घाट का चेयरमैन व ईओ ने किया निरीक्षण

फतेहपुर। मसवानी वार्ड के निबहरा मुहल्ले में अमृत 2.0 अभियान के तहत 134.25 लाख रूपये की लागत से पक्के धोबी घाट का निर्माण कराया जा रहा है। कार्य का निरीक्षण करने के लिए बुधवार को चेयरमैन, सभासद व ईओ मौके पर पहुंचे और गुणवत्ता को चेक किया। कार्यदायी संस्था को जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण किए जाने की हिदायत दी। नगर पालिका परिषद के चेयरमैन राजकुमार मौर्य ने कहा कि इस पक्के धोबी घाट का निर्माण हो जाने से इस पेशे से जुड़े लोगों को आसानी हो जाएगी। इस घाट का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ न किया जाए। मैटेरियल अच्छे किस्म का लगाया जाए। ईओ ने कहा कि घाट का निर्माण जल्द से जल्द पूरा करके नगर पालिका को हैण्ड ओवर किया जाए।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

फतेहपुर। जाफरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से 45 वर्षीय बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। उन्नाव जनपद के थाना अजीजपुर लखरिया निवासी भूरू खान का पुत्र अब्दुल हसन गाजीपुर कस्बा जलसा देखने आया था। रात तीन बजे वह वापस उन्नाव जा रहा था। तभी जाफरगंज कस्बा के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

कंजम्पशन फंड लॉन्च किया

वाराणसी। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने उपभोग थीम के अंतर्गत एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीमए बजाज फिन्सर्व कंजम्प्शन फंड शुरू करने की घोषणा की है। यह फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 8 नवंबर को खुलेगा और इसकी न्यू फंड ऑफर अवधि 22 नवंबर 2024 को समाप्त होगी।बजाज फिन्सर्व कंजम्प्शन फंड एक ट्रू . टू . लेबल फंड है जो रणनीतिक रूप से उन क्षेत्रों में निवेश करेगा जो उभरते हुए खपत मेगाट्रेंड के साथ बढ़ रहे हैं। लॉन्च पर बोलते हुए बजाज फिन्सर्व एएमसी के सीईओ श्री गणेश मोहन कहते हैं आय के स्तर और शहरीकरण में वृद्धि तथा लोगों के बुनियादी से विवेकाधीन खर्च की तरफरुझानों के कारण भारत का उपभोग परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल रहा है। एक थीम के रूप में उपभोग क्षेत्र निवेश के अनुकूल है क्योंकि व्यापक बाजारों की तुलना में इसके बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं।

रूरा एसओ के नेतृत्व में सिठमरा हत्याकाण्ड के अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर देहात। जनपद के रूरा थाने में बीते दिनों हुयी किशोर की हत्या के बहुचर्चित मामले में अनुभवी व तेजतर्रार थाना प्रभारी जेपी शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने एक बालिग व दो किशोर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। रूरा थाना क्षेत्र के सिठमरा गॉव में दस वर्षीय किशोर की मृत्यु हो गयी थी, पिता अनिल सिंह की तहरीर पर थाने में मुकदमा संख्या 372/2024 धारा 103(1)/351(2)/351(3)/191/(2)/191(3) बीएनएस बनाम अभियुक्तगण बनाम विकास पाल पुत्र इन्द्रपाल व उसके 4:-5 साथियों के खिलाफदर्ज किया गया था। एसएचओ जेपी शर्मा ने मुकदमा दर्ज होने के बाद युद्धस्तर पर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये दिन रात एक कर अभियान चलाया था, रूरा पुलिस को अभियुक्तों की गिरफ्तारी में मॅगलवार को सफलता तब मिली जब मुखबिर ने सूचना दी कि संदिग्ध अवस्था में कुछ लोग घनश्याम सिंह भट्ठा के पहले चिलौली को जाने वाले रोड पर बनी डबल पुलिया के पास खडे है, रूरा थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्यवाही करते हुये एसएसआई लक्ष्मण सिंह व पुलिस बल के साथ छापा मारकर मौके से तीन लोगों को हिरासत में लिया, पकडे गये गये अभियुक्त विकास पाल व दो किशोरवय लोगों ने पूॅछताॅछ में सिठमरा में हुयी किशोर की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पकडे गये तीनों अभियुक्तों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेजा गया। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने रूरा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में चर्चा के केन्द्र रहे हत्या के मामले में अभियुक्तों की गिरफ्तारी में रूरा पुलिस की भूमिका की भूरि-भूरि प्रशॅसा कर उनके उज्जवल भविष्य के लिये शीघ्र ही पुरस्कार व पदोन्नति की अनुशॅसा की है।

अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत

संवाददाता। फर्रुखाबाद

अलग.अलग मार्ग दुर्घटनाओं में दो की दर्दनाक मौत हुई हैद्य दोनों के परिजनों में चीखपुकार मची हैद्य पुलिस मामले की छानबीन कर रही हैद्यथाना मऊदरबाजा के ग्राम रेहा गुतासी निवासी 30 वर्षीय संजीब पुत्र दाताराम शहर से अपने गाँव बाइक से आ रहा थाद्य उसी दौरान रायपुर चौकी के निकट रोडबेज ने संजीब को कुचल दिया द्य जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल में लाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। दूसरी घटना में भी थाना नवाबगंज के मंझना निवासी 30 वर्षीय रजत गंगवार पुत्र दिलीप कुमार को दलेलगंज शमसाबाद में किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह बुरी तरह घायल हो गयाद्य उसे लोहिया अस्पताल लाया गया जहां रजत को मृत घोषित कर दिया गया।

सोलहवें गोपाष्टमी महोत्सव में 500 स्कूली बच्चों को सीडीओ अभिषेक सिंह ने दिलाया गौ रक्षा संकल्प

गोला गोकणनाथ खीरी। धर्मादा समिति गौशाला के सात दिवसीय गोपाष्टमी महोत्सव के चौथे दिन विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य कल्याण समिति गोला के सह आयोजन में गौ रक्षा संकल्प कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीडीओ लखीमपुर खीरी अभिषेक कुमार, विशिष्ट अतिथि रामदेव शास्त्री, प्रसिद्ध चिकित्सक डा. अभिषेक मेहरोत्रा, पं दिनेश मिश्रा शिव मंदिर के प्रमुख पुजारी, सुरेन्द्र कुमार अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका गोला, हनुमान प्रसाद मिश्रा खण्ड विकास अधिकारी कुम्भी, कार्यक्रम के अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य जिला प्रभारी भाजपा वासुदेव मौर्य के द्वारा गौ पूजन कर किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। सीडीओ अभिषेक कुमार ने बच्चों को गौ रक्षा का संकल्प देते हुए कहा, गौ बहुउपयोगी है इसलिए हम गौ माता का पूजन करते है, सदैव गौ माता की सेवा के साथ इस गौशाला को भी याद रखना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि राम देव शास्त्री ने कहा दूध, दही, घी, गौ मूत्र, गोवर का रस यह पंच गव्य का सेवन करने से बुद्धि तीव्र होती है। कार्यक्रम अध्यक्ष पिछडा वर्ग आयोग के सदस्य वासुदेव मौर्य ने कहा गौ माता की हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। मोदी.योगी सरकार ने गौ संरक्षण के लिए गौ सेवा आयोग का गठन किया है। आयोजक नपा अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने गौमाता की सेवा एवं आशीर्वाद से मुझे बहुत कुछ मिला है। सभी सहयोगी संगठनों के साथ आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य कल्याण समिति एवं नगरपालिका के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, प्रांतीय महामंत्री शैलेन्द्र सक्सेना, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अनुज खरे, प्रांतीय मीडिया प्रभारी श्याम किशोर अवस्थी अवधेश मिश्रा, संजय तिवारी, डीपी श्रीवास्तव, अवनीश मिश्रा, रविन्द्र भूषण, आलोक तिवारी, डा. कमलेश वर्मा, शत्रोहन मिश्रा, रविन्द्र कटियार, विजय मिश्रा, विमलेश वर्मा, अविनाश गुप्ता, सुनील मिश्रा सहित अनेक गौ सेवक उपस्थित रहे।

सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा में उमड़े सनातनी, भरी हुंकार

गुरसहायगंज, कन्नौज। शिवभक्ति अखाडा के तत्वाधान में आयोजित सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा में संन्यासी समुदाय के लोग सशस्त्र होकर पैदल मार्च कर रहे थे। जिसमें सैकडों लोगों ने भारत माता की जय, जय हिन्द के गगनभेदी नारे लगाये। पदयात्रा के दौरान संन्यासियों ने समाज में बढ़ती असहमति और विभाजन को खत्म करने का आह्वान किया। बुधवार को सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा के उपरान्त नगर के रामजानकी मंण्डपम में मधुराम शरण शिवा ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए हमें व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर एकता, सामूहिकता और भाईचारे को बढ़ावा देना होगा। इसके बाद उन्होनें जानकारी देते हुये बताया कि सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा के बाद रात्रि में तीस जातियों के यहां से आये भोजन को सामूहिक रुप से ग्रहण किया जायेगा। गुरूवार को सन्यासी ग्राम निवासी प्रवास बैठक में धार्मिक आयोजन समिति, जाति प्रमुख, युवा वहनें, युवा टोली व शस्त्रधारकों से आंतरिक शांति और देशभक्ति के महत्व के बारे में चर्चा करेंगे एवं शुक्रवार को धर्मयोद्धा भर्ती करेंगे। इस दौरान जीतू तिवारी, अमरदीप मिश्रा, धर्मेन्द्र कौशल, बृजेश गुप्ता उर्फ रामू, अजीत सिंह वर्मा, ध्रुब गुप्ता, मंगलम पाण्डेय, डा. शरद दुवे, सभासद धर्मेन्द्र गुप्ता उर्फबडे, सुरेन्द्र कुमार, परमजीत, कपिल यादव, विपिन चौरसिया, अनुराग गुप्ता, सौरभ सविता, अंकित, करन चौहान, सुनील दीक्षित सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा में संन्यासी व अन्य।

सिविल कांट्रेक्टर्स एसो. ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री व प्रमुख सचिव लोक निर्माण को भेजा ज्ञापन

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर सिविल कांट्रेक्टर्स वेलफेयर एसो. ने लोक निर्माण विभाग द्वारा नवीनीकरण के कार्यों पर पांच वर्षीय अनुरक्षण की व्यवस्था आनन फानन में प्रभावी किये जाने के विरोध में मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव लोनि व प्रमुख अभियंता लोनिवि उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा है। प्रदेश के कई जिले बाढ़ प्रभावित हैं जिसमें सड़कें महीना भर पानी मे डूबी रहती हैं एवं बहुत से जिलों में जल जीवन मिशन (ग्रामीण/शहरी) के कार्य चल रहे हैं, उसमें कोई मानक तय नहीं है। पांच वर्षीय अनुरक्षण के संबंध में बिना कोई परीक्षणध्मानक तय किये ही शासनादेश जारी कर दिया गया है जबकि अनुरक्षण कैसे और किस प्रकार किया जाएगा उसका कोई उलकेख नहीं किया गया है एवं विभाग द्वारा उक्त शासनादेश का संज्ञान लेते हुए निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं जिस वजह से ठेकेदारों को काफी हानि होगी। मार्गों के नवीनीकरण के उपरांत जहां पर अनुरक्षण कराया जाना है वहां पर सड़कों की मोटाई कम है। वहां किस मानक से कार्य होगा एबिना उसके संबंध में संपूर्ण निर्देश जारी किए बिना सम्भव नहीं है।

खीरी यूपी का सबसे बड़ा जनपद है। जिसका 40 से 60 प्रतिशत भाग बाढ़/ अतिवृष्टि से प्रभावित रहता है जिस कारण से सड़कें महीनों जलमग्न रहती हैं। जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत मार्गों की कटिंग करके पाइपलाइन डाले जाने का कार्य कराया जा रहा हैएजिसका भी मानक तय करते हुए अनुरक्षण की कार्यवाही हेतु निर्देश निर्गत किये जायें। सरिया/सीमेंट की दरें शिड्यूल ऑफ रेट में मार्किट की प्रचलित दरों से काफी कम हैं तथा ठेकेदारों को कार्य कराने हेतु अधिक दरों पर सरियाध्सीमेंट खरीद कर मार्ग निर्माण में प्रयुक्त किया जाता है जिस कारण से हम ठेकेदारों पर काफी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अत: शिड्यूल ऑफ रेट को पुनरीक्षित करते हुए दरें निर्गत की जाएं। इंटरलॉकिंग की दरें शिड्यूल ऑफ रेट में पूर्व मूल्य से बहुत कम हैं जिसे भी मार्केट की प्रचलित दरों के अनुरूप कराया जाए। ज्ञापन में उक्त बिंदुओं का अवलोकन करने हेतु संबंधित को अपने स्तर से यथोचित निर्देश निर्गत करने की मांग की गई है।

डीएम, एसपी व सीडीओ ने प्रचार वाहनों को किया रवाना

फतेहपुर। जनपद में पराली जलाए जाने की घटनाओं के अंकुश लगाए जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर से 03 प्रचार वाहनों को जनपद की तहसीलों में व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने संयुक्त रूप से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहनों के माध्यम से कृषकों को पराली न जलाए जाने, धान फसल को ऐसे कम्बाइन हार्वेस्टर जिसमें सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम लगा हो उन्ही से धान फसल की कटाई कार्य कराये जाने हेतु जागरूक किया जाएगा। कृषकों द्वारा खेतों में पराली, सरपत एवं कूडा-करकट को किसी भी दशा में न जलाने की शपथ दिलाते हुए इस कार्य में सहयोग प्रदान किये जाने एवं पराली को जलाने वाले कृषकों के विरूद्ध शासनादेश में उल्लिखित प्रवर्तन/जुर्माना की कार्यवाही से भी अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही कृषकों को फसल अवशेषों को खेतों में सडाकर जैविक खाद बनाकर मृदा की उर्वरा शक्ति व जीवांश की मात्रा को बढाने हेतु जागरूक किए जाने के साथ ही कृषकों के पास उपयोग रहित पराली कृषकों के पास उपलब्ध है, को अधिक से अधिक संख्या में जनपद की गौशालाओं को नि:शुल्क दान किये जाने हेतु प्रेरित किया जायेगा। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी उपस्थित रहे।

छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लेने सेठघाट पहुंचे डीएम एसपीए देखा छठ पूजा घाट, परखी तैयारियां

लखीमपुर खीरी। बुधवार को सेठघाट पहुंचकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के लिए की गई तैयारियों को परखा, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। तहसीलए ब्लॉक, जिला पंचायत और नगर पालिका प्रशासन को पूजा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद करने के निर्देश दिए। डीएम.एसपी ने छठ पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष व संरक्षक से बातचीत की। इसके बाद पूजास्थलए घाट की साफसफाईए नदी में सुरक्षित दूरी तक बैरिकेडिंग सहित विभिन्न मूलभूत और जरूरी व्यवस्थाओं का भी जायजा लियाए अधिकारियों को शांतिपूर्णए व्यवस्थित ढंग से छठ पूजा संपन्न कराने के निर्देश दिए। डीएम ने छठ पूजा पर्व की दृष्टिगत अपनी घोषणा के क्रम में क्रिटिकल गैप से बनवाए सड़क मार्ग का निरीक्षण कियाए संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सभी जनपदवासियों व श्रद्धालुजनों को भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठी मइया की कृपा से लोक आस्था का यह महापर्व संपूर्ण सृष्टि के लिए सुख.समृद्धि तथा आरोग्यता का कारक बनेए यही कामना है। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) पवन गौतम, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी निर्माण खंड प्रथम केके झा, एसडीएम (सदर) अश्वनी कुमार सिंह, सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी, बीडीओ ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, ईओ संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी गण मौजूद रहे।

जाति जनगणना होकर रहेगी, 50% आरक्षण सीमा की दीवार टूटेगी: राहुल

नागपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति आधारित जनगणना की एक बार फिर वकालत करते हुए कहा कि देश में यह कवायद होकर रहेगी और इस प्रक्रिया से दलितों, अन्य पिछड़ा वर्गों और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा। जाति आधारित जनगणना का वास्तविक अर्थ न्याय है और उनकी पार्टी 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की दीवार को भी तोड़ेगी। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरएसएस और सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और उन पर संविधान पर हमला करने और इस तरह देश की आवाज दबाने का आरोप लगाया। जाति आधारित जनगणना सामान्य श्रेणी के लोगों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और अन्य को न्याय देगी।

राहुल गांधी ने कहा, जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हर किसी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी ताकत है और उनकी भूमिका क्या है। गांधी ने कहा, हम 50 प्रतिशत (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

द्वारा तैयार किया गया संविधान सिर्फ एक किताब नहीं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है, उसी तरह जाति जनगणना विकास का प्रतिमान है। उन्होंने कहा, इससे स्पष्टता आएगी और नया प्रतिमान बनेगा। इसलिए भाजपा और आरएसएस इस बारे में चर्चा कर रहे हैं कि उन्हें क्या रुख अपनाना चाहिए तथा जाति जनगणना पर क्या कहना चाहिए।

राहुल ने कहा, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप कुछ भी कर लें, जाति जनगणना होकर रहेगी। इस पर जो भी चर्चा करनी है कर लें या मीडिया में जो भी चल रहा हो, भारत की जनता ने तय कर लिया है कि जाति जनगणना होकर रहेगी और 50 प्रतिशत की दीवार टूटेगी। और यह आवाज धीरे-धीरे बढ़ रही है। हमारा काम है कि हम लोगों को समझाएं कि जाति जनगणना से ही संविधान की रक्षा होगी।

प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब भी मैं जाति जनगणना की बात करता हूं, मोदी जी कहते हैं कि राहुल गांधी देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें देश को बताना होगा कि हम देश के हाशिए पर पड़े 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को न्याय दिलाने के लिए लड़ रहे हैं। यह कार्यक्रम नागपुर के रेशमबाग इलाके में सुरेश भट्ट हॉल में आयोजित किया गया, जो आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के स्मारक डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर से सटा हुआ है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि संविधान समानता, एक व्यक्ति-एक वोट, सभी के लिए, और हर धर्म, जाति, राज्य तथा भाषा के लिए सम्मान की बात करता है। उन्होंने कहा, लेकिन जब आरएसएस और भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते हैं तो वे केवल इस पुस्तक पर हमला नहीं करते, बल्कि वे देश की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में निर्वाचन आयोग जैसे अनेक संस्थान संविधान की भेंट हैं। उन्होंने कहा, राजाओं और राजकुमारों के समय निर्वाचन आयोग नहीं होता था। दावा किया, अदाणी की कंपनी के प्रबंधन में आपको एक भी दलित, ओबीसी और आदिवासी नहीं मिलेगा।

केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, आप सिर्फ 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ करते हैं, लेकिन जब मैं किसानों की कर्ज माफी की बात करता हूं तो मुझ पर हमला किया जाता है। उन्होंने कहा, हमारे सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारी उच्च पदों, न्यायपालिका, कॉरपोरेट और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में दलितों, ओबीसी, आदिवासियों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि आप चाहे भारत के 90 प्रतिशत लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं पाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि पांच प्रतिशत लोग देश चला रहे हैं। गांधी ने कहा कि संविधान के बिना, कोई सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा और आईआईटी, आईआईएम जैसे शैक्षणिक संस्थान नहीं होंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आरएसएस सीधे संविधान पर हमला नहीं कर सकता क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे ऐसा करेंगे तो वे हार जाएंगे। इसलिए, वे गुप्त रूप से और विभिन्न रूपों में और विकास, प्रगति, अर्थव्यवस्था और अन्य जैसे शब्दों का उपयोग करके हमला करते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य पीछे से वार करना है।

कांग्रेस में हो रही लगातार गिरावट, महाराष्ट्र में जीत दर्ज करेगी भाजपा: सिंधिया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत का भरोसा जताते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस संगठन का नेतृत्व से और जनता से सम्पर्क टूट गया है जिसके चलते कांग्रेस पार्टी (का जनाधार) लगातार नीचे जा रही है। महाराष्ट्र में इस सप्ताह चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने वाले सिंधिया ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा राज्य में फिर से लोगों का दिल जीतने जा रही है।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कांग्रेस पार्टी (का जनाधार) लगातार नीचे जा रही है। मुझे लगता है कि ऐसा तीन चीजों के कारण है। मुझे लगता है कि कांग्रेस संगठन का नेतृत्व से और जनता से सम्पर्क टूट गया है। कांग्रेस पार्टी का भारत को लेकर कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है। जब आप ए तीनों चीजें खो देते हैं, तो आप लोगों का विश्वास भी खो देते हैं।

संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री सिंधिया ने महाराष्ट्र में भाजपा की सत्ता में वापसी का भरोसा जताया, जहां इसी महीने चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, जहां तक महाराष्ट्र का सवाल है, यह एक ऐसा राज्य है जिससे मैं भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ हूं, क्योंकि मैं मूल रूप से उसी राज्य से आता हूं। मैंने उस राज्य में काफी समय बिताया है और मुझे पूरा भरोसा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में एक बार फिर लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाएगी।

सिंधिया परिवार मराठा सेनापति रानोजीराव सिंधिया का वंशज है, जिन्होंने पेशवा बाजीराव के साथ मिलकर मुगलों के खिलाफ लड़ाई में मराठा अभियान का दिल्ली में नेतृत्व किया था और भारत के पश्चिमी तट पर पुर्तगालियों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी थी।

धर्मांतरण, अतिक्रमण, भूमि जिहाद थूक जिहाद नहीं चलेगा: धामी

भाषा। उत्तरकाशी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को फिर कहा कि उत्तराखंड में धर्मांतरण, अतिक्रमण, भूमि जिहाद और थूक जिहाद नहीं चलेगा और प्रदेश के लोगों को ऐसी मानसिकता वाले लोगों को जवाब देना होगा। सरकारी योजनाओं की समीक्षा के लिए यहां पहुंचे धामी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, उत्तराखंड देवभूमि है जहां सब मिल-जुलकर रहते हैं। उत्तराखंड में धर्मांतरण नहीं चलेगा, अतिक्रमण नहीं चलेगा, लैंड (भूमि) जिहाद नहीं चलेगा। कुछ लोग थूक जिहाद कर रहे हैं लेकिन प्रदेश में यह नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उत्तराखंड में अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अब तक 5000 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

धामी ने कहा, अतिक्रमणकारी कोई भी हो, किसी को भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी में वरूणावत पर्वत की तलहटी (बफ़र ज़ोन) में अवैध कब्जाधारियों पर भी कार्वाई की जाएगी। वहीं, पिछले माह की 24 तारीख को उत्तरकाशी में संयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ के प्रदर्शन के दौरान हुए पथराव और पुलिस लाठीचार्ज को लेकर भी मुख्यमंत्री ने जल्द कार्वाई की बात कही। यह पूछे जाने पर कि घटना पर मजिस्ट्रेट जांच या एसआईटी जांच का गठन क्यों नहीं किया गया, मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए जा चुके हैं और अगर आवश्यकता हुई तो मजिस्ट्रेट जांच भी कराई जाएगी।

अराजकतावादी तत्वों का गठबंधन बना रहे राहुल गांधी, देश के लिए खतरनाक : फडणवीस

भाषा। सांगली (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जो गठबंधन बना रहे हैं वह राज्य और देश के लिए खतरनाक है। सांगली जिले के जाट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार गोपीचंद पडलकर के लिए एक चुनाव प्रचार रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने गांधी के नेतृत्व वाले भारत जोड़ो अभियान को भारत तोड़ो अभियान करार दिया और आरोप लगाया कि अराजकतावादी और धुर वामपंथी संगठन इससे जुड़े हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि भारत के संविधान की लाल जिल्द वाली प्रति दिखाकर गांधीजी क्या संदेश देना चाहते हैं?

फडणवीस ने कहा, आज राहुल गांधी महाराष्ट्र आए हैं (20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने)....राहुल गांधी

जिस तरह से गठबंधन कर रहे हैं, वह राज्य और देश के लिए खतरनाक है। भाजपा नेता ने दावा किया, भारत जोड़ो नाम से एक पहल शुरू की गई थी। नाम देखकर लगा कि यह अच्छी पहल है, लेकिन बाद में पता चला कि भारत जोड़ो से जुड़े 150 से 200 संगठनों में से 100 संगठन देश में अराजकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ए संगठन अति वामपंथी और अराजकतावादी हैं और अगर इनके पिछले रिकॉर्ड की जांच की जाए तो पता चलता है कि ए लोग समाज में अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं।

फडणवीस ने कहा कि ए संगठन संविधान और न्यायपालिका में समाज का विश्वास कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह भारत जोड़ो नहीं बल्कि भारत तोड़ो आंदोलन था और मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वह भारत का लाल रंग का संविधान क्यों दिखा रहे हैं और वह किस तरह का संदेश देना चाहते हैं? फडणवीस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस भारतीय समाज के ताने-बाने को नष्ट कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे महाराष्ट्र में अराजकता फैलाने के प्रयोग में लगे हुए हैं। लेकिन अगर जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है तो राज्य में अराजकता की जगह विकास होगा और समाज के अंतिम व्यक्ति का जीवन बदलेगा। जाट निर्वाचन क्षेत्र में पडलकर का मुकाबला कांग्रेस के मौजूदा विधायक विक्रम सावंत से है।

चीन के प्रति ट्रंप का सख्त रुख होना भारत के लिए अच्छा: थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पद पर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के साथ भारत-अमेरिका संबंधों में बुनियादी निरंतरता बनी रहेगी। ट्रंप का चीन के प्रति सख्त होना भारत के लिए अच्छा है। विदेश मामलों संबंधी संसद की स्थाई समिति के अध्यक्ष और पूर्व विदेश राज्य मंत्री थरूर ने ट्रंप के सत्ता में आने के नजरिए से आव्रजन और व्यापार को लेकर चिंता भी व्यक्त की और कहा कि अमेरिकी नेता का कई मामलों पर लेनदेन का रवैया है। अमेरिका के 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की जिसे अमेरिकी इतिहास में किसी नेता की सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी कहा जा रहा है। ट्रंप ने कड़े चुनावी मुकाबले में अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को पराजित किया। थरूर ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, सच कहूं तो इस नतीजे से कोई बड़ा आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

पैठाणी में युवती का अश्लील वीडियो सार्वजनिक किए जाने के बाद सांप्रदायिक तनाव

पौड़ी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के पैठाणी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने एक युवती के कथित अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिए जिसके बाद लड़की बदनामी के डर से घर से भाग गई। इस घटना से क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। पैठाणी में नाई की दुकान चलाने वाले शाहनवाज मिर्जा (24) की गिरफ्तारी के बावजूद स्थानीय व्यापारियों ने बुधवार को बाजार बंद रखे और दूसरे समुदाय की दुकानें नही खुलने दी। पुलिस ने बताया कि तनाव को देखते हुए क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को थाना पैठाणी में एक स्थानीय व्यक्ति ने सूचना दी कि उसकी 21 वर्षीय साली बिना बताए घर से कहीं चली गई है और काफी तलाश करने के बाद भी नही मिल रही है। शिकायत पर त्वरित कार्वाई करते हुए पुलिस ने गुमशुदा युवती को कोटद्वार से बरामद किया जिसके बाद पूछताछ में युवती ने बताया कि उसके कुछ कथित अश्लील फोटो और वीडियो मिर्जा के फेसबुक अकाउंट से सोशल मीडिया पर डाले गए है जिसके बाद बदनामी के डर के कारण वह घर से भाग गई थी। प्रारंभिक तौर पर इन आरोपों के सत्य पाए जाने पर पुलिस ने मिर्जा के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। युवक की इस हरकत से लोग आक्रोशित हो गए और बाजार बंद रखा। लोगों ने मुस्लिम समुदाय की दुकानों को खुलने नही दिया और नारेबाजी की। हालात को नियंत्रण में रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पैठाणी पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पौड़ी जिले के वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखपत सिंह भंडारी ने बताया कि क्षेत्र की जनता ने पुलिस को आरोपी के खिलाफ धर्मांतरण, बलात्कार, अपहरण और ब्लैकमेलिंग सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के लिए दो दिन की मोहलत दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पुलिस ऐसा नही करती तो क्षेत्र में आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश के चमोली जिले की नंदानगर तहसील में भी सितंबर में नाई की दुकान चलाने वाले एक युवक को स्थानीय नाबालिग लड़की को अश्लील इशारे करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले के दो समुदायों से संबंधित होने के कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा तक लागू करनी पड़ी थी। चमोली जिले की ही थराली तहसील में अक्टूबर में नाई का कार्य करने वाले दिलबर खान नाम के युवक को एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हिमाचल के मुस्लिम संगठन ने मस्जिद की तीन मंजिलों को गिराने के आदेश के खिलाफ अपील दायर की

शिमला। शिमला स्थित विवादित संजौली मस्जिद मामले में बुधवार को नया मोड़ आ गया, जब एक मुस्लिम संगठन ने अदालत में अपील दायर कर निगम आयुक्त की अदालत द्वारा मस्जिद की तीन अनधिकृत मंजिलों को गिराने के पांच अक्टूबर के आदेश को चुनौती दी। संजौली मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष लतीफ मोहम्मद और मुस्लिम समुदाय के अन्य सदस्यों ने 12 सितंबर को मस्जिद की तीन अनधिकृत मंजिलों को ध्वस्त करने की पेशकश की थी और नगर निगम आयुक्त (एमसी) से अनुमति मांगी थी। निगम आयुक्त की अदालत ने पांच अक्टूबर को अनधिकृत मंजिलों को गिराने की अनुमति दी थी और तोड़फोड़ पूरी करने के लिए दो महीने का समय दिया था। मस्जिद समिति ने आदेशों का पालन करना शुरू कर दिया था जिसके बाद छत को हटाने के साथ ही तोड़फोड़ का काम शुरू हो गया था। ऑल हिमाचल मुस्लिम ऑर्गनाइजेशन (एएचएमओ) ने 11 अक्टूबर को निगम अदालत द्वारा पारित ध्वस्तीकरण आदेश को शिमला के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की अदालत में चुनौती दी। एएचएमओ के प्रवक्ता नजाकत अली हाशमी ने कहा कि मस्जिद समिति और वक्फ बोर्ड को इस तरह की अनुमति देने का कोई अधिकार नही है तथा निगम अदालत द्वारा पारित आदेश तथ्यों के विपरीत हैं। एएचएमओ के वकील विश्व भूषण ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने निगम आयुक्त अदालत के पांच अक्टूबर के आदेश के खिलाफ अपील दायर की है और दलील दी है कि हम पीड़ित पक्ष है, क्योंकि हमने संपत्ति दान की। हम चुनौती दे रहे हैं कि लतीफ किसकी ओर से निगम आयुक्त अदालत में पेश हुए और उन्हें मस्जिद को गिराने का प्रस्ताव देने के लिए किसने अधिकृत किया। एएचएमओ ने दलील दी कि संजौली मस्जिद कमेटी पंजीकृत नही है और उसके द्वारा प्रस्तुत हलफनामा अवैध है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने याचिका की विचारणीयता और अन्य संबंधित मामलों पर निर्णय लेने के लिए अगली सुनवाई की तारीख 11 नवंबर तय की। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने 21 अक्टूबर को शिमला नगर निगम आयुक्त को स्थानीय निवासियों द्वारा दायर याचिका पर 15 साल पुराने मामले में आठ सप्ताह के भीतर फैसला करने का आदेश दिया था और यह भी निर्देश दिया था कि मामले की सुनवाई से पहले सभी हितधारकों को नोटिस दिया जाए। इससे पहले, 11 सितंबर को मस्जिद के एक हिस्से को गिराने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान 10 लोग घायल हो गए थे। संजौली में प्रदर्शन के बाद मंडी में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वाले लोगों पर पानी की बौछारें की गई थी।

भड़काऊ भाषण के लिए मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कोलकाता। बिधाननगर पुलिस ने बुधवार को अभिनेता से भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ पिछले महीने उत्तर 24 परगना जिले में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए प्राथमिकी दर्ज की है। चक्रवर्ती के खिलाफ शिकायत 27 अक्टूबर को साल्ट लेक क्षेत्र में ईजेडसीसी में भाजपा के एक कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा दिए गए भाषण से संबंधित है, जिसके आधार पर पुलिस ने बिधाननगर दक्षिण थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे, जो भाजपा के सदस्यता अभियान के पश्चिम बंगाल चरण की शुरुआत के लिए आयोजित किया गया था। बिधाननगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने प्राथमिकी को प्रतिशोध की राजनीति का परिणाम बताया।

काली पूजा पंडाल में तोडफोड़ का वीडियो पोस्ट करने पर दो पत्रकार गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में काली पूजा पंडाल में कथित तौर पर तोड़फोड़ का वीडियो बनाने और उसे अपने चैनल पर पोस्ट करने पर पुलिस ने स्थानीय समाचार पोर्टल के दो पत्रकारों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह वीडियो कथित तौर पर दो पत्रकारों ने ही रिकार्ड किया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में स्वत: संज्ञान लेते हुए एक मामला दर्ज किया और मंगलवार दोपहर कैखली इलाके में पोर्टल के कार्यालय से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, मामले की जांच की जा रही है। उन दोनों द्वारा बनाए गए वीडियो से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। हम उन्हें बुधवार दोपहर बाद अदालत में पेश करेंगे।

उन्होंने बताया कि बुधवार को की गई छापेमारी में एक कंप्यूटर और कुछ अन्य सामग्री जब्त कर ली गई है। वीडियो में बिधाननगर सिटी पुलिस के अंतर्गत दक्षिणदारी इलाके में हाल ही में काली पूजा समारोह के दौरान हुई तोड़फोड़ को कथित तौर पर दिखाया गया है।

भाजपा विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने काली पूजा समारोह के दौरान तोड़फोड़ की घटनाओं को रोकने में कथित रूप से विफल रहने और इनकी रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों को गिरफ्तार करने के लिए ममता बनर्जी सरकार की आलोचना की। अधिकारी ने दावा किया कि बंगाल में सनातन धर्म पर हमला हो रहा है और उन्होंने राज्य सरकार पर इन हमलों के बारे में चिंता जताने वाली आवाजों को दबाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हाल ही में पोर्टल ने दक्षिणदारी इलाके में काली पूजा पंडाल में हुई तोड़फोड़ की घटना की का एक वीडियो अपलोड किया था।

एमवीए नेताओं को लगता है कि उन्हें छोटी पार्टियों की जरूरत नहीं : अबू आजमी

मुंबई। महाराष्ट्र में सपा को केवल दो विधानसभा सीटें आवंटित किए जाने से नाराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने बुधवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसने हरियाणा में अपनी हार से कोई सबक नहीं सीखा है। आजमी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) को एकजुट होकर चुनाव लड़ना चाहिए था, उसने सपा नेताओं को बातचीत के लिए भी नहीं बुलाया। सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, उन्हें लगता है कि उनके बल पर चुनाव जीता जा सकता है और हमारी (सपा की) कोई जरूरत नहीं है। सपा ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आठ उम्मीदवार उतारे हैं और सात नवंबर को अपना घोषणापत्र जारी करेगी। आजमी ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा को हराने के लिए अन्य सीटों पर एमवीए की मदद करेंगे।

इंडिया गठबंधन की घटक सपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया, जिससे मुंबई उत्तर पूर्व, धुले और भिवंडी जैसी सीटें हासिल करके विपक्षी गठबंधन की संख्या बढ़ाने में मदद मिली। आजमी ने कांग्रेस का हवाला देते हुए कहा, उन्होंने हरियाणा में (सपा के साथ) गठबंधन नहीं किया और हार गए। हमें लगा कि वे सबक सीखेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सपा हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका क्योंकि इसका प्रदेश नेतृत्व विरोध कर रहा था। एग्जिट पोल और राजनीतिक विश्लेषकों को झुठलाते हुए, भाजपा ने पिछले महीने लगातार तीसरी बार हरियाणा में जीत हासिल की।

आजमी ने महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया, राज्य नेतृत्व (कांग्रेस का) अपने दम पर काम नहीं कर सकता और उसे हर बार निर्णय लेने के लिए दिल्ली भागना पड़ता है। एमवीए की पार्टियां, खासकर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की राकांपा (एसपी), चुनावों से पहले कई दौर की गहन बातचीत में शामिल रही हैं। एमवीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर निराशा जताते हुए आजमी ने कहा, हमारे लिए केवल दो सीटें छोड़ी हैं। उन्होंने हमसे बात भी नहीं की कि हमें केवल दो सीटें आवंटित की गई हैं। हमें इसके बारे में मीडिया के जरिए ही पता चला। उन्होंने हमें बैठक के लिए भी आमंत्रित नहीं किया। उनके अलावा पार्टी ने भिवंडी पूर्व, भिवंडी पश्चिम, तुलजापुर, परांडा, औरंगाबाद पूर्व, मालेगांव मध्य और धुले शहर विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। आजमी की मानखुर्द शिवाजी नगर और भिवंडी पश्चिम सीटों को छोड़कर, एमवीए ने अन्य छह निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे हैं।

पेज 1 का शेष

डोनाल्ड....

नामांकन पाने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। ट्रम्प ने पेंसिल्वेनिया, जॉर्जिया, उत्तरी कैरोलिना और विस्कॉन्सिन के युद्ध के मैदान राज्यों में जीत हासिल की। एरिज़ोना, मिशिगन और नेवादा के स्विंग राज्यों में वोटों की गिनती अभी भी जारी थी। इससे पहले, हैरिस ने मतगणना में स्पष्ट रुझान सामने आने के बाद अपने अल्मा मेटर हॉवर्ड विश्वविद्यालय में एक चुनाव निगरानी पार्टी रद्द कर दी थी। हैरिस के लिए ये नतीजे बहुत निराशाजनक हैं। जुलाई में राष्ट्रपति बाइडन के अपने पुनर्निर्वाचन अभियान से बाहर होने के बाद वह इस दौड़ में शामिल हुईं, ट्रम्प के साथ एक टेलीविज़न बहस में उनके असंगत प्रदर्शन के बाद उनकी कड़ी जांच की गई थी। नामांकन को औपचारिक रूप से स्वीकार करने के बाद अपने संबोधन में, हैरिस ने कड़वाहट, निराशावाद और विभाजनकारी राजनीति से दूर 'आगे बढ़ने का एक नया तरीका' अपनाने की कसम खाई। अमेरिका में 50 राज्य हैं और उनमें से ज़्यादातर हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट देते हैं, सिवाय स्विंग राज्यों के। आम तौर पर, उम्मीदवारों द्वारा निर्णायक युद्ध के मैदानों के अलावा अन्य राज्यों में जीत हासिल करना बहुत आश्चर्य की बात नहीं है। कुल मिलाकर, कुल 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट दांव पर हैं। पेनसिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कॉन्सिन के स्विंग राज्य, जिन्हें रस्ट बेल्ट का हिस्सा माना जाता है, पारंपरिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी के गढ़ रहे हैं। सीएनएन द्वारा किए गए एक एग्जिट पोल में कहा गया है कि लगभग तीन-चौथाई मतदाता आज अमेरिका में चल रही चीजों के बारे में नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। पोल के अनुसार, केवल एक-चौथाई ने खुद को देश की स्थिति से उत्साहित या संतुष्ट बताया, जबकि 10 में से चार से अधिक असंतुष्ट और लगभग 10 में से तीन ने कहा कि वे नाराज हैं। सीएनएन पोल में पाया गया कि मतदाता आम तौर पर आशावादी रहे, 10 में से 6 से अधिक ने कहा कि अमेरिका के सबसे अच्छे दिन भविष्य में हैं, और केवल एक-तिहाई ने कहा कि वे पहले से ही अतीत में हैं।

सहयोग...

पिछले हफ़्ते ट्रंप ने दिवाली की शुभकामनाएँ दी थीं और हिंदू अमेरिकियों के हितों की रक्षा करने का संकल्प लिया था। उन्होंने हिंदू अमेरिकियों को 'कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म-विरोधी एजेंडे' से बचाने की कसम खाई थी। उन्होंने उनकी स्वतंत्रता की रक्षा करने और भारत के साथ संबंधों को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत उनका एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ट्रंप ने लिखा, 'हम कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म-विरोधी एजेंडे से हिंदू अमेरिकियों की भी रक्षा करेंगे। हम आपकी स्वतंत्रता के लिए लड़ेंगे। मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को भी मजबूत करेंगे।' ट्रंप ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं और ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों की भी निंदा की। ट्रंप ने कहा, 'मैं हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं, जिन पर बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हमला किया जा रहा है और लूटपाट की जा रही है, जो पूरी तरह से अराजकता की स्थिति में है।' कांग्रेस ने भी ट्रंप को बधाई दी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'हम वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी ट्रंप को बधाई दी और उनके दूसरे कार्यकाल में सफलता की कामना की। गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'आपकी जीत पर बधाई, @realDonaldTrump अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आपके दूसरे कार्यकाल में सफलता की कामना करता हूं। @KamalaHarris को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। सोशल मीडिया पोस्ट में खड़गे ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से, हम राष्ट्रपति @realDonaldTrump को उनकी चुनावी जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हैं।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो लंबे समय से साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, परस्पर हितों और व्यापक लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर आधारित है।

शेयर बाजार...

दूसरी ओर टाइटन, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट आई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिकी चुनाव के नतीजों के बाद वैश्विक बाजारों में राहत भरी तेजी देखी गई। ट्रंप के मजबूत जनादेश के साथ राजनीतिक अनिश्चितता कम हुई है। इससे कर कटौती और सरकारी खर्च में वृद्धि की संभावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में आईटी खर्च बढ़ने की उम्मीद के कारण घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में लाभ रहा। नायर ने कहा, आईटी कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों के अनुसार अमेरिका में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र में खर्च बढ़ा है। यह भारतीय कंपनियों के लिए सकारात्मक है। बीएसई मिडकैप सूचकांक 2.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक 1.96 प्रतिशत के लाभ में रहा। क्षेत्रवार बात करें तो बीएसई आईटी में 4.04 प्रतिशत, रियल्टी में 2.68 प्रतिशत, औद्योगिक खंड में 2.66 प्रतिशत, सेवाओं में 2.53 प्रतिशत और उपयोगिता में 2.44 प्रतिशत की तेजी हुई। बीएसई पर कुल 3,000 शेयरों में तेजी आई, जबकि 968 शेयर नुकसान में बंद हुए। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की लाभ में रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान के साथ बंद हुए। यूरोप के अधिकांश बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड दो प्रतिशत गिरकर 74.02 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,569.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

एलएमवी...

कि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम, 1988 में संशोधन के लिए विचार-विमर्श लगभग पूरा हो चुका है। शीर्ष अदालत ने केंद्र से कानून में संशोधन की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने को कहा। पीठ ने उस कानूनी पहलू का समाधान किया कि क्या हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) का लाइसेंस धारक व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक वजन वाले परिवहन वाहन चलाने का भी हकदार है। इस मुद्दे ने एलएमवी लाइसेंस धारकों द्वारा चलाए जा रहे परिवहन वाहनों से जुड़े दुर्घटना मामलों में बीमा कंपनियों की तरफ से दावों के भुगतान को लेकर विभिन्न विवादों को जन्म दिया है। बीमा कम्पनियां आरोप लगाती रही हैं कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) और अदालतें हल्के मोटर वाहन ड्राइविंग लाइसेंस के संबंध में उनकी आपत्तियों की अनदेखी करते हुए उन्हें बीमा दावों का भुगतान करने के लिए आदेश पारित करते हैं। बीमा कम्पनियों ने कहा कि बीमा दावा विवादों पर निर्णय करते समय अदालतें बीमाधारक का पक्ष लेती हैं।

जाको राखे...

चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में भर्ती कराया गया था। उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था और शिशु-फीडिंग ट्यूब से दूध पिलाया जा रहा था। डॉक्टरों और नर्सों द्वारा की गई प्यार भरी देखभाल ने बच्चे को मौत के मुंह से वापस लाकर उनकी आंखों का तारा बना दिया। ऐसा कोई दिन नहीं बीता जब अस्पताल के कर्मचारियों ने शिशु कृष्ण के साथ न खेला हो। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संजय काला ने कहा, डॉ. आर्या ने बच्चे का नाम 'कृष्ण' रखा क्योंकि वह जन्माष्टमी (26 अगस्त) के शुभ दिन मिला था और इतनी कम उम्र में इतने कष्ट सहने के बाद विजयी हुआ। हालांकि, उसे प्रयागराज के बाल गृह में शिफ्ट करते समय बाल कल्याण समिति ने शिशु का नाम 'लव' दर्ज किया, यह देखते हुए कि यह एक काल्पनिक नाम था। यह बच्चा मानवीय संवेदना और दयालुता की शक्ति की याद दिलाता है। हालांकि परित्यक्त होने के बावजूद वह अकेला नहीं है। वह उन लोगों से घिरा है जो दूसरे मौकों में विश्वास करते हैं। डॉ. आर्य ने कहा, यह जीवन में दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। 25 अक्टूबर को बच्चे को बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया, जिसने अगले कुछ दिनों में उसे प्रयागराज में उसके नए निवास पर भेज दिया। जीएसवीएम के एक डॉक्टर ने कहा, जब वह अस्पताल से जा रहा था, तो सभी कर्मचारियों की आंखों में आंसू थे, क्योंकि वे बच्चे से बहुत जुड़ गए थे। अगर हम दो महीने में ही उससे इतने जुड़ गए, तो मुझे आश्चर्य है कि कोई इतने प्यारे बच्चे को कैसे छोड़ सकता है। अगर कोई उसे नहीं चाहता था, तो वह उसे अस्पताल या मंदिर या मस्जिद के सामने छोड़ सकता था। इससे उसे दर्द से बचाया जा सकता था।

योग्य छात्रों को मिलेगी वित्तीय सहायता

● पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मोदी मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को बुधवार को मंजूरी दे दी, ताकि वित्तीय बाधाएं उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के अनुसार, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में दाखिला लेने वाला कोई भी विद्यार्थी पाठ्यक्रम से संबंधित ट्यूशन शुल्क और अन्य खर्चों की पूरी राशि को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बिना किसी जमानत या गारंटर के ऋण हासिल करने के लिए पात्र होगा।

इस योजना के लिए 3,600 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) के आधार पर देश के शीर्ष 860 क्यूएचईआई में प्रवेश पाने वाले छात्रों को शिक्षा ऋण की सुविधा दी जाएगी। इसमें हर साल 22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे। वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मंत्रिमंडल ने मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है, ताकि वित्तीय बाधाएं भारत के किसी भी युवा को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें। इस योजना में एनआईआरएफ के समग्र, श्रेणी-विशिष्ट और विषय विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान रखने वाले सरकारी एवं निजी सभी एचईआई शामिल हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में 101-200 में स्थान रखने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) और केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी संस्थानों को इसमें शामिल किया गया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, यह सूची हर साल नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग का इस्तेमाल करके अद्यतन की जाएगी, और शुरुआत में 860 योग्य क्यूएचईआई के साथ 22 लाख से अधिक छात्रों को शामिल किया जाएगा, ताकि वे चाहें तो पीएम-विद्यालक्ष्मी का लाभ उठा सकें। साढ़े सात लाख रुपए तक की ऋण राशि के लिए, छात्र बकाया चूक के 75 प्रतिशत की ऋण गारंटी के लिए भी पात्र होगा। बयान में कहा गया, इससे बैंकों को इस योजना के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा, जिन विद्यार्थियों की वार्षिक पारिवारिक आय आठ लाख रुपए तक है और वे किसी अन्य सरकारी छात्रवृत्ति या ब्याज छूट योजनाओं के तहत लाभ के पात्र नहीं हैं, उन्हें 10 लाख रुपए तक के ऋण पर अधिस्थगन अवधि के दौरान तीन प्रतिशत की ब्याज छूट भी प्रदान की जाएगी। इसमें कहा गया, हर वर्ष एक लाख विद्यार्थियों को ब्याज छूट सहायता दी जाएगी। उन विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो सरकारी संस्थानों में अध्ययनरत हैं और जिन्होंने तकनीकी, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का विकल्प चुना है। वर्ष 2024-25 से 2030-31 के दौरान 3,600 करोड़ रुपए के परिव्यय का प्रावधान किया गया है और इस अवधि के दौरान सात लाख नए छात्रों को इस ब्याज छूट का लाभ मिलने की उम्मीद है। उच्च शिक्षा विभाग का एक एकीकृत पोर्टल पीएम-विद्यालक्ष्मी होगा, जिस पर विद्यार्थी सभी बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली सरलीकृत आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण के साथ-साथ ब्याज छूट के लिए आवेदन कर सकेंगे। ब्याज छूट का भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से किया जाएगा।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली(भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पीएम-विद्यालक्ष्मी को केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से मंजूरी दिए जाने को शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि यह युवा शक्ति को सशक्त बनाने व राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए एक बड़ा कदम। मंत्रिमंडल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर युवाओं का समर्थन करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है। यह युवा शक्ति को सशक्त बनाने और हमारे राष्ट्र के लिए एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राहुल गांधी की नागरिकता के मुद्दे पर सीबीआई जांच आरंभ की गई

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली उच्च न्यायालय को बुधवार को यह जानकारी दी गई कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई की जा रही जनहित याचिका पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता की सीबीआई जांच शुरू की गई है। याचिकाकर्ता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के कार्यकर्ता ने जब कहा कि उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की थी, मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि पीठ कोई विरोधाभासी आदेश पारित करना नहीं चाहती।

पीठ ने कहा कि एक ही विषय पर दो समानांतर याचिकाएं नहीं हो सकतीं। साथ ही, एस विग्नेश शिशिर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उनकी जनहित याचिका के बाद संबद्ध घटनाक्रमों पर एक हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी। दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष यह विषय भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर आया, जिन्होंने गृह मंत्रालय को राहुल गांधी की नागरिकता रद्द करने के अनुरोध संबंधी उनके अभिवेदन पर निर्णय करने के लिए निर्देश जारी करने का आग्रह किया है।

स्वामी ने अपनी याचिका में, गृह मंत्रालय को यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया है कि राहुल के खिलाफ दायर उनके अभिवेदन पर एक वस्तु स्थिति रिपोर्ट तैयार की जाए। स्वामी ने उल्लेख किया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित विषय का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है और अनुरोध बिल्कुल ही अलग-अलग हैं। वहीं, शिशिर ने दावा किया कि स्वामी की याचिका मामले का दोहराव और समानांतर कार्यवाही के लिए जिम्मेदार है। अदालत ने शिशिर से याचिका में पक्षकार बनाए जाने के लिए एक अर्जी दायर करने को कहा और विषय को छह दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई के दौरान, शिशिर ने दलील दी कि उनकी याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछली बार 24 अक्टूबर को सुनवाई की थी और विषय की सीबीआई द्वारा जांच की जा रही है। शिशिर के अनुसार, विषय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष अंतिम चरण में है। उन्होंने दलील दी, मैं इस मामले में सीबीआई के समक्ष भी पेश हुआ और इस विषय के संबंध में अपनी ओर से बहुत विश्वसनीय साक्ष्य दिए हैं। इस विषय की जांच अभी सीबीआई कर रही है। शिशिर ने कहा, देश की कई जांच एजेंसियां जांच कर रही हैं। मैंने एक ईमेल के जरिए दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। पीठ ने यह टिप्पणी की कि दस्तावेज अदालत की रजिस्ट्री के जरिए दाखिल किए जाने की जरूरत है, ईमेल के जरिए नहीं।

तेलंगाना की सरकार ने जाति सर्वेक्षण का कार्य आरंभ किया

हैदराबाद (भाषा)। तेलंगाना सरकार का व्यापक सामाजिक-आर्थिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण बुधवार को शुरू हो गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के दौरान जाति आधारित सर्वेक्षण कराने का वादा किया था।राज्य के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सर्वेक्षण को उत्पीड़न का शिकार हुए वर्गों के लिए सामाजिक न्याय और अवसरों की समानता प्राप्त करने के लिए एक यज्ञ करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तेलंगाना की जमीन पर शुरू हुआ यह विशाल अभियान एक साहसिक कार्य है जो राहुल गांधी के नेतृत्व में देश के सामाजिक दृष्टिकोण को बदल देगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जाति सर्वेक्षण के पहले चरण में 6 से 8 नवंबर तक प्रत्एक ब्लॉक में मकान की सूची तैयार की जाएगी जिसके बाद दूसरे चरण में 9 नवंबर से परिवार सर्वेक्षण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि राज्य भर में 94,750 गणनाकार और 9,478 पर्यवेक्षकों का चयन किया गया है। प्रत्एक गणनाकार 150 घरों में जा कर सर्वेक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों दोनों को प्रशिक्षण दिया गया है।

विक्रमार्क ने बताया कि संविधान में उल्लिखित अवसरों की समानता और सामाजिक न्याय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से यह सर्वेक्षण कराया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस महान कार्य के लिए गणनाकर्ताओं को जानकारी प्रदान करें। उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, इस जाति सर्वेक्षण का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति को समझना है तथा यह भी जानने की कोशिश की जाएगी की कि क्या उन्हें संसाधन, अवसर और अन्य चीजें समान रूप से मिल पा रही हैं या नहीं।

भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति को नष्ट करने का संस्थागत प्रयास किया जा रहा है: उपराष्ट्रपति

रायपुर (भाषा)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को लोगों को धर्म परिवर्तन के खिलाफ आगाह करते हुए कहा कि लोगों की आस्था बदलने और भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति को नष्ट करने का एक संस्थागत प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तीन दिवसीय राज्योत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा इसे पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश के महापुरुषों ने निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा की और समाज के लिए समर्पित रहे। उन्होंने कहा, सेवा निस्वार्थ होनी चाहिए, सेवा में कोई स्वार्थ नहीं होना चाहिए। निस्वार्थ सेवा के नाम पर लुभावने माध्यमों की आड़ में दिलों तक पहुंचने का प्रयत्न किया जा रहा है। हमारे दिल में जो श्रद्धा है उसे परिवर्तित करने का प्रयास किया जा रहा है।

धनखड़ ने कहा, हमारी संस्कृति हजारों साल पुरानी है, यह एक तरीके से उस पर प्रहार है। आस्था बदलने का घिनौना और घृणित काम किया जा रहा है। हमें इसके प्रति सचेत रहना चाहिए। यह संस्थागत तरीके से हो रहा है। यह धनबल के आधार पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक उद्देश्य के लिए हो रहा है तथा भोलेपन का फायदा उठाया जा रहा है और भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत की आत्मा को जीवित और शुद्ध रखने के लिए ऐसी ताकतों को बिना देरी किए दबाना जरूरी है। ऐसे दुष्प्रयत्न में खास तौर पर हमारे आदिवासी भाई-बहनों को निशाना बनाया जाता है। समाज को ऐसी मानसिकता के खिलाफ सजग रहने की जरूरत है। धनखड़ ने कहा कि भारत में सदियों से सबको साथ लेकर चलने की संस्कृति रही है, जिसमें हर वर्ग का विशेष स्थान है और इस विशेषता को हमेशा बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं के लिए नक्सलवाद एक और चिंता का विषय है और इस पर उचित तरीके से अंकुश लगाना होगा तथा इस पर सरकार ध्यान दे रही है। धनखड़ ने कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने माओवाद को रोकने की लगातार कोशिश की। उपराष्ट्रपति ने कहा, इतिहास हमें याद दिलाता है कि समाज के खिलाफ हथियार उठाने का नतीजा कभी अच्छा नहीं होता। हमें सावधान रहना होगा कि हमारे युवा गुमराह न हों और अपने जीवन के शानदार वर्षों को बर्बाद न करें। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि आज सरकार की सकारात्मक नीतियों के कारण युवाओं को कई अवसर मिल रहे हैं और फिर भी किसी न किसी तरह से इस बुराई पर अंकुश लगाना होगा।

आंध्र में उषा चिलुकुरी के पैतृक गांव में जश्न मनाया गया

वडलुरु (भाषा)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति पद पर जे डी वेंस की जीत के बाद, आंध्र प्रदेश के वडलुरु में उत्साह का माहौल है, जो वेंस की पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस का पैतृक गांव है। वडलुरु पश्चिमी गोदावरी जिले के तनुकू कस्बे से करीब तीन किलोमीटर दूर है, जहां कभी उषा का परिवार रहता था। गांव वालों ने अमेरिका के चुनाव में उषा के पति की जीत का जश्न मनाया। पूर्व ग्राम प्रधान पी श्रीनिवास राजू (53) ने बताया, हमने अभी-अभी उषा के पति की जीत का जश्न मनाया है। हमने पटाखे फोड़े और इस जश्न से पहले कल स्थानीय साईं बाबा मंदिर में जे डी वेंस की जीत के लिए प्रार्थना की थी। करीब 30 से 40 स्थानीय ग्रामीणों ने वेंस की जीत और गांव से उषा के संबंधों का जश्न मनाने के लिए मिठाइयां बांटी। संयोग से, गांव में साईं बाबा मंदिर का निर्माण उषा के परिवार द्वारा दान किए गए भूखंड पर किया गया था।

वक्फ बोर्ड ने ऐतिहासिक बीदर किले में 17 स्मारकों को अपनी संपत्ति के रूप में चिह्नित किया

बेंगलुरु (भाषा)। कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने राज्य के ऐतिहासिक बीदर किले के अंदर 17 स्मारकों को अपनी संपत्ति के रूप में चिह्नित किया है। जिला प्रशासन के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ए संपत्तियां जिला मुख्यालय शहर बीदर में स्थित किले के प्रमुख स्थलों में शुमार हैं। सूत्रों के मुताबिक, किले के संरक्षक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को इस घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि वक्फ बोर्ड ने बीदर किला परिसर में स्थित 60 संपत्तियों में से 17 को अपनी संपत्ति के रूप में चिह्नित किया है, जिनमें प्रसिद्ध 16-खंभा मस्जिद और विभिन्न बहमनी शासकों और उनके परिवार के सदस्यों के 14 मकबरे भी शामिल हैं। वक्फ बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई-भाषा को बताया कि एएसआई को नोटिस नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा, बोर्ड एएसआई को नोटिस कैसे जारी कर सकता है, जो कई दशकों से ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षक और देखभालकर्ता रहा है? अधिकारी ने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड के नाम पर बहुत सारी गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय की छवि खराब हो रही है। उन्होंने कहा, जब से विवाद शुरू हुआ है, हमने सभी नोटिस वापस लेने का फैसला किया है, क्योंकि बहुत लंबे समय से जमीन के कब्जेदार लोगों को बेदखल करना अन्यायपूर्ण और अवैध है। इस बीच, वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल वक्फ बोर्ड की कार्वाई से कथित रूप से प्रभावित किसानों से बातचीत करने के लिए सात नवंबर को कर्नाटक के हुबली और विजयपुरा का दौरा करेंगे। यह जानकारी भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा पाल से विजयपुरा जिले के किसानों को गवाह के रूप में आमंत्रित करने का अनुरोध करने के कुछ दिनों बाद आई है, ताकि वे वक्फ बोर्ड के साथ अपने भूमि विवाद पर चर्चा कर सकें। बेंगलुरु दक्षिण से सांसद और समिति के सदस्य सूर्या ने मंगलवार को कहा, वक्फ पर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष ने वक्फ की लूट कार्वाई से प्रभावित किसानों से बातचीत करने के लिए सात नवंबर को हुबली और बीजापुर का दौरा करने के मेरे अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। वह किसान संगठनों, मठों से बातचीत करेंगे और उन्हें दी गई याचिकाएं संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष रखी जाएंगी। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा है कि उनमें से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा और उन्हें जारी किए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे।

नवविवाहितों के लिए पसंदीदा हनीमून गंतव्य बना थाइलैंड, मालदीव को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय नवविवाहितों के लिए पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय हनीमून गंतव्य थाइलैंड बन गया है। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि थाइलैंड ने मालदीव को पछाड़ दिया है। यह रिपोर्ट पिछले साल अक्टूबर से इस साल सितंबर के बीच दर्ज किए गए हनीमून पैकेज पर आधारित है। यात्रा मंच ने बयान में कहा कि मालदीव में हनीमून पैकेज बुकिंग में सालाना 16.2 प्रतिशत की गिरावट हुई, जबकि अन्य सभी शीर्ष प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों - इंडोनेशिया, मॉरीशस और वियतनाम की इस साल हिस्सेदारी बढ़ी है। मेकमाईट्रिप की हाउ इंडिया ट्रैवल्स फॉर हनीमून अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक के बुकिंग डेटा का विश्लेषण करती है। इसकी तुलना पिछले वर्ष की इसी अवधि से की गई है। पिछले साल रैंकिंग में सबसे ऊपर रहे मालदीव को इस साल थाइलैंड ने पछाड़ दिया है। थाईलैंड की बुकिंग हिस्सेदारी में सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो मालदीव से आगे निकल गया है।

इंदौर में भू-जल को प्रदूषित करने वाला कारखाना सील

भाषा। इंदौर

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में प्रशासन ने भू-जल प्रदूषित किए जाने पर बुधवार को एक अवैध कारखाने को सील कर दिया और उसके संचालक से 10,000 रुपए का जुर्माना भी वसूला गया। इंदौर नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नगर निगम और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त कार्वाई के दौरान पाया गया कि खातीपुरा क्षेत्र के एक कारखाने में इस्तेमाल तेजाब को बिना किसी उपचार के कच्चे गड्ढे में छोड़कर भू-जल प्रदूषित किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इस कारखाने में छत के पंखे के एक कल-पुर्जे पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग का काम किया जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि अवैध रूप से संचालित कारखाने को सील कर दिया गया और जल अधिनियम के प्रावधानों के तहत इसके संचालक से 10,000 रुपए का जुर्माना मौके से ही वसूला गया।

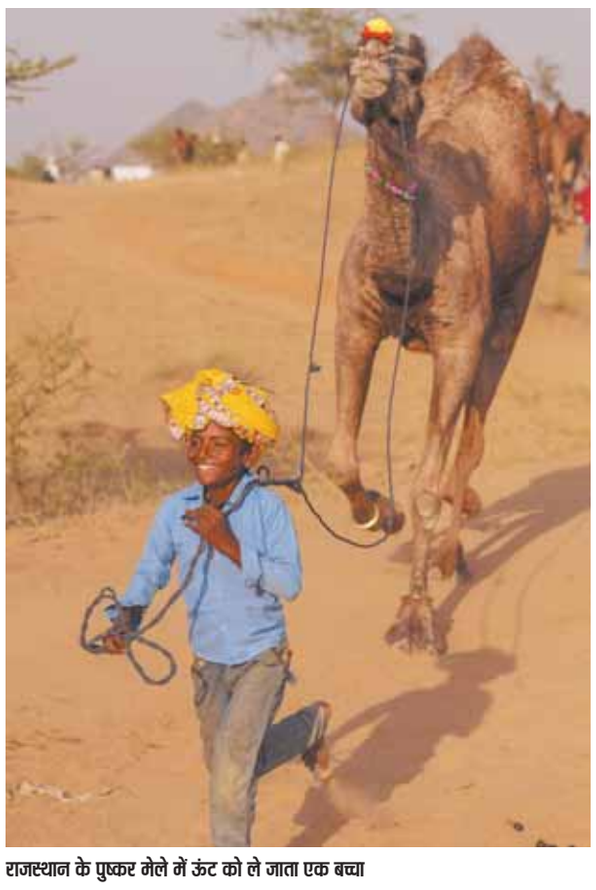

राजस्थान के पुष्कर मेले में ऊंट को ले जाता एक बच्चा

ट्रक-ऑटो रिक्शा की टक्कर में 11 की मौत

हरदोई(भाषा)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में बुधवार को एक ट्रक और ऑटोरिक्शा की भीषण टक्कर में मरने वालों की संख्या 11 हो गई जबकि हादसे में गंभीर रूप से जख्मी तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में भर्ती एक महिला की इलाज के दौरान शाम को मौत हो गई। इससे पहले पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीरज जादौन ने बताया कि आज सुबह हरदोई के बिलग्राम थाना क्षेत्र में बिलग्राम-माधवगंज मार्ग पर रोशनपुर गांव के पास एक मोड़ पर एक ट्रक ने ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में 10 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में छह महिलाएं, तीन बच्चे और एक पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया था कि हादसे में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्तियों को 50-50 हजार रुपए की सहायता तत्काल वितरित करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं।

एसपी जादौन ने बताया कि घायल चार लोगों में से एक महिला निर्मला (40) की शाम को इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह मरने वालों की संख्या 11 हो गई। जादौन ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, ऑटो में 15 यात्री सवार थे। ऑटो दुर्घटना में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस द्वारा उपलबध कराई गई सूची के मुताबिक, मृतकों की पहचान माधुरी (25), सुनीता (28), सत्यम कुशवाह (12) , अंशी (आठ), राधा (21), रोशनी (36) , नीलम (30), विमलेश (20), प्रांशु (एक वर्ष), वंशिका (दो) और निर्मला (40)के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने पहले मृतकों में से एक का नाम गौकरण (11) बताया था, लेकिन बाद में प्रेस विज्ञप्ति में इस नाम का उल्लेख नहीं किया गया बल्कि इसके स्थान पर वंशिका का नाम है जबकि अंशी (शुरुआत में आशी बताई गई) की उम्र 16 नहीं बल्कि आठ वर्ष है।

तीन घायल अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता अभी नहीं चल पाया है, लेकिन एसपी ने कहा, स्थानीय पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की तो पता चला कि डीसीएम ट्रक ने मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में ऑटो को टक्कर मार दी। हम मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पहली प्राथमिकता घायलों को समय पर और उचित उपचार दिलाना था ताकि जान बचाई जा सके और उसके बाद उनके परिजनों को सूचित किया जा सके। ऑटो में बड़ी संख्या में सवारियां बैठे होने के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा कि पुलिस ऑटो चालक की तलाश कर रही है जो दुर्घटना के बाद से फरार है। उन्होंने कहा,ऑटो हमारे कब्जे में है, लेकिन उसके चालक का अभी पता नहीं चल सका है। जांच के बाद ऑटो चालक के खिलाफ उचित और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका के साथ व्यापार में चीन से अच्छी स्थिति में होगा भारत: विशेषज्ञ

नई दिल्ली (भाषा)। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने से भारत के लिए नए अवसर खुलेंगे, हालांकि आयात और एच1बी वीजा नियमों पर अंकुश लगाने का फैसला हुआ तो फार्मा और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जैसे कुछ क्षेत्रों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दोस्ती का भारत-अमेरिका संबंधों पर सकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि, भारत को आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों को बदलना पड़ सकता है।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा, ट्रंप का राष्ट्रपति बनना भारत के लिए एक नया अवसर हो सकता है। ट्रंप उन देशों पर शुल्क और आयात प्रतिबंध लगाएंगे, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे अमेरिका के अनुकूल नहीं हैं। इनमें चीन और यहां तक कुछ यूरोपीय देश शामिल हैं। अगर ऐसा हुआ तो इससे भारतीय निर्यात के लिए बाजार खुल सकते हैं। बार्कलेज ने बुधवार को एक शोध रिपोर्ट में कहा कि व्यापार नीति के लिहाज से ट्रंप एशिया के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं। बार्कलेज ने कहा, हमारा अनुमान है कि ट्रंप के शुल्क प्रस्ताव चीन के सकल घरेलू उत्पाद में दो प्रतिशत की कमी लाएंगे - और क्षेत्र की बाकी अधिक खुली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डालेंगे।

इसमें कहा गया कि भारत, इंडोनेशिया और फिलिपीन सहित ऐसी अर्थव्यवस्थाएं उच्च शुल्क के प्रति कम संवेदनशील होंगी, जो घरेलू बाजार पर अधिक निर्भर हैं। कुमार ने कहा कि ट्रंप भारत को एक मित्र देश के रूप में देखेंगे, और उनके रहते भारत में अमेरिकी कंपनियों के बड़े निवेश की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर ट्रंप की जीत भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही सकारात्मक घटना है। मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने कहा, मुझे संदेह है कि ट्रंप भारतीय उत्पादों पर शुल्क लगाएंगे, क्योंकि अमेरिका के लिए चिंता भारत को लेकर नहीं, बल्कि चीन के बारे में अधिक है। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के व्यापार संरक्षणवादी विचारों का भारत के निर्यात पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

ट्रंप के अमेरिका प्रथम एजेंडा से भारतीय वाहन, कपड़ा, फार्मा सामान पर बढ़ सकता है शुल्क

नई दिल्ली (भाषा)। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की संभावना के बीच यदि नया अमेरिकी प्रशासन अमेरिका प्रथम एजेंडा को आगे बढ़ाने का फैसला करता है, तो भारतीय निर्यातकों को वाहन, कपड़ा और फार्मा जैसे सामान के लिए ऊंचे सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि ट्रंप एच- ।बी वीजा नियमों को भी सख्त कर सकते हैं, जिससे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों की लागत और वृद्धि पर असर पड़ेगा। भारत में 80 प्रतिशत से अधिक आईटी निर्यात आय अमेरिका से आती है, जिससे वीजा नीतियों में बदलाव के प्रति भारत संवेदनशील हो जाता है। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। अमेरिका से भारत का वार्षिक कारोबार 190 अरब डॉलर से अधिक है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ट्रंप चीन के बाद अब भारत और अन्य देशों पर भी शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने पहले भारत को बड़ा शुल्क दुरुपयोगकर्ता कहा था और अक्टूबर, 2020 में भारत को टैरिफ किंग करार दिया था। उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों से पता चलता है कि ट्रंप का दूसरा कार्यकाल कठिन व्यापार वार्ता ला सकता है। श्रीवास्तव ने कहा, उनका अमेरिका प्रथम एजेंडा संभवत: सुरक्षात्मक उपायों पर जोर देगा, जैसे कि भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क, जो संभवत: वाहन, शराब, कपड़ा और फार्मा जैसे प्रमुख भारतीय निर्यात के लिए बाधाएं बढ़ा सकता है। ए बढ़ोतरी अमेरिका में भारतीय उत्पादों को कम प्रतिस्पर्धी बना सकती है, जिससे इन क्षेत्रों में राजस्व प्रभावित हो सकता है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि चीन के प्रति अमेरिका का सख्त रुख भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 120 अरब डॉलर रहा, जबकि 2022-23 में यह 129.4 अरब डॉलर था। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ बिस्वजीत धर ने कहा कि ट्रंप विभिन्न क्षेत्रों में शुल्क बढ़ाएंगे क्योंकि उन्हें एमएजीए (अमेरिका को फिर से महान बनाओ) के अपने आह्वान का पालन करना है। धर ने कहा, ट्रंप के सत्ता में आने के साथ हम संरक्षणवाद के एक अलग युग में प्रवेश करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों पर इसका असर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले ट्रंप ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (टीपीपी) से बाहर निकल चुके हैं, आईपीईएफ (समृद्धि के लिए हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा) पर काले बादल छा सकते हैं। 14 देशों के इस ब्लॉक को अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों द्वारा 23 मई, 2022 को टोक्यो में शुरू किया गया था। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, हम उम्मीद कर सकते हैं कि ट्रंप अधिक संतुलित व्यापार के लिए दबाव डालेंगे। लेकिन शुल्क को लेकर व्यापार विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। सहाय ने कहा कि संरक्षणवाद की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए कड़े आव्रजन नियमों के साथ यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने से जलवायु संकट और गहराएगा: नीति विशेषज्ञ

नई दिल्ली (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय नीति विशेषज्ञों ने बुधवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन वैश्विक जलवायु न्याय के लिए एक गहरा झटका है तथा अंतरराष्ट्रीय समझौतों के प्रति उनकी उपेक्षा और जलवायु वित्त प्रदान करने से इनकार करने से संकट और गहरा होगा। दिल्ली स्थित विचारक संस्था सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की महानिदेशक सुनीता नारायण ने कहा कि ट्रंप का अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव वैश्विक जलवायु प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका होगा, खासकर यदि वह मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम (आईआरए) जैसी महत्वपूर्ण घरेलू नीतियों को वापस ले लेते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ऐतिहासिक रूप से वैश्विक जलवायु प्रयासों में पीछे रह गया है, विशेष रूप से कमजोर देशों के लिए वित्तीय सहायता, डीकार्बोनाइजेशन और विकासशील देशों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धताओं के मामले में, तथा ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

विश्व नेताओं ने ऐतिहासिक जीत के लिए ट्रंप को बधाई दी

लंदन, यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और ब्रिटेन के उनके समकक्ष केअर स्टॉर्मर समेत विश्व के कई नेताओं ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। स्टॉर्मर विश्व के उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने ट्रंप द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत का दावा करने के लिए फ्लोरिडा में एक रैली को संबोधित करने के तुरंत बाद बधाई संदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि ट्रंप के जीत दर्ज करने के बाद, ब्रिटेन और अमेरिका के बीच विशेष संबंध नए अमेरिकी प्रशासन के तहत और भी समृद्ध होते रहेंगे। विस्कोन्सिन राज्य में जीत के साथ ट्रंप (78) ने राष्ट्रपति पद के लिए जरूरी 270 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए। एसो. प्रेस (एपी) द्वारा शाम चार बजे तक उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने 277 निर्वाचक मंडल वोट, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस (60) ने 224 निर्वाचक मंडल वोट हासिल किए हैं।

लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय सह आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से जारी एक बयान में स्टॉर्मर ने कहा, चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई हो ट्रंप। मैं आने वाले वर्षों में आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सबसे करीबी सहयोगी के रूप में हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और उद्यम के अपने साझा मूल्यों की रक्षा करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एक्स पर लिखा, ऐतिहासिक वापसी पर बधाइयां। व्हाइट हाउस में आपकी ऐतिहासिक वापसी अमेरिका के लिए नई शुरुआत और इजराइल तथा अमेरिका के बीच महान गठबंधन के लिए शक्तिशाली प्रतिबद्धता दर्शाने वाली है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ट्रंप को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी महान मित्र और सच्चे सहयोगी हैं। साथ मिलकर काम करते हुए, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे देशों और लोगों के बीच साझेदारी भविष्य में भी मजबूत बनी रहे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, साथ काम करने को तैयार हैं, जैसा कि हमने पिछली बार भी चार साल के दौरान किया था। आपके और मेरे दृढ़विश्वास के साथ। सम्मान और महत्वाकांक्षा के साथ। अधिक शांति और समृद्धि के लिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ट्रंप को उनकी प्रभावशाली चुनावी जीत पर बधाई दी। जेलेंस्की ने सितंबर में रिपब्लिकन नेता ट्रंप के साथ हुई अपनी बैठक को याद करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह वैश्विक मामलों को शांति के माध्यम से सुलझाने संबंधी दृष्टिकोण के लिए ट्रंप की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। हम पारस्परिक रूप से लाभकारी राजनीतिक और आर्थिक सहयोग विकसित करने में रुचि रखते हैं, जिससे हमारे दोनों देशों को लाभ होगा। यूरोप की सबसे मजबूत सैन्य शक्तियों में से एक के रूप में यूक्रेन, हमारे सहयोगियों के समर्थन से दीर्घकालिक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेलेंस्की ने कहा कि वह ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से बधाई देने और अमेरिका के साथ यूक्रेन की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप को बधाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध है, जिसके बारे में मुझे यकीन है कि हम इसे और भी मजबूत करेंगे। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने ट्रंप को बधाई देते हुए कहा, लंबे समय से जर्मनी और अमेरिका अटलांटिक के दोनों ओर समृद्धि और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए सफलतापूर्वक मिलकर काम कर रहे हैं।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री से भेंट की

● द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

कैनबरा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की और द्विपक्षीय समग्र रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। जयशंकर ने इस मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अल्बनीज को अभिवादन प्रेषित किया। विदेश मंत्री तीन से सात नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज कैनबरा में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अभिवादन प्रेषित किया। भारत-ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए उनके मार्गदर्शन की प्रशंसा करता हूं। उन्होंने न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री और

विदेश मंत्री विन्स्टन पीटर्स से भी यहां मुलाकात की।

पीटर्स से अपनी मुलाकात के संबंध में जयशंकर ने कहा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि और लोगों के बीच संबंधों पर चर्चा की। हिंद-प्रशांत तथा वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया-इंडिया पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप के सदस्यों से भी बातचीत की। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, भारत के साथ मजबूत राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों के लिए उनकी उत्साह भरी भावनाओं की सराहना करता हूं। इससे पहले जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया में लिबरल पार्टी के नेता पीटर डटन से भी मुलाकात की।

उन्होंने डटन से मुलाकात के बाद कहा, वैश्विक मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण का आदान-प्रदान किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान से भी मुलाकात की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, कैनबरा में आज मेरे मित्र यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान से मुलाकात अच्छी रही। जयशंकर ऑस्ट्रेलिया से सिंगापुर जाएंगे, जहां वह आसियान-भारत थिंक टैंक नेटवर्क के 8वें गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वह दोनों देशों के बीच घनिष्ठ साझेदारी की समीक्षा के लिए सिंगापुर के नेताओं से भी मिलेंगे।

ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स

न्यूयॉर्क। डोनाल्ड ट्रंप एक व्यवसाई, रियल एस्टेट कारोबारी और रियलिटी टीवी स्टार होने से लेकर देश के इतिहास में पहले ऐसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्हें अपराधी घोषित किया गया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दौरान दो प्राणघातक हमलों से बचने के बाद भी ट्रंप (78) मैदान में मजबूती से डटे रहे और अब अमेरिकी मतदाताओं ने उन्हें दूसरा कार्यकाल दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ-साथ कमला हैरिस के कई समर्थकों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस में पहली महिला राष्ट्रपति होने का सपना देखते थे। अब अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स हैं। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पद छोड़ने से लेकर 2024 की दौड़ में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन तक, ट्रंप निरंतर समाचार पत्रों की सुर्खियों और अमेरिकियों के दिमाग पर हावी रहे। नवंबर 2020 के चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था लेकिन उस समय जो बाइडन राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। एक स्तब्ध राष्ट्र ने ट्रंप के समर्थकों को छह जनवरी को कैपिटल (संसद भवन) पर धावा बोलते भी देखा। दंगों, उपद्रव ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को बाधित कर दिया, जहां राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की पुष्टि की प्रक्रिया जारी थी।

वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए तीसरी बार मुकाबले में उतरने के साथ वह कई अभियोगों और आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे तथा न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया। इस तरह वह किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। ग्रैंड जूरी ने उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में भी दोषी पाया। उस समय बाइडन-हैरिस की प्रचार टीम ने कहा था कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, ट्रंप ने इस फैसले को राजनीतिक व्यवस्था में धांधली का नतीजा बताया। फिर भी, कोई भी बात उनके उत्साही समर्थकों को नहीं रोक सकी, जो उनके और उनकी नीतियों के समर्थन में मजबूती से डटे रहे। जुलाई में मिल्वौकी में ट्रंप के लिए यह प्रबल समर्थन पूरी तरह से देखने को मिला, जब हत्या के प्रयास की घटना में बच जाने के बाद उनके कान पर पट्टी बंधी हुई थी, तथा वे लगातार तीसरे चुनाव के लिए राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी के नामांकन को औपचारिक रूप से स्वीकार करने को लेकर रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे। पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की चुनावी रैली में एक हमलावर द्वारा कई गोलियां चलाए जाने के कारण उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में गोली लग गई थी। 14 जून, 1946 को क्वींस, न्यूयॉर्क में मैरी और फ्रेड ट्रंप के घर पैदा हुए ट्रंप एक सफल रियल एस्टेट डेवलपर हैं। डोनाल्ड ट्रंप पांच भाई बहनों में से चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने 1968 में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड कॉमर्स से वित्त में डिग्री हासिल की।

1971 में अपने पिता की कंपनी को संभालने के बाद, उन्होंने इसका नाम बदलकर ट्रंप ऑर्गनाइजेशन रख दिया और जल्द ही होटल, रिसॉर्ट, आवासीय और वाणिज्यिक भवन, कैसीनो और गोल्फ कोर्स जैसी परियोजनाओं तक कारोबार का विस्तार किया। ट्रंप ने 2004 में द अप्रेंटिस के साथ रियलिटी टीवी में भी हाथ आजमाया, जिसने उन्हें अमेरिका में घर-घर में मशहूर कर दिया। ट्रंप ने चेक एथलीट और मॉडल इवाना जेलनिकोवा से शादी की, 1990 में उनसे तलाक ले लिया। इवाना से उनकी तीन संतानें हैं- डोनाल्ड जूनियर, इवांका और एरिक। ट्रंप ने 1993 में अभिनेत्री मार्ला मेपल्स से शादी की, 1999 में तलाक हो गया। उनका एक ही बच्चा है, टिफनी। ट्रंप की मौजूदा पत्नी मेलानिया एक पूर्व स्लोवेनियाई मॉडल हैं, जिनसे उन्होंने 2005 में शादी की थी। उनका एक बेटा है, बैरन विलियम ट्रंप। ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में रिपब्लिकन के रूप में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन को हराया था। इस बार का चुनाव अर्थव्यवस्था, अवैध अप्रवास और पश्चिम एशिया तथा यूरोप में युद्धों से जुड़ी चिंताओं की पृष्ठभूमि में हुआ। ट्रंप ने अपनी पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्साहित समर्थकों से कहा था, मैं देश की सीमा को बंद करके और दीवार निर्माण का काम कार्य पूरा करके अवैध आव्रजन संकट को समाप्त करूंगा। दीवार का अधिकतर हिस्सा मैंने पहले ही बनवा दिया है।

भारतीय मूल के छह अमेरिकियों ने जीता प्रतिनिधि सभा का चुनाव

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय मूल के छह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव जीत गए हैं। मौजूदा कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में इनकी संख्या पांच थी। सभी पांच मौजूदा भारतीय अमेरिकी सदस्यों को प्रतिनिधि सभा के लिए फिर से चुना गया है। भारतीय-अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया और पूरे ईस्ट कोस्ट से चुने जाने वाले समुदाय के पहले व्यक्ति बनकर इतिहास रच दिया। सुब्रमण्यन ने रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लांसी को हराया। वह वर्तमान में वर्जीनिया राज्य के सीनेटर हैं। एरिजोना के पहले कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से डॉ. अमीश शाह अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मामूली अंतर से आगे हैं। अगर वह जीत हासिल करने में सफल होते हैं तो प्रतिनिधि सभा में भारतीय अमेरिकियों की संख्या बढ़कर सात हो जाएगी।

सुब्रमण्यम ने कहा, मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि वर्जीनिया के 10 वें जिले के लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया ताकि मैं सबसे कठिन लड़ाई लड़ सकूं और कांग्रेस में परिणाम दे सकूं। यह जिला मेरा घर है। मैंने यहां शादी की, मेरी पत्नी मिरांडा और मैं अपनी बेटियों का पालन पोषण कर रहे हैं और हमारे समुदाय के सामने आने वाले मुद्दे हमारे परिवार के लिए व्यक्तिगत हैं। वाशिंगटन में इस जिले की सेवा जारी रखना सम्मान की बात है। पूर्व में राष्ट्रपति बराक ओबामा के व्हाइट हाउस सलाहकार रह चुके सुब्रमण्यम आस्था से हिंदू हैं और देशभर में भारतीय अमेरिकियों के बीच लोकप्रिय हैं।

वह कांग्रेस में समोसा कॉकस में शामिल हुए हैं जिसमें वर्तमान में पांच भारतीय अमेरिकी – अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार शामिल हैं। समोसा कॉकस अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय मूल के अमेरिकियों के एक अनौपचारिक समूह को दिया गया नाम है। सभी पांच मौजूदा भारतीय अमेरिकी सदस्यों को प्रतिनिधि सभा के लिए फिर से चुना गया है।

श्री थानेदार मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से लगातार दूसरी बार चुने गए। उन्होंने इसे पहली बार 2023 में जीता था।

राजा कृष्णमूर्ति ने इलिनोइस के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज की है। कृष्णमूर्ति ने कहा, व्हाइट हाउस और कांग्रेस पर नियंत्रण के लिए लड़ाई जारी है लेकिन मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि इलिनोइस के लोगों ने कांग्रेस में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए मेरा अनुबंध बढ़ा दिया है। कृष्णमूर्ति ने कहा, मेरे माता-पिता इस देश में अपने परिवार के भविष्य के लिए एक सपने और इस विश्वास के साथ आए थे कि वे इसे यहां अमेरिका में हासिल कर सकते हैं।

कुछ कठिन समय के बावजूद, हमने किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस में मेरा लक्ष्य उन सभी अन्य परिवारों के लिए लड़ना है जो अपने सपनों का पीछा कर रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कहां से आते हैं, वे कैसे पूजा करते हैं या उनके नाम में अक्षरों की संख्या कितनी है... मेरे में 29 हैं।

इसी प्रकार कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना और वाशिंगटन राज्य के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल ने भी जीत दर्ज की। पेशे से चिकित्सक डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के छठे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय मूल के सबसे वरिष्ठ अमेरिकी सांसद हैं। उन्हें लगातार सातवीं बार फिर से चुना गया। एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के शाह रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा उम्मीदवार डेविड श्वीकेट से थोड़ा आगे चल रहे हैं। उन्हें 132,712 वोट हैं जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को मिले मतों की संख्या 128,606 थी। अभी तक 63 प्रतिशत मतों की गिनती हुई थी।

रिपब्लिकन पार्टी ने चार वर्षों में पहली बार सीनेट में बहुमत हासिल किया

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी ने मंगलवार देर रात अमेरिकी सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया। पार्टी ने अपनी सीटों पर जीत के क्रम को दोहराते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के कब्जे वाली कई सीटों पर जीत हासिल कर चार साल में पहली बार सीनेट में अपना दबदबा बढ़ा लिया। नेब्रास्का में रिपब्लिकन पार्टी की अप्रत्याशित जीत ने उसे शीर्ष पर पहुंचा दिया। मौजूदा रिपब्लिकन सीनेटर डेब फिशर ने निर्दलीय नवोदित नेता डैन ओसबोर्न से आश्चर्यजनक रूप से मजबूत चुनौती का सामना किया। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी को जो थोड़ा बहुत बहुमत प्राप्त था, उसे बचाने वे नाकाम रहे और पूरा आंकड़ा रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में जाते दिखा। रात में ही रिपब्लिकन पार्टी ने वेस्ट वर्जीनिया में एक सीट जीत ली, जिसमें जिम जस्टिस चुनाव जीत गए। उन्होंने आसानी से सेवानिवृत्त सीनेटर जो मैनचिन का स्थान ले लिया।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से क्रिप्टोकरेंसी में तेजी बिटकॉइन रिकॉर्ड ऊंचाई पर

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत क्रिप्टोकरेंसी के लिए वरदान साबित हुई और बिटकॉइन की कीमत बुधवार को नए उच्च स्तर पर पहुंच गई। बिटकॉइन में शुरुआती कारोबार में करीब आठ प्रतिशत का उछाल आया और यह 75,000 डॉलर को पार कर गया। इस तरह इसने मार्च में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में भी उछाल आया और दुनिया की दूसरी सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी ईथर में आठ प्रतिशत की तेजी आई। ट्रंप पहले क्रिप्टोकरेंसी को लेकर संशय में थे, लेकिन चुनाव से पहले उन्होंने अपना विचार बदलते हुए क्रिप्टोकरेंसी की तरफदारी की। उन्होंने अमेरिका को धरती की क्रिप्टो राजधानी बनाने और बिटकॉइन का रणनीतिक भंडार तैयार करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान चंदे के रूप में क्रिप्टोकरेंसी को भी स्वीकार किया। इस साल बिटकॉइन में 77 प्रतिशत की तेजी आई है। क्रिप्टो उद्योग के समर्थकों ने ट्रंप की जीत का स्वागत किया। उन्हें उम्मीद है कि वह विधाई और नियामक परिवर्तनों को आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे, जिनकी वे लंबे समय से पैरवी कर रहे थे।

शांति स्थापना को लेकर ट्रंप के दृष्टिकोण की सराहना करता हूं : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि वह ताकत के जरिए शांति स्थापना के डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण की सराहना करते हैं। जेलेंस्की की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे सितंबर में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई शानदार मुलाकात याद है, जब हमने यूक्रेन-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, विजय योजना और यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रामण को समाप्त करने के तौर-तरीकों पर विस्तार से चर्चा की थी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन पारस्परिक रूप से लाभकारी राजनीतिक और आर्थिक सहयोग विकसित करने में दिलचस्पी रखता है, जिससे हमारे दोनों देशों को फायदा होगा। हम राष्ट्रपति ट्रंप के निर्णायक नेतृत्व के तहत एक मजबूत अमेरिकी युग की आशा करते हैं। जेलेंस्की ने कहा, मैं वैश्विक मामलों में शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से शांति स्थापना के दृष्टिकोण के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप की प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। यह बिल्कुल वही सिद्धांत है, जो यूक्रेन में व्यावहारिक रूप से शांति कायम कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि हम मिलकर इसे क्रियान्वित करेंगे।

सिंगापुर में भारतीय रेस्तरांओं ने भारत से रसोइयों की भर्ती की अनुमति देने का स्वागत किया

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय रेस्तरांओं ने कामकाजी परमिट पर भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका से खानसामाओं की भर्ती करने की अनुमति देने के सरकार के कदम का स्वागत किया है। चैनल न्यूज एशिया की मंगलवार की एक खबर के अनुसार सिंगापुर के कई भारतीय रेस्तराओं में आसानी से रसोइए नहीं मिलते और दीपावली जैसे त्योहारों के कारण उन पर और भी अधिक दबाव पड़ता है। इसमें कहा गया कि मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा भारतीय रेस्तराओं को तीन दक्षिण एशियाई देशों से रसोइयों की भर्ती करने की अनुमति देने के बाद उनके लिए थोड़ी आसानी हो गई है।

चैनल ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि पिछले वर्ष सितंबर में आवेदन स्वीकार किए जाने के बाद पहले तीन महीने में चार सौ भारतीय रेस्तरांओं को कामकाजी परमिट दिया गया। भारतीय रेस्तरां संघ के अध्यक्ष गुरचरण सिंह ने कहा, त्योहारों के समय हमें कैटरिंग के ऑर्डर की वजह से काम के लिए कई लोगों की जरूरत होती है। रंगून रोड पर स्थित रिवर वाक तंदूर की प्रबंध निदेशक शरणजीत कौर ने कहा कि यह सराहनीय कदम किसी सपने के सच होने जैसा है क्योंकि रेस्तरां के लिए भाड़े पर रसोइयों को बुलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। चैनल ने कौर के हवाले से कहा, ‘‘कोई भी कह सकता है कि मैं एक रसोइया हूँ, लेकिन तंदूर, कढ़ी, यहाँ तक कि तलने में भी विशेषज्ञता हासिल करना थोड़ा मुश्किल है क्योंकि यह भारतीय भोजन है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे कोई भी व्यक्ति आकर आसानी से कर सकता है। पिछले साल इस रेस्तरां ने तीन और रसोइयों को नौकरी पर रखा था। कर्मचारियों की संख्या में मामूली बदलाव के साथ, रेस्तरां पिछले हफ्ते दिवाली से पहले प्रतिदिन 40 से ज्यादा कैटरिंग ऑर्डर लेने में सक्षम था, जबकि पहले यह संख्या 30 थी।

कौर ने कहा कि उनका रेस्तरां पश्चिमी और चीनी व्यंजनों से प्रेरणा लेते हुए नए प्रकार के व्यंजन भी तलाश रहा है। उन्होंने कहा, ‘‘भारत में वर्तमान में, हर जगह भारतीय फ्यूजन का चलन है, इसलिए ... हमने इस पर काम शुरू किया, नए विचार, नए रसोइए। जब वे आते हैं, तो वे अपनी खुद की खाना पकाने की शैली लेकर आते हैं। इसलिए हम वास्तव में इसी तरह आगे बढ़ते हैं। गायत्री रेस्तरां के प्रबंध निदेशक एस महेंद्रन ने कहा, इस कदम से भारतीय रेस्टोरेंट को अपना कारोबार बढ़ाने का मौका मिला है। मुझे लगता है कि इस एक साल में हमने भारतीय पाककला के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव देखे हैं। मैं अपने रेस्तरां और अपने साथी रेस्तरां मालिकों की ओर से यह बोल रहा हूँ जो इस उद्योग में काफी समय से हैं। कई रेस्तरां ने अधिक रसोइए नियुक्त करने में अब आसानी होने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि ऐसे विदेशी कर्मचारियों के लिए उच्च कोटा, रसोइयों की मांग को पूरा करने में और भी अधिक मदद करेगा। वर्तमान में, ऐसे कर्मचारियों के लिए, कुल कार्यबल के आठ प्रतिशत की सीमा है। महेंद्रन ने बताया, आपके रसोईघर में एक विदेशी भारतीय रसोइए को रखने के लिए आपके पास कुल 12 स्थानीय कर्मचारी होने चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्क परमिट की अनुमति का अनुपात बढ़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपतियों का खर्च उठाना बहुत महंगा: श्रीलंका की सरकार

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि एक समिति पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा पर होने वाले खर्च की समीक्षा कर रही है तथा इसकी रिपोर्ट के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। विदेश मंत्री एवं मंत्रिमंडल के प्रवक्ता विजिता हेराथ ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पूर्व राष्ट्रपतियों का खर्च उठाना काफी महंगा है और सरकार को इस पर सालाना 110 करोड़ श्रीलंकाई रुपए तक का खर्च करना पड़ता है। उन्होंने कहा, एक बार समिति की रिपोर्ट आ जाए तो हम उचित कार्वाई के लिए उसे मंत्रिमंडल के समक्ष रखेंगे। हेराथ ने कहा कि 110 करोड़ रुपए पुलिस अस्पताल के लिए आवंटित राशि से अधिक है, तथा उन्होंने कहा कि छह पूर्व राष्ट्रपतियोंविधवाओं में से प्रत्एक को 100 से अधिक पुलिस और सैन्य कर्मी आवंटित किए गए हैं।

नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने भारत को दीर्घकालिक बिजली निर्यात का रास्ता साफ किया

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने भारत के साथ बिजली के निर्यात के लिए हस्ताक्षरित समझौते को रद्द करने की मांग वाली एक रिट याचिका को खारिज कर दिया है। उच्चतम न्यायालय के मंगलवार को दिए गए फैसले के बाद नई दिल्ली के साथ नेपाल के दीर्घकालिक बिजली व्यापार का रास्ता साफ हो गया है। प्राधिकार के दुरुपयोग की जांच के लिए आयोग (सीआईएए) के पूर्व प्रमुख सूर्य नाथ उपाध्याय द्वारा दायर रिट याचिका उस समझौते के खिलाफ थी जिसके तहत नेपाल अगले 10 वर्षों के लिए भारत को 10 हजार मेगावाट बिजली निर्यात करेगा। उच्चतम न्यायालय के प्रवक्ता अच्युत कुइकेल के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह राउत, न्यायमूर्ति सपना मल्ला और न्यायमूर्ति महेश शर्मा पौडेल की पीठ ने इसे खारिज कर दिया। अपनी याचिका में उपाध्याय ने समझौते को रद्द करने तथा इसके क्रियान्वयन को तत्काल स्थगित करने की मांग की।

ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा चैंपियन ने भारत को पूर्ण प्राथमिकता वाला देश बताया

भाषा। लंदन

ब्रिटिश सरकार के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा चैंपियन सर स्टीव स्मिथ ने भारत को पूर्ण प्राथमिकता वाला देश घोषित किया है। हाल ही में निर्वाचित लेबर पार्टी की सरकार के तहत देश की अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीति की समीक्षा की जा रही है। इस सप्ताह लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में इंडिया-यूके अचीवर्स ऑनर्स के तीसरे संस्करण की शुरुआत के अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद ने दोहराया कि ग्रेजुएट रूट के तहत ब्रिटेन की, अध्ययन के बाद कार्य वीजा की पेशकश अपरिवर्तित रहेगी।

अध्ययन के बाद कार्य अनुभव के अवसर भारतीय छात्रों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं, जो इस श्रेणी के वीजा में प्रमुख हैं। एक्सटर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति स्मिथ ने कहा, यद्यपि हम वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीति को संशोधित कर रहे हैं, फिर भी मैं यह गारंटी दे सकता हूं कि भारत हमारी दोनों उच्च शिक्षा प्रणालियों, हमारे छात्रों और कर्मचारियों के बीच, तथा सबसे बढ़कर, हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंध विकसित करने में एक पूर्ण प्राथमिकता बना रहेगा।

उन्होंने कहा, मेरा संदेश बिल्कुल स्पष्ट है, अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्वागत है। ब्रिटेन आने वाले छात्रों की संख्या की कोई सीमा नहीं है। और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस नई सरकार के तहत ग्रेजुएट रूट में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। यह एक बहुत बड़ी लड़ाई थी, लेकिन निष्कर्ष यह है कि इसमें कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। पिछली कंजर्वेटिव सरकार ने स्वतंत्र प्रवासन सलाहकार समिति (एमएसी) द्वारा ग्रेजुएट रूट की समीक्षा का आदेश दिया था, जिसने निष्कर्ष निकाला था कि अध्ययन के बाद कार्य की पेशकश को बरकरार रखा जाना चाहिए।

इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को बर्खास्त किया, देश भर में प्रदर्शन

भाषा। यरुशलम

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को देश के रक्षा मंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त कर दिया। हालांकि उनके इस कदम के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। नेतन्याहू ने यह घोषणा ऐसे समय की है, जब इजराइल क्षेत्र में कई मोर्चों पर लड़ाई लड़ रहा है। गाजा में युद्ध को लेकर नेतन्याहू और गैलेंट के बीच कथित तौर पर मतभेद रहा है। नेतन्याहू ने मंगलवार को की गई अपनी घोषणा में विश्वास की कमी का उल्लेख किया था। नेतन्याहू ने कहा, युद्ध के बीच में, पहले से कहीं अधिक, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच पूर्ण विश्वास की आवश्यकता होती है। हालांकि युद्ध के शुरूआती महीनों में ऐसा विश्वास था और बहुत ही सार्थक काम हुआ था, लेकिन दुर्भाग्य से पिछले महीनों के दौरान मेरे और रक्षा मंत्री के बीच यह विश्वास टूट गया।

युद्ध के शुरूआती दिनों में, इजराइल के नेतृत्व ने हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले का जवाब देते हुए एक एकीकृत मोर्चा बनाया था। लेकिन जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता गया और लेबनान तक फैल गया, प्रमुख नीतिगत मतभेद उभर कर सामने आ गए। नेतन्याहू ने हमास पर निरंतर सैन्य दबाव बनाए रखने का आह्वान किया, जबकि गैलेंट ने अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि सेना ने कम से कम एक अस्थाई कूटनीतिक समझौते के लिए आवश्यक परिस्थितियां पैदा कर दी हैं, जिससे आतंकवादी समूह (हमास) द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को वापस लाया जा सकता है।

बंधकों के परिवार, साथ ही सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल हुए हजारों लोग नेतन्याहू पर सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए समझौते को विफल करने का आरोप लगा रहे हैं। नेतन्याहू के कट्टर सहयोगियों ने धमकी दी है कि अगर वह हमास को रियायतें देते हैं तो वे सरकार गिरा देंगे, जिससे ऐसे वक्त में समय से पहले चुनाव होने की आशंका बढ़ गई है जब प्रधानमंत्री (नेतन्याहू) की लोकप्रियता कम हो गई है।

विपक्षी नेता एर लैपिड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, युद्ध के बीच में, गैलेंट को बर्खास्त करना पागलपन वाला कृत्य है। नेतन्याहू अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए इजराइल की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक मंच ने कहा कि गैलेंट की बर्खास्तगी बंधकों से जुड़े समझौते को विफल करने के प्रयासों का जारी रहना है। इसने नए रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज से युद्ध को समाप्त करने और बंधकों को घर वापस लाने के लिए एक समझौते पर पहुंचने के वास्ते स्पष्ट वादा करने का आग्रह किया। कुछ ही घंटों में, हजारों प्रदर्शनकारी मध्य तेल अवीव में एकत्र हो गए और शहर के मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। भीड़ में शामिल लोग सीटी और ढोल बजाते हुए, सड़क के बीच में एक अलाव के चारों ओर एकत्र हुए। वहीं, लगभग ।,000 अन्य लोगों ने यरुशलम में नेतन्याहू के घर के बाहर प्रदर्शन किया। इसके अलावा, देश भर में कई अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने सड़कें अवरुद्ध कर दीं।

मार्च 2023 में गैलेंट को हटाने संबंधी नेतन्याहू के पिछले प्रयास के बाद, प्रधानमंत्री के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे और उन्होंने इसे टाल दिया था। नए रक्षा मंत्री नियुक्त किए गए काट्ज अभी विदेश मंत्री हैं और लंबे समय से नेतन्याहू के विश्वस्त हैं। काट्ज (69) ने नेतन्याहू का शुक्रिया अदा किया और इजराइल के दुश्मनों के खिलाफ युद्ध में जीत के लिए सुरक्षा प्रतिष्ठान का नेतृत्व करने का संकल्प लिया। नेतन्याहू ने अपने बयान में दावा किया कि उन्होंने गैलेंट के साथ मतभेद को दूर करने के लिए कई प्रयास किए। उन्होंने कहा, लेकिन यह गहराता गया। यह लोगों की जानकारी में भी आ गया और इससे भी बुरा यह हुआ कि हमारे शत्रु भी इस बात को जान गए थे और इसका काफी फायदा उठाया।

लाहौर में अत्याधिक वायु प्रदूषण से हजारों लोग बीमार पड़े

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में अत्याधिक वायु प्रदूषण के कारण हजारों लोगों को अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। डॉक्टरों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अगर लोगों ने मास्क लगाने समेत अन्य निर्देशों का पालन नहीं किया तो पूर्ण लॉकडाउन लगाया जा सकता है। यह चेतावनी तब दी गई जब लोग बिना मास्क लगाए सड़कों पर घूमते नजर आए। डॉक्टरों ने कहा है कि ज्यादातर लोगों को खांसी तथा आंखों में जलन की शिकायत है। पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सलमान काज़मी ने कहा, पिछले एक हफ्ते में श्वास संबंधी परेशानी से जूझ रहे हजारों लोगों का अस्पतालों और क्लीनिक में इलाज किया गया। आप लोगों को खांसते देख सकते हैं, लेकिन फिर भी वे मास्क नहीं लगाते हैं। बुधवार सुबह लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा और वायु गुणवत्ता सूचकांक ।,100 के आंकड़े को पार कर गया।

सूची में स्टोक्स का नाम नहीं, ड्रेका और नेत्रावलकर शामिल

आईपीएल मेगा नीलामी

भाषा। मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली मेगा नीलामी के लिए 1574 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है लेकिन इसमें इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स शामिल नहीं हैं।जिन खिलाड़ियों को ने पंजीकरण कराया है उनमें स्टोक्स के पूर्व साथी जेम्स एंडरसन, इटली के तेज गेंदबाज थॉमस ड्रेका और भारत में जन्मे अमेरिका के मध्यम तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रावलकर शामिल हैं। इस सूची को फ्रेंचाइजी से परामर्श लेने के बाद छोटा किया जाएगा। सूची में भारत के दिग्गज खिलाड़ी ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, आर अश्विन और युजवेंद्र चहल भी शामिल हैं जिन्हें उनकी टीमों ने रिलीज़ कर दिया था।

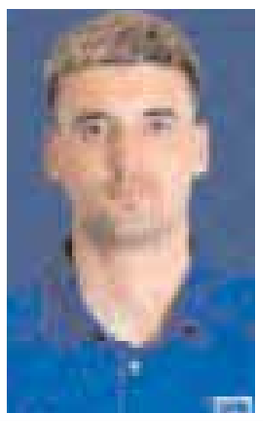

इन पांच क्रिकेटरों में से प्रत्एक ने खुद को दो करोड़ रुपए के आधार मूल्य पर सूचीबद्ध किया है। चोटिल होने के कारण पिछले साल नवंबर से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी दो करोड रुपए के आधार मूल्य में खुद को सूचीबद्ध किया है। कोई भी खिलाड़ी खुद को दो करोड रुपए के आधार मूल्य में सूचीबद्ध कर सकता था। भारत के जिन अन्य खिलाडियों ने इस आधार मूल्य में खुद को सूचीबद्ध किया है उनमें खलील अहमद, मुकेश कुमार, वेंकटेश अय्यर, आवेश खान, दीपक चाहर, इशान किशन और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं। इस सूची में शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, क्रुणाल पंड्या, हर्षल पटेल, प्रसिद्ध कृष्णा, टी नटराजन, वॉशिंगटन सुंदर और उमेश यादव भी शामिल हैं। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान और पृथ्वी साव ने 75-75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर अपना पंजीकरण कराया है। कार्यभार प्रबंधन और अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के कारण पिछले आईपीएल में नहीं खेलने वाले स्टोक्स ने फिर से यही विकल्प चुना है। इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 42 वर्षीय एंडरसन ने पहली बार आईपीएल के लिए पंजीकरण कराया है। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने आखिरी बार 10 साल पहले 2014 में टी20 मैच खेला था। उनका आधार मूल्य 1.25 करोड़ रुपए है। इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान खींचने वाले नेत्रावलकर भी नीलामी में अपना भाग्य आजमाएंगे। इस सॉफ्टवेयर इंजीनियर का आधार मूल्य 30 लाख रुपए है। पिछली नीलामी में नहीं बिक पाने वाले शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने फिर से पंजीकरण कराया है। उनका आधार मूल्य दो करोड रुपए है। पिछली नीलामी में रिकॉर्ड 24.50 करोड रुपए में बिकने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने दो करोड रुपए के आधार मूल्य में खुद का पंजीकरण कराया है। मध्यम गति के तेज गेंदबाज थॉमस ड्रेका आईपीएल के लिए पंजीकरण कराने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस साल जून में इटली के लिए पदार्पण करने के बाद से इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

उन्होंने अगस्त में ग्लोबल टी20 कनाडा में अच्छा प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था। ड्रेका ने ऑलराउंडर की श्रेणी में 30 लाख रुपए की न्यूनतम कीमत पर अपना नाम दर्ज कराया है। प्रत्एक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाडियों (संबंधित रिटेन खिलाडियों सहित) की टीम बना सकेगी। दस टीमों ने 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इस तरह से कुल 204 खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। प्रत्एक टीम के पास कुल 120 करोड़ रुपए का पर्स होगा। खिलाड़ियों को रिटेन करने पर खर्च की गई धनराशि के बाद पंजाब किंग्स के पास सर्वाधिक 110.5 करोड़ रुपए बचे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 83 करोड़ रुपए, दिल्ली कैपिटल्स के पास 73 करोड़ रुपए और गुजरात टाइटंस के पास 69 करोड़ रुपए हैं। लखनऊ सुपर जाइंट्स के पर्स में भी 69 करोड़ रुपए जबकि पांच बार के विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के पास 55 करोड़ रुपए शेष हैं। पिछले साल की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के पास 51 करोड़ रुपए, पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के पास 45 करोड़ रुपए, पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद के पास 45 करोड़ रुपए और राजस्थान रॉयल्स के पास 41 करोड़ रुपए बचे हैं।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

ऋषभ पंत पांच पायदान के उछाल से छठे स्थान पर

दुबई। (भाषा) भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले हफ्ते मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में प्रदर्शन के बूते बुधवार को ताजा जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। पंत ने मुंबई टेस्ट के दौरान दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं, हालांकि भारत तीसरे और अंतिम टेस्ट में हार से श्रृंखला 0-3 से गंवा बैठा। इस प्रदर्शन से पंत को रैंकिंग में फायदा हुआ जो संकेत है कि वह गंभीर कार दुर्घटना के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापसी कर चुके हैं। अब यह बाएं हाथ का बल्लेबाज जुलाई 2022 में रैंकिंग में हासिल किए गए अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से महज एक कदम पीछे है। शीर्ष टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाजों में बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं जो एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गए हैं।न्यूजीलैंड ने मुंबई में 25 रन की करीबी जीत से श्रृंखला में वाइटवाश किया जिससे शीर्ष 10 टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पंत और दौरा करने वाली टीम के डेरिल मिचेल को फायदा हुआ। मिचेल आठ पायदान की छलांग से सातवें स्थान पर पहुंच गए, उन्होंने मुंबई टेस्ट में भारत के खिलाफ पहली पारी में 82 रन की पारी खेली जिससे वह टीम के साथी केन विलियमसन (दूसरे स्थान) के साथ शामिल हो गए जो न्यूजीलैंड के शीर्ष 10 में मौजूद एकमात्र खिलाड़ी थे। इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज जो रूट ने सूची में शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है जिसमें विलियमसन, हैरी ब्रूक (तीसरे), जायसवाल (चौथे) और स्टीव स्मिथ (पांचवें) उनके लिए चुनौती हैं।

भारत के शुभमन गिल ने मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 90 रन की पारी खेली जिससे वह चार पायदान के लाभ से 16वें स्थान पर पहुंचे जबकि न्यूजीलैंड के प्लेयर ऑफ द सीरीज विल यंग 29 पायदान की उछाल से 44वें स्थान पर काबिज होने में सफल रहे। रविंद्र जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 विकेट लेने से टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दो पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंचे जिससे वह रविचंद्रन अश्विन से एक स्थान पीछे हैं। कागिसो रबाडा शीर्ष रैंकिंग पर काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और पैट कमिंस से आगे दूसरे स्थान पर हैं।

पोंटिग ने की भविष्यवाणी

बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 से जीतेगा ऑस्ट्रेलिया

दुबई। (भाषा) पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया बोर्डर-गावस्कर 3-। से जीतेगा क्योंकि मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी में मेहमान टीम के लिए टेस्ट मैच में 20 विकेट चटकाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। ऑस्ट्रेलिया की नजरें बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खिताब के सूखे को खत्म करने पर टिकी हैं। भारत ने 2014-15 से सभी चार श्रृंखलाएं जीती हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया में 2018-19 और 2020-21 में हुई श्रृंखलाएं भी शामिल है। भारत को हालांकि पिछली टेस्ट श्रृंखला में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार अपनी सरजमीं पर 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा जिसके बाद पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास मेहमान टीम को हराने का बेहतर मौका है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो पर ऑस्ट्रेलिया की संभावनाओं के बारे में कहा, संभवतः अब पहले ही तुलना मे बेहतर है। शमी चोटों के कारण पिछले साल नवंबर से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेले हैं और पोंटिंग का मानना है कि उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा और पदार्पण का इंतजार कर रहे हर्षित राणा की मौजूदगी वाले भारत के गेंदबाजी आक्रमण में कमी नजर आती है। पोंटिंग ने कहा, शमी की अनुपस्थिति में गेंदबाजी समूह में बहुत बड़ा अंतर आ गया है। उस समय (अगस्त में) कुछ अटकलें लगाई जा रही थीं कि शमी फिट होंगे या नहीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के लिए टेस्ट मैच में 20 विकेट लेना सबसे बड़ी चुनौती होगी। मुझे लगता है कि वे मौजूदा बल्लेबाजों के साथ यहां अच्छी बल्लेबाजी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की एक अधिक स्थिर टीम के रूप में प्रशंसा करते हुए पोंटिंग 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली श्रृंखला में भारत को पूरी तरह से कमजोर नहीं मानते। पोंटिंग ने भविष्यवाणी की, मुझे लगता है कि भारत पांच टेस्ट मैचों में से किसी एक टेस्ट मैच में जीतेगा। लेकिन मुझे अब भी लगता है कि ऑस्ट्रेलिया शायद थोड़ा अधिक स्थिर, थोड़ा अधिक अनुभवी है और हम जानते हैं कि उन्हें घर पर हराना बहुत मुश्किल है। इसलिए मैं 3-। के साथ जाऊंगा। पोंटिंग को लगता है कि अनुभवी स्टीव स्मिथ या तेजतर्रार ऋषभ पंत में से कोई एक पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी होगा।उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में मैं स्टीव स्मिथ या ऋषभ पंत को चुनूंगा। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि स्मिथ, यह तथ्य कि वह सलामी बल्लेबाज से नंबर चार पर वापस आ गया है, शायद उसके पास साबित करने के लिए और भी बहुत कुछ है... कि शायद उसे पारी का आगाज करने के लिए भेजा ही नहीं जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, और नंबर चार उसका स्थान है और जहां उसे संभवतः पूरे समय रहना चाहिए था और जहां वह संभवतः अपना करियर खत्म करेगा। पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस से अधिक विकेट जोश हेजलवुड चटकाएंगे।

वार्नर सिडनी थंडर के कप्तान नियुक्त

सिडनी। डेविड वार्नर को बुधवार को बिग बैश लीग की टीम सिडनी थंडर का कप्तान नियुक्त किया गया। यह छह साल बाद पहला अवसर होगा जबकि यह आक्रामक सलामी बल्लेबाज स्वदेश में किसी टीम का नेतृत्व करेगा।दक्षिण अफ्रीका में गेंद से छेड़छाड़ के विवाद के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वॉर्नर की कप्तानी पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि पिछले महीने यह प्रतिबंध हटा दिया था जिससे उनका सिडनी थंडर की कप्तानी करने का रास्ता साफ हो गया था।वार्नर ने जून में वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

कुंबले को उम्मीद दक्षिण अफ्रीका में युवाओं के लिए मौका

मुंबई। पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि यश दयाल, विशाक विजयकुमार और रमनदीप सिंह को घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार रिकार्ड को देखते हुए भारतीय टी20 टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलना चाहिए। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम डरबन में शुक्रवार से शुरू होने वाली पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण इस टीम के कोच हैं। कुंबले ने जिओ सिनेमा से कहा, मुझे उम्मीद है कि इन तीनों खिलाड़ियों को भारतीय टीम की तरफ से खेलने का मौका मिलेगा क्योंकि उन्होंने घरेलू स्तर पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। कुंबले ने तेज गेंदबाज यश दयाल की शानदार वापसी करने के लिए प्रशंसा की, जिन पर रिंकू सिंह ने आईपीएल 2023 के दौरान लगातार पांच छक्के जड़े थे।उन्होंने कहा, यश दयाल जिन पर रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाए थे, उन्होंने क्या शानदार वापसी की। इससे उनके जज्बे का पता चलता है। वह बाएं हाथ का शानदार तेज गेंदबाज है जो दोनों तरफ गेंद को मूव कर सकता है। कुंबले ने हैरानी जताई कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विजयकुमार को रिटेन नहीं किया।उन्होंने कहा, विजयकुमार वास्तव में बहुत अच्छा तेज गेंदबाज है जिसने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे वास्तव में हैरानी हुई कि आरसीबी ने उसे रिटेन नहीं किया।

किरण जॉर्ज कोरिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

इसकान सिटी (कोरिया), छह नवंबर (भाषा) भारत के किरण जॉर्ज ने बुधवार को यहां कड़े मुकाबले मे वियतनाम के कुआन लिन कुओ को तीन गेम मे हराकर कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर मे जगह बनाई।भारत के चौबीस साल के किरण ने इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के पहले दौर मे वियतनाम के खिलाड़ी के खिलाफ 57 मिनट मे 15-21, 21-12, 21-15 से जीत दर्ज की। टूर्नामेंट मे हिस्सा ले रहे एकमात्र भारतीय और दुनिया के 44वे नंबर के खिलाड़ी किरण दूसरे दौर मे चीनी ताइपे के तीसरे वरीय ची यू जेन से भिड़ेंगे। किरण ने मुकाबले की धीमी शुरुआत की जिसका फायदा उठाकर किन कुओ ने 11-4 की बढ़त बनाई और फिर आसानी से पहला गेम जीत लिया।किरण ने 0-। से पिछड़ने के बाद दूसरे गेम की शुरुआत लगातार छह अंक के साथ और फिर दूसरा गेम जीतकर मुकाबला।-। से बराबर किया।भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे और निर्णायक गेम में भी जीत की लय बरकरार रखते हुए एक घंटे से कम समय में मुकाबला अपने नाम किया।

सबालेंका शीर्ष स्थान पर करेंगी साल का अंत

रियाद। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में इगा स्वियातेक पर 6-3, 6-4 की जीत से सेमीफाइनल मे प्रवेश किया। इस नतीजे का मतलब है कि पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन स्वियातेक इस हफ्ते रैंकिंग मे दूसरे स्थान से ऊपर नही जा सकेंगी और आर्यना सबालेका पहली बार साल का अंत शीर्ष स्थान से करेंगी। यह 2023 अमेरिकी ओपन चैम्पियन गॉफ की 2023 सिनसिनाटी ओपन के बाद स्वियातेक पर पहली जीत है। दोनो के बीच करियर मे 13 भिड़ंत में यह गॉफ की दूसरी जीत भी रही।विम्बलडन चैम्पियन बारबोरा क्रेज्जसिकोवा ने जेसिका पेगुला पर 6-3, 6-3 की जीत से अपने अगले दौर में पहुंचने की उम्मीद जीवंत रखी है। इससे पेगुला का सफर टूर्नामेंट मे खत्म हो गया जो पहले मैच मे गॉफ से सीधे सेट मे हार गई थी।

रित्विक-केब्रल ने शीर्ष वरीय जोड़ी को हरा उलटफेर किया

मेट्ज (फ्रांस)। भारत के रित्विक चौधरी बोलीपल्ली और उनके जोड़ीदार फ्रांसिस्को केब्रल ने बुधवार को यहां मोसेले ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सेंटियागो गोंजालेज और एडवर्ड रोजर वेसलीन की शीर्ष वरीय जोड़ी को हराकर पुरुष युगल सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत और पुर्तगाल की गैर वरीय जोड़ी ने मैक्सिको के गोंजालेज और फ्रांस के रोजर वेसलीन की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल मे 7-6 6-4 से हराया। हैदराबाद के रित्विक ने एटीपी टूर पर पहली बार किसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। रित्विक और केब्रल अगले दौर में मैनुएल गुइनार्ड और ग्रेगोएर जैक तथा पियरे ह्यजेस हर्बर्ट और अल्बानो ओलिवेटी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। सुमित नागल और एन श्रीराज बालाजी इस एटीपी 250 टूर्नामेंट में अपने अपने वर्ग मे पहले दौर में हार के साथ बाहर हो चुके है।

डेविस कप कोच आशुतोष सिंह को 16 साल के मानस धामने से काफी उम्मीदें

नई दिल्ली। जीशान अली की जगह नए डेविस कप कोच बने आशुतोष सिंह को उम्मीद है कि मानस धामने अपनी कड़ी मेहनत और शानदार जज्बे की बदौलत भारतीय टेनिस के लिए भविष्य में अहम खिलाड़ी साबित हो सकते है। आशुतोष ने स्टॉकहोम में मालेगांव के इस युवा खिलाड़ी को देखा जहां भारत ने स्वीडन के खिलाफ डेविस कप ग्रुप एक मुकाबले मे हिस्सा लिया था। हालांकि 16 वर्षीय धामने को कोई मैच खेलने का मौका नही मिला लेकिन वह एक अन्य युवा खिलाड़ी आर्यन शाह के साथ स्टॉकहोम गई टीम का हिस्सा थे। भारत को मेजबान टीम के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन कोच आशुतोष ने स्वीडन में हुए इस निराशाजनक प्रदर्शन मे सकारात्मक पहलू देखा। पूर्व डेविस कप खिलाड़ी बलराम सिंह के बेटे आशुतोष ने कहा, मानस एक मेहनती खिलाड़ी है। कोर्ट पर वह सिर्फ आंखो से संपर्क बनाता है और ओके करता है। उन्होने कहा, उसके पास एकल मे भारत के मिस्टर डिपेंडेबल बनने की क्षमता है जिसकी तलाश भारतीय टेनिस को लंबे समय से है। आशुतोष ने कहा, निश्चित रूप से अभी बहुत लंबा सफर तय करना है। लेकिन वह जिस रास्ते पर चल रहा है और उसके मेहनती दृष्टिकोण से यह संभव लगता है। उन्होने कहा, यह भी ध्यान रखना होगा कि मानस सिर्फ 16 साल का है और उसे अपने कार्यभार प्रबंधन के कुछ पहलुओं मे सतर्कता बरतते हुए निगरानी की जरूरत है। लेकिन वह इटली में अपने ट्रेनिंग बेस में सही ट्रेनिंग ले रहा है। भारत के पास शीर्ष-100 मे केवल एक खिलाड़ी सुमित नागल (83) है।

भारत ए के दूसरे अनौपचारिक मैच में केएल राहुल की फॉर्म पर होंगी नजरें

मेलबर्न।(भाषा) भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच बृहस्पतिवार से शुरू होने वाले दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में राष्ट्रीय चयन समिति की नजरें केएल राहुल की बल्लेबाजी और मौजूदा फॉर्म पर लगी होंगी।राहुल को छोड़कर भारत ए के लाइन-अप में ऐसा कोई भी खिलाड़ी नहीं है जो एमसीजी में खेला हो जिसमें भारत को 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट खेलना है। टीम प्रबंधन की सलाह पर भारतीय चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट के बीच में बाहर किए गए राहुल और रिजर्व विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को पर्थ में सीनियर टीम से जुड़ने से पहले दूसरे ए टेस्ट के लिए भेजने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम में अनुभवी स्कॉट बोलैंड भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के सीनियर रिजर्व तेज गेंदबाजों में से एक बोलैंड के मैदान पर उतरने से अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़, बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ियों के लिए यह मुकाबला कड़ी चुनौती होगा। लेकिन राहुल को निश्चित रूप से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेलने की संभावना के कारण ज्यादा लाभ मिलेगा। एमसीजी में अभ्यास सत्र के दौरान राहुल अच्छी लय में दिखे। ईश्वरन और कप्तान गायकवाड़ के पारी का आगाज करने के साथ यह उम्मीद की जा रही है कि राहुल इंडिया ए सेट-अप में पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे क्योंकि टेस्ट श्रृंखला के दौरान किसी भी समय अगर उन्हें भारत के अंतिम एकादश में चुना जाता है तो उन्हें इसी स्थान पर बल्लेबाजी करने को मिलेगी। यह तो तय है कि जब उछाल वाली परिस्थितियों में गुणवत्ता वाली तेज गेंदबाजी का सामना करने की बात आती है तो लॉर्ड्स, ओवल, सिडनी, सेंचुरियन में शतक लगाने वाले राहुल घरेलू दिग्गज सरफराज खान की तुलना में कहीं अधिक काबिल हैं। हालांकि बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन बनाने के बाद सरफराज खान निश्चित रूप से 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में खेलने के दावेदार होंगे।जहां तक इंडिया ए टीम का सवाल है तो मैकाय में पहला अनौपचारिक टेस्ट खेलने वाली टीम में चार बदलाव होंगे जिसमें मेहमान टीम सात विकेट से हार गई थी। राहुल को बाबा इंद्रजीत की जगह शामिल किया जाएगा जिन्होंने दोनों पारियों में नौ और छह रन बनाए जबकि वह गति और उछाल के खिलाफ बिल्कुल भी सहज नहीं दिखे। वहीं जुरेल को इशान किशन की जगह उतारा जाएगा जो मैकाय में गेंद बदलने के विवाद का केंद्र बने हुए हैं।

भारत ए ने बदली गई गेंद का किया था विरोध वार्नर और कोवान ने मांगा स्पष्टीकरण

सिडनी। भारत ए के खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पिछले सप्ताह खेले गए पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच के अंतिम दिन के खेल के दौरान दी गई बदली हुई गेंद की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया, जबकि डेविड वार्नर और एड कोवान ने मामले में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से स्पष्टीकरण देने को कहा है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।यह मसला पिछले सप्ताह मैकाय में खेले गए चार दिवसीय मैच के अंतिम दिन सामने आया था जब अंपायरों ने भारतीय टीम को अलग गेंद दी। भारतीय खिलाड़ी, विशेषकर इशान किशन, इस फैसले से नाखुश थे तथा इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इसे मूर्खतापूर्ण फैसला करार दिया था।

अय्यर का नाबाद शतक, मुंबई ने ओडिशा के खिलाफ तीन विकेट पर 385 रन बनाए

मुंबई। (भाषा) श्रेयस अय्यर ने टीम में वापसी करते हुए नाबाद 152 रन की पारी खेली जिससे मुंबई ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के पहले दिन बुधवार को यहां ओडिशा के खिलाफ तीन विकेट पर 385 रन बनाए।अय्यर को सिद्धेश लाड (नाबाद 116 रन, 234 गेंद, 14 चौके) का अच्छा साथ मिला। मध्यक्रम के ए दोनों बल्लेबाज अब तक चौथे विकेट के लिए 231 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। भारतीय बल्लेबाज अय्यर 164 गेंद की अपनी पारी में अब तक 18 चौके और चार छक्के लगा चुके हैं। यह उनका लगातार दूसरा रणजी शतक है। उन्होंने अपने पिछले मैच में 142 रन बनाए थे। अय्यर और लाड 41वें ओवर में उस समय एक साथ आए जब बिपलब सामंत्रेय ने लगातार गेंदों पर सलामी बल्लेबाज अंगकृष्ण रघुवंशी (92 रन, 124 गेंद, 13 चौके, तीन छक्के) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (00) को आउट किया।सामंत्रेय ने रघुवंशी को बोल्ड करने के बाद रहाणे को पगबाधा किया। पुणे में ग्रुप ए के एक अन्य मुकाबले में सेना ने महाराष्ट्र के खिलाफ पहले दिन चार विकेट पर 239 रन बनाए। सलामी बल्लेबाजों सूरज वशिष्ठ (79 रन, 191 गेंद, नौ चौके, एक छक्का) और शुभम रोहिल्ला (67 रन, 132 गेंद, नौ चौके) ने पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़कर सेना को अच्छी शुरुआत दिलाई। रवि चौहान ने भी मेहमान टीम के लिए 130 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 59 रन की पारी खेलकर मेहमान टीम की स्थिति मजबूत की। शिलांग में जम्मू-कश्मीर ने मेजबान मेघालय को 73 रन पर समेटने के बाद छह विकेट पर 125 रन बनाकर 52 रन की बढ़त हासिल कर ली।

फिटनेस और मानसिक दृढ़ता की कमी थी लेकिन अब हम इस पर काम कर रहे : टेटे

नई दिल्ली।(भाषा) तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद से भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है और कप्तान सलीमा टेटे ने बुधवार को इसके लिए फिटनेस और मानसिक दृढ़ता की कमी को जिम्मेदार ठहराया। तोक्यो में 2021 में इतिहास रचने के बाद टीम इस साल हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही और पिछले एफआईएच प्रो लीग में भी खराब प्रदर्शन किया। बिहार के राजगीर में 11 से 20 नवंबर तक होने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पीटीआई को दिए साक्षात्कार में सलीमा ने कहा, हां, बेशक हम निराश थे लेकिन हम अतीत के बारे में नहीं सोच सकते और आगे बढ़ने की जरूरत है। हमें आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि अगर हम आगे नहीं बढ़ेंगे तो हम कभी मैच नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा, यह सभी के लिए काफी मुश्किल था, सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि टीम में शामिल सभी के लिए। लेकिन हमने इस पर काम किया। पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद नए मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का सफर आसान नहीं रहा लेकिन सलीमा ने कहा कि इन झटकों ने उन्हें बड़ा सबक सिखाया।उन्होंने कहा, हमें शुरू से शुरुआत करनी थी। हमें शून्य से शुरुआत करनी थी। और फिटनेस एक ऐसा क्षेत्र था जिस पर हरेंद्र सर ने ध्यान दिलाया था और जिस पर बहुत काम करने की जरूरत थी। सलीमा ने कहा, यह हमारी गलती थी कि हमने फिटनेस पर काम नहीं किया। लेकिन सर के आने के बाद से हमने अपनी फिटनेस पर बहुत काम किया है। आज के स्तर पर अगर आपके पास फिटनेस नहीं है तो आप हॉकी नहीं खेल सकते क्योंकि यह एक तेज खेल है और आपको फिटनेस की जरूरत होती है। भारतीय कप्तान ने कहा कि पूरी टीम अब फिटनेस के महत्व को समझती है। उन्होंने कहा, हम अपनी ताकत पर काम करते हैं। मैंने यह भी देखा कि हम इतना वजन नहीं उठा पाते थे। लड़कियां अब 100 किलोग्राम से ज्यादा वजन उठा रही हैं। इससे पता चलता है कि हम अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि हम बेहतर हो रहे हैं। हरेंद्र खेल के मानसिक पहलू के महत्व को समझते हैं और यही कारण है कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने इस साल 14 से 21 जुलाई तक केरल में प्रतिष्ठित भारतीय नौसेना अकादमी में गहन मानसिक मजबूती और एकजुटता शिविर में भाग लिया।सलीमा ने कहा, हमारे पास मानसिक अनुभव नहीं था। इसलिए यह (शिविर) बहुत अच्छा था।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हां, बेशक हम निराश थे लेकिन हम अतीत के बारे में नही सोच सकते और आगे बढ़ने की जरूरत है

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।